MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 30 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-208

कुछ बड़ा होने वाला है!

शाह-डोभाल-आईबी चीफ़ मंथन

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन और उसके दौरान हुई हिंसा के बाद केंद्र सरकार ने आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा तेज कर दी है। इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद भवन में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो (आईबी) प्रमुख तथा अन्य वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ उच्चस्-तरीय बैठक की। बैठक को वर्तमान सुरक्षा परिस्थितियों के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्री अमित शाह ने गृह सचिव, आईबी प्रमुख तथा सभी केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों के महानिदेशकों के साथ लगभग 40 मिनट तक बैठक की। बैठक में देश की आंतरिक सुरक्षा, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय तथा सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। इसके बाद गृह मंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी अलग से मुलाकात की।

दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा से जुड़े कथित भ्रामक एवं आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार को लेकर सोशल मीडिया मंचों पर कार्रवाई शुरू की है। पुलिस की विशेष इकाई आईएफएसओ (इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस यूनिट) ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व में ट्विटर) और यूट्यूब को नोटिस जारी कर कथित रूप से गलत जानकारी फैलाने वाले वीडियो और पोस्ट हटाने का अनुरोध किया है।

पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शन से जुड़े अनेक वीडियो और पोस्ट के माध्यम से भ्रामक जानकारी प्रसारित की गई, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी।

प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के संबंध में दर्ज मामलों को लेकर राजनीतिक विवाद भी जारी है। कुछ संगठनों और विपक्षी दलों का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है, जबकि सरकार का कहना है कि केवल कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

सरकारी पक्ष का कहना है कि जिन लोगों ने हिंसा, तोड़फोड़ या कानून-व्यवस्था भंग करने जैसी गतिविधियों में भाग लिया है, उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

यह मामला संसद में भी गूंजा। राज्यसभा में विपक्ष ने प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाया। विपक्ष के नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा विषय बताया, जबकि सरकार की ओर से कहा गया कि कानून के दायरे में रहते हुए पुलिस अपना कर्तव्य निभा रही है। इस दौरान वर्ष 2021 के एक मामले में जारी गैर-जमानती वारंट के आधार पर वामपंथी नेता आइशी घोष के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई का मुद्दा भी सदन में उठा। विपक्ष ने इसे प्रदर्शन से जोड़कर सरकार पर निशाना साधा, जबकि सरकार ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश के अनुपालन में की गई है।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर सरकार का जोर

सरकार ने दोहराया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा कानून-व्यवस्था भंग करने जैसी घटनाओं को स्वीकार नहीं किया जा सकता। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन से जुड़े सभी मामलों की जांच कानून के अनुसार की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एंटी पेपर लीक बिल पास राहुल पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में एंटी पेपर लीक विधेयक पारित होने के बाद संसद के भीतर और बाहर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रेस वार्ता कर सरकार पर छात्रों के साथ कथित पुलिस कार्रवाई, संसद में बोलने से रोकने तथा गृह मंत्री अमित शाह की जवाबदेही को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने राहुल गांधी के आरोपों का क्रमवार जवाब देते हुए उन्हें निराधार बताया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि संसद से लगभग 500 मीटर दूर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने पैलेट गन, कील लगी लाठियों तथा करंट देने वाले डंडों का इस्तेमाल किया। उन्होंने दावा किया कि एम्स के मेडिकल प्रमाणपत्रों के अनुसार कई छात्रों की आंखों की रोशनी प्रभावित होने का खतरा है।

इस पर लोकसभा में चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पुलिस ने केवल आंसू गैस के गोले छोड़े थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदर्शन के दौरान न तो किसी प्रकार की गोलीबारी हुई और न ही पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया।

गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग पर पलटवार

राहुल गांधी ने कहा कि यदि दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की जानकारी गृह मंत्री को थी तो वे इसके लिए जिम्मेदार हैं और यदि जानकारी नहीं थी तो यह उनकी प्रशासनिक विफलता है। उन्होंने प्रधानमंत्री से गृह मंत्री अमित शाह को पद से हटाने की मांग की।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि स्थानीय कानून-व्यवस्था से जुड़े निर्णय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी परिस्थितियों के अनुसार लेते हैं। उन्होंने राहुल गांधी से आरोपों के समर्थन में तथ्य प्रस्तुत करने की मांग करते हुए कहा कि बिना प्रमाण गृह मंत्री पर आरोप लगाना उचित नहीं है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने छात्रों के मुद्दे पर बोलना चाहा तो उनका माइक बंद कर दिया गया और उनसे गृह मंत्री पर की गई टिप्पणी के लिए माफी मांगने को कहा गया। उन्होंने कहा कि वे अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगेंगे।

भाजपा की ओर से संबित पात्रा ने कहा कि संसद की कार्यवाही नियमों के अनुसार चलती है। यदि कोई सदस्य नियमों के विपरीत या तथ्यहीन आरोप लगाता है तो ▶8 पर

महिला ट्रेनी आईपीएस यौन उत्पीड़न

उदय कृष्णा जेल में

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 29 जुलाई। महिला ट्रेनी आईपीएस अधिकारी से कथित यौन उत्पीड़न के चर्चित मामले में आरोपी ट्रेनी आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी को बुधवार को बड़ा कानूनी झटका लगा। उप्परपल्ली कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजते हुए जेल भेजने का आदेश दिया। अदालत में पेशी से पहले पुलिस ने उस्मानिया जनरल अस्पताल में उनका अनिवार्य मेडिकल परीक्षण कराया।

इस बीच, एफआईआर रद्द कराने की उम्मीद लेकर तेलंगाना हाईकोर्ट पहुंचे उदय कृष्णा रेड्डी को वहां से भी तत्काल राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट ने याचिका पर पीड़िता को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई लगभग चार सप्ताह बाद तय की है। अदालत ने न तो एफआईआर पर रोक लगाई और न ही पुलिस जांच पर कोई अंतरिम राहत दी, जिससे जांच पहले की तरह जारी रहेगी।

18 जुलाई को अत्तापुर पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर में एक महिला ट्रेनी आईपीएस अधिकारी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने कथित रूप से लगातार यौन उत्पीड़न किया, अश्लील एवं आपत्तिजनक व्हाट्सएप संदेश भेजे, पीछा किया, अवैध रूप से बंधक बनाया, शारीरिक हमला किया, धमकियां दीं तथा गुप्त रूप से निजी वीडियो रिकॉर्ड कर उसे उसके पति को भेजकर ब्लैकमेल करने का प्रयास किया। इन आरोपों के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी कुछ दिनों तक जांच एजेंसियों की पहुंच से बाहर रहा। नोटिस तामील नहीं हो सके, मोबाइल फोन लगातार बंद मिला और उसकी तलाश के लिए विशेष टीमें गठित करनी पड़ीं। अंततः मंगलवार को उसे हिरासत में लिया गया और बुधवार को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। ▶8 पर

अन्नदाता जीते, सरकार झुकी

60 प्रतिशत मूंग खरीदी का ऐलान

भोपाल, 29 जुलाई (एजेंसियां)। किसान आंदोलन और राजधानी भोपाल में प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन के बीच मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने किसानों की प्रमुख मांगों को स्वीकार करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। किसान संगठनों के प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक के बाद सरकार ने मूंग खरीदी, स्लॉट बुकिंग तथा ई-टोकन व्यवस्था को लेकर राहत देने वाले फैसलों की घोषणा की। सरकार की इस घोषणा के बाद किसानों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया और वे घरों की ओर लौट रहे है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गठित मंत्री समूह की बैठक में निर्णय लिया गया कि अब प्रदेश के पात्र किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 25 प्रतिशत के स्थान पर 60 प्रतिशत मूंग की खरीदी की जाएगी। इसके साथ ही स्लॉट बुकिंग तथा उपार्जन की समय-सीमा भी बढ़ा दी गई है, जिससे अधिक से अधिक किसानों को अपनी उपज बेचने का अवसर मिल सके। प्रदेश के कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने बताया कि भारत सरकार ने वर्ष 2026 के लिए मध्य प्रदेश को 4.52 लाख मीट्रिक टन ग्रीष्मकालीन मूंग खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया है। केंद्र सरकार की योजना के अनुसार कुल उत्पादन का अधिकतम 25 प्रतिशत खरीदी का प्रावधान है, लेकिन किसान संगठनों के साथ चर्चा के बाद राज्य सरकार ने किसानों के हित में विशेष निर्णय लेते हुए पात्र किसानों से 60 प्रतिशत तक मूंग खरीदने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि नर्मदापुरम, सीहोर और हरदा जैसे जिलों में यह सीमा औसतन लगभग तीन क्विंटल प्रति एकड़ तक पहुंचेगी। सरकार का प्रयास रहेगा कि इस निर्णय का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचे।

सरकार ने किसानों को राहत देते हुए स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 30 जुलाई से बढ़ाकर 10 अगस्त कर दी है। वहीं, मूंग उपार्जन की अंतिम तिथि भी 10 अगस्त से बढ़ाकर 20 अगस्त कर दी गई है, ताकि किसी भी किसान को समयाभाव के कारण अपनी उपज बेचने से वंचित न रहना पड़े। ▶8 पर

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट पर भड़का भारत

पाक कश्मीर नहीं पीओके!

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हालिया घटनाओं पर प्रकाशित एक समाचार को लेकर भारत ने अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स की शब्दावली पर कड़ा ऐतराज जताया है। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने अखबार द्वारा अपनी रिपोर्ट में पाकिस्तानी कश्मीर शब्द के प्रयोग को भ्रामक एवं तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए कहा कि ऐसा कोई भौगोलिक या राजनीतिक अस्तित्व नहीं है। सही शब्द पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) है, जो भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा है।

विवाद उस समय शुरू हुआ जब द न्यूयॉर्क टाइम्स ने पीओके में चुनाव के दौरान हुई हिंसा और तनाव पर प्रकाशित रिपोर्ट में पाकिस्तानी कश्मीर शब्द का इस्तेमाल किया। भारतीय दूतावास ने इसे भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से जुड़ा संवेदनशील विषय बताते हुए तत्काल आपत्ति दर्ज कराई। दूतावास ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की शब्दावली न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि पाठकों को गुमराह करने वाली भी है। भारत का स्पष्ट और लगातार रहा रुख है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न अंग हैं और सदैव रहेंगे।

पीओके ही है सही शब्दावली

भारतीय दूतावास ने अपने वक्तव्य में कहा कि पाकिस्तानी कश्मीर जैसी कोई मान्यता प्राप्त पहचान नहीं है। सही शब्द पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर है, क्योंकि पाकिस्तान ने भारत के इस क्षेत्र पर अवैध कब्जा कर रखा है।

दूतावास ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के साथ हिंसा, दमन और अधिकारों के उल्लंघन की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग करते समय अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को तथ्यों के अनुरूप और जिम्मेदारी के साथ शब्दों का चयन करना चाहिए। ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 24^0

ईरान का सरप्राइज़ अटैक

मिसाइल हमला, ट्रंप ने दी कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य-पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर ईरान द्वारा किए गए कथित बैलिस्टिक मिसाइल हमले के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि इस हमले के गंभीर परिणाम होंगे और अमेरिका इसका करारा जवाब देगा।

ट्रंप बोले()ईरान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

फॉक्स न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के इस कदम का अमेरिका सख्त जवाब देगा। उन्होंने कहा, हम उन्हें पस्त कर देंगे। हम उन्हें गहरा घाव देंगे। हमारी प्रतिक्रिया बेहद कठोर होगी।ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी सेना ने दावा किया कि ईरान की ओर से दागी गई सभी बैलिस्टिक मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही मार गिराया गया।

सरप्राइज अटैक में सैनिकों को मिला बेहद कम समय

राष्ट्रपति ट्रंप ने इस हमले को सरप्राइज अटैक करार देते हुए कहा कि जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने की ओर बढ़ रही मिसाइलों के बीच सैनिकों के पास प्रतिक्रिया देने के लिए केवल कुछ मिनट का समय था। ▶8 पर

पत्थर कारोबारी के घर छापा

20 करोड़ कैश, 15 किलो सोना!

बीरभूम, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में कथित अवैध पत्थर खनन और राजस्व नुकसान से जुड़े मामलों की जांच के बीच पत्थर कारोबारी मिनार मंडल के आवास से बड़ी मात्रा में नकदी और सोना बरामद होने के बाद मामला सुर्खियों में है। अधिकारियों द्वारा नोटों की गिनती का कार्य जारी है और अब तक 20 करोड़ रुपये नकद तथा 15 किलोग्राम सोना बरामद होने की जानकारी सामने आई है।

नोटों की गिनती जारी

जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह से अधिकारियों द्वारा नोट गिनने वाली मशीनों की सहायता से नकदी की गिनती की जा रही है। अब तक 20 करोड़ रुपये की नकदी बरामद होने की पुष्टि की गई है, जबकि बरामद सोने की मात्रा लगभग 15 किलोग्राम बताई जा रही है। मामले में जांच एजेंसियां आगे की कार्रवाई कर रही हैं। बरामदगी के बाद मिनार मंडल के परिवार की गतिविधियां भी चर्चा का विषय बन गई हैं। पिछले वर्ष 28 दिसंबर को बीरभूम के सूरी में उनकी बेटी का विवाह भव्य स्तर पर आयोजित किया गया था। इस समारोह में अभिनेता अरबाज खान, अभिनेत्री जरीन खान और गायिका मोनाली ठाकुर सहित कई फिल्मी हस्तियां शामिल हुई थीं। बताया जाता है कि मोनाली ठाकुर ने समारोह में प्रस्तुति भी दी थी।इसके अलावा बंगाली फिल्म जगत के कलाकार अंकुश हाजरा, सुमित गांगुली और दर्शना बनिक भी ▶8 पर

ब्रह्मांड में आकाशगंगाओं की महा-टक्कर की तैयारी : वैज्ञानिक

वाशिंगटन

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने ब्रह्मांड के शुरुआती दौर की एक बेहद दुर्लभ तस्वीर कैद की है। सबसे उन्नत दूरबीन वाले इस टेलीस्कोप से वैज्ञानिकों को कई चौंकाने वाली जानकारियाँ मिली हैं। टेलीस्कोप द्वारा खींची गई इस तस्वीर में युवा आकाशगंगाओं के एक नेटवर्क के भीतर एक सुपरमैसिव ब्लैक होल को बढ़ते हुए देखा गया है, जो बिग बैंग के सिर्फ एक अरब साल बाद का बताया जा रहा है। यह ब्लैक होल अपनी होस्ट आकाशगंगा, जिसे जीएन-77652 नाम दिया गया है, के मुकाबले बहुत ज्यादा विशाल है। नई रिसर्च के अनुसार, यह ब्लैक होल वैज्ञानिकों की उम्मीद से लगभग तीन सौ गुना अधिक भारी है। मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों की एक टीम ने यह ऐतिहासिक खोज की है, जिसकी अगुआई रिसर्चर गिउलिया टोजी ने की थी। इस आकाशगंगा के पास बारह हजार पारसेक लंबा एक कास्मिक फिलामेंट भी मौजूद है, जिसमें कई और आकाशगंगाएँ भी शामिल हैं।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि कुछ करोड़ सालों में ये सभी आकाशगंगाएँ आपस में टकराकर एक हो जाएँगी, जिससे ब्लैक होल के विकास की पूरी कहानी बदल सकती है। जब से जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने अंतरिक्ष में अपना काम शुरू किया है, तब से लगातार नई जानकारियाँ सामने आ रही हैं। खगोलविदों ने ब्रह्मांड के शुरुआती एक अरब सालों में मौजूद कई सक्रिय ब्लैक होल खोजे हैं, जिनमें से बहुत से अपनी आकाशगंगा के आकार से बहुत ज्यादा बड़े हैं।

कुछ तो वैज्ञानिकों की उम्मीद से दस से सौ गुना ज्यादा भारी नजर आते हैं। इस नई खोज में मिले ब्लैक होल का वजन लगभग एक करोड़ दस लाख सोलर मास है, जबकि इसकी आकाशगंगा जीएन-77652 में केवल सत्रह करोड़ सोलर मास के तारे मौजूद हैं। यह आंकड़ा इसे आज के ब्रह्मांड के सामान्य अनुपात से तीन सौ गुना ज्यादा भारी बनाता है। यह विशाल ब्लैक होल पाँच दशमलव दो तीन के रेडशिफ्ट पर आब्जर्व किया गया है, जो इतनी दूर है कि इसकी रोशनी को हम तक पहुँचने में अरबों साल लग गए।

मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फार एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल फिजिक्स की टीम ने ब्लैकथंडर कार्यक्रम के तहत इस इलाके का बहुत विस्तृत नक्शा तैयार किया। इस काम के लिए उन्होंने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के नियरस्पेक और डीप नियरकैम उपकरणों का इस्तेमाल किया, जो अंतरिक्ष की धूल के पार देखने में मदद करते हैं। वैज्ञानिकों को इस इलाके में गैस और तारों के चार और बड़े समूह मिले, जिन्हें रिसर्च में बी, सी, डी और ई नाम दिया गया है। ये सभी समूह भी ब्रह्मांड में लगभग उसी रेडशिफ्ट पर मौजूद हैं और गैस के क्लस्टर जीएन-77652 से दो दशमलव चार से ग्यारह दशमलव छह किलोपारसेक की दूरी पर फैले हुए हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जीएन-77652 इस समूह की सबसे बड़ी आकाशगंगा नहीं है, बल्कि स्रोत बी और डी दोनों में तारों का वजन दस गुना ज्यादा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत-अमेरिका रक्षा, परमाणु सहयोग को दे रहे हैं बढ़ावाः पाल कपूर

वाशिंगटन। अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री एस. पाल कपूर ने घोषणा की है कि भारत और अमेरिका रक्षा तथा असैन्य परमाणु क्षेत्रों में अपने सहयोग को लगातार मजबूत कर रहे हैं। इस बढ़ती साझेदारी में विश्वसनीय कृत्रिम मेधा (एआई) और अर्थव्यवस्था को गति देने वाली अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाना शामिल है। सहायक विदेश मंत्री कपूर ने यह बात वाशिंगटन में भारत पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन के दौरान कही, जिसमें अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस और भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत डेविड सी. मुलफोर्ड भी शामिल हुए थे। कपूर ने पोस्ट में सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालकर बताया कि यह बढ़ती भागीदारी अमेरिका में नए रोजगार के अवसर पैदा कर रही है और साथ ही ऐसी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ कर रही है जो अमेरिका और पूरे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विशेष रूप से रक्षा और असैन्य परमाणु सहयोग के विस्तार पर जोर दिया, जिसमें विश्वसनीय एआई और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने का लक्ष्य है। पिछले वर्ष, दोनों देशों ने थल, जल, आकाश, अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्रों में संबंध मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्त्वपूर्ण रक्षा साझेदारी मसौदे पर हस्ताक्षर किए थे। वर्ष 2002 के बाद से भारत ने अमेरिका से अनेक आधुनिक रक्षा प्रणालियां खरीदी हैं, जिनमें अपाचे और चिनूक हेलीकाप्टर, सी-17 तथा सी-130जे परिवहन विमान, पी-8आई समुद्री गश्ती विमान और एम777 होवित्जर तोपें प्रमुख हैं।

सऊदी-अमेरिका परमाणु समझौताः क्या पाकिस्तान का अतीत रोकेगा राह

कराची। दो दशक पहले, भारत के साथ ऐतिहासिक असैन्य परमाणु समझौते के बाद तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू. बुश पाकिस्तान पहुँचे थे। उन्होंने तब स्पष्ट किया था कि अमेरिका की परमाणु नीति दो देशों के भिन्न इतिहास को ध्यान में रखेगी। यह बयान पाकिस्तान के लिए किसी भी परमाणु सहयोग के दरवाजे बंद करने जैसा था, जिसका मुख्य कारण उसका पुराना परमाणु पाप था। दरअसल, बुश प्रशासन को पाकिस्तानी वैज्ञानिक डा. ए.क्यू. खान के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले थे, जो कि लीबिया, उत्तर कोरिया और ईरान को परमाणु सामग्री, बम डिजाइन और सेंट्रीफ्यूज बेचकर इतिहास का सबसे बड़ा परमाणु प्रसार नेटवर्क चलाया था। 1980 के दशक में ईरान को ब्रिकी किए गए सेंट्रीफ्यूज ही अब अमेरिका के हवाई हमलों का निशाना बन रहे हैं। लीबिया ने स्वेच्छा से अपना परमाणु कार्यक्रम छोड़ा, तब ए.क्यू. खान के नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ, जहाँ चीनी बम के ब्लूप्रिंट गुड लुक्स टेलर्स, इस्लामाबाद के शापिंग बैग में लिपटे मिले थे – वहीं दुकान जहाँ खान अपने सूट सिलवाते थे।

तुर्की का टीसीजी अनादोलूः समुद्री शक्ति का नया प्रतीक, ड्रोन कैरियर युग की शुरुआत

अंकारा। समुद्री युद्ध की बदलती तस्वीर के बीच तुर्की का युद्धपोत टीसीजी अनादोलू आधुनिक नौसैनिक

शक्ति का नया प्रतीक बनकर उभरा है। लगभग 27 हजार टन वजनी यह विशाल युद्धपोत केवल एक एम्फिबियस असाल्ट शिप नहीं, बल्कि दुनिया का पहला समर्पित ड्रोन कैरियर माना जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे मानव रहित लड़ाकू विमानों और अत्याधुनिक ड्रोन के संचालन के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है, जिससे समुद्री युद्ध की पारंपरिक अवधारणाओं में बड़ा बदलाव आया है। इस युद्धपोत का निर्माण स्पेन के जुआन कार्लोस प्रथम श्रेणी के एलएचडी डिजाइन पर आधारित है। शुरुआत में इसे अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमानों के संचालन को ध्यान में रखकर विकसित किया गया था, लेकिन तुर्की को अमेरिकी कार्यक्रम से बाहर किए जाने के बाद इसकी रणनीति पूरी तरह बदल दी गई। इसके बाद तुर्की ने इस पोत को स्वदेशी स्टील्थ और काम्बैट ड्रोन संचालित करने के अनुकूल बनाकर इसे नई पीढ़ी का युद्धपोत बना दिया। करीब 232 मीटर लंबे और 32 मीटर चौड़े इस जहाज का पूर्ण भार लगभग 27,436 टन है। इसकी अधिकतम गति 21 नाट और क्रूज़िंग गति 16 नाट है। यह लगभग 9,000 समुद्री मील तक बिना रुके अभियान चला सकता है और आवश्यक परिस्थितियों में 50 दिनों तक समुद्र में तैनात रह सकता है।

जापान के कुमामोटो में भूकंप से 13 लोगों की मौत
शापिंग सेंटर में हुए धमाके में दो महिलाओं की गई जान

टोक्यो (जापान)

देश की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने कहा कि भूकंप प्रभावित दक्षिण-पश्चिमी मुख्य द्वीप क्यूशू के कुमामोटो इलाके में कम से कम 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। यह इलाका एक दिन पहले आए शक्तिशाली भूकंप से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, मरने वालों की संख्या का आंकड़ा बढ़ सकता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.1 रिकार्ड की गई। कई लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। बचावकर्मी लोगों की तलाश कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ताकाइची ने कहा, जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके प्रति मैं गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। उन्होंने कहा कि सरकार ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाने और सुरक्षित निकालने के लिए हर संभव संसाधन जुटाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि शक्तिशाली भूकंप के बाद एक शापिंग सेंटर (आयन माल) में हुए धमाके में दो महिलाओं की मौत हो गई। एक महिला बेसुध अवस्था में मिली है। अधिकारियों के अनुसार, धमाके का कारण गैस रिसाव माना जा रहा है।

बताया गया है कि यात्सुशिरो शहर में निप्पान पेपर इंडस्ट्रीज की मिल में भूकंप के कारण एक चिमनी गिर गई। इस दौरान 11 लोग लापता हो गए। हादसे में दो लोगों के मारे जाने की आशंका है, जबकि बाकी नौ लोगों की हालत के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई। भूकंप के बाद भी कई तेज झटके (आफ्टरशाक्स) महसूस किए गए। अधिकारियों ने लोगों से बड़े भूकंपों के प्रति सतर्क रहने की अपील की है।

प्रधानमंत्री ताकाइची ने इमरजेंसी डिजास्टर टास्क फोर्स बनाने की घोषणा की है। अधिकारियों के अनुसार, कुमामोटो और नागासाकी इलाकों में 2,61,500 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों (इवैक्यूएशन सेंटर) पर जाने के निर्देश दिए गए। क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर के अनुसार, कुमामोटो इलाके में 34,360 घरों में बिजली नहीं थी। लैंड मिनिस्ट्री के अनुसार, सुबह तक कुमामोटो, सागा और नागासाकी इलाकों में लगभग 84,000 घरों में पानी की सप्लाई नहीं हो रही थी।

भूकंप से यात्सुशिरो में क्यूशू एक्सप्रेस-वे के ओवरपास को काफी नुकसान पहुंचा है और उसी शहर में एक पुल का पैदल चलने वाला हिस्सा ढह गया।

इलाके में एक्सप्रेस-वे के कुछ हिस्सों को बंद कर दिया गया है, जबकि जांच के लिए पहली ट्रेनों के साथ ही क्यूशू शिंकानसेन (बुलेट ट्रेन) की सर्विस को कुछ समय के लिए रोक दिया गया है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के एक अधिकारी ने लोगों से और भूकंप आने की आशंका को देखते हुए हाई अलर्ट पर रहने की अपील की।

रक्षामंत्री शिनजिरो कोइज़ुमी ने कहा कि आपदा प्रभावित इलाके में लगभग 3,600 सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज (एसडीएफ) कर्मियों को तैनात किया गया है।

प्रांतीय पुलिस ने बताया कि शापिंग सेंटर में धमाके से पहले लगभग 200 लोग बाहर निकल चुके थे। फायर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, आशंका है कि दूसरी मंजिल ढहने के बाद कई अन्य लोग इमारत के अंदर फंसे हो सकते हैं। यह माल कुमामोटो शहर के ठीक बाहर स्थित है। टोक्यो के पूर्व में चिबा स्थित मुख्यालय में आयन के एक प्रवक्ता ने कहा कि माल की छतें और दीवारें ढह गईं। प्रधानमंत्री के अनुसार, देश के दक्षिण-पश्चिम में आए भूकंप से इमारतें ढह गईं और आग लग गई। कम से कम 50 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। ताकाइची ने कहा कि संपत्ति के नुकसान का आकलन किया जा रहा है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि भूकंप के फौरन बाद एक मीटर (तीन फीट) तक की संभावित सुनामी के लिए अलर्ट जारी किया गया लेकिन शाम करीब 6:10 बजे चेतावनी वापस ले ली गई। परमाणु नियामक प्राधिकरण ने कहा कि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में तत्काल कोई असामान्य बात दर्ज नहीं की गई। सनद रहे, जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह प्रशांत महासागर के रिंग आफ फायर के पश्चिमी किनारे पर चार बड़ी टेक्टोनिक प्लेटों के ऊपर स्थित है। लगभग 12.5 करोड़ लोगों की आबादी वाले इस द्वीप समूह में हर साल सैकड़ों झटके महसूस किए जाते हैं और दुनिया के कुल भूकंपों में से लगभग 18 प्रतिशत यहीं आते हैं। जापान को 2011 में आए 9.0 तीव्रता के भूकंप की याद आज भी डराती है। इस आपदा में लगभग 18,500 लोग मारे गए या लापता हो गए थे। फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट तबाह हो गया था।

सऊदी अरब और अमेरिका ने इराक में ईरानी ठिकानों पर की एयरस्ट्राइक

तेहरान

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच तनाव एक नए चरम पर पहुंच गया है। सऊदी अरब के तेल ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमलों के जवाब में सऊदी अरब और अमेरिकी सेना ने मिलकर इराक में मौजूद ईरान समर्थित गुटों के ठिकानों पर बड़ी जवाबी कार्रवाई की है। इस एयरस्ट्राइक के बाद सऊदी अरब ने स्पष्ट किया है कि उसने यह कदम अपनी आत्मरक्षा में उठाया है। इस बड़ी सैन्य कार्रवाई के बाद क्षेत्र में युद्ध के और अधिक भड़कने की आशंका जताई जा रही है।

सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बीते 72 घंटों के दौरान देश के महत्वपूर्ण तेल ठिकानों पर 30 से अधिक ड्रोन हमलों के प्रयास किए गए थे। इसके जवाब में अमेरिकी सेंट्रल कमांड और सऊदी वायुसेना ने संयुक्त अभियान चलाकर इराक में सक्रिय ईरान समर्थक उग्रवादियों के हथियार गोदामों और लाजिस्टिक्स ठिकानों पर सटीक हमले किए। सऊदी अरब ने इस कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा का अधिकार बताया है। कार्रवाई के बाद रियाद ने ईरान को कड़ा संदेश जारी करते हुए चेतावनी दी है। सऊदी अरब ने कहा कि यद्यपि वह क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का पक्षधर नहीं है, लेकिन अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय संपत्तियों की रक्षा के लिए करारा जवाब देने से पीछे नहीं हटेगा। सऊदी रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि तेल ठिकानों पर भविष्य में कोई हमला हुआ, तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। दूसरी ओर, अमेरिकी प्रशासन ने भी ईरान और उसके सहयोगी गुटों को तुरंत हमले रोकने की सख्त हिदायत दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि उन्होंने कूटनीति को एक मौका देने के उद्देश्य से फिलहाल सीधी सैन्य कार्रवाई को रोका हुआ है। उन्होंने कहा कि वार्ता जारी है और यदि कोई ठोस समझौता नहीं होता है, तो अमेरिका दोबारा सख्त कदम उठाएगा। इस बीच, शांति स्थापना के लिए ओमान की मध्यस्थता में कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। ओमान के विदेश मंत्री ने क्षेत्रीय देशों के साथ दूरभाष पर चर्चा की है। समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक जहाजों के आवागमन को सुचारू बनाने के लिए मलक्का स्ट्रेट माडल के आधार पर एक क्षेत्रीय व्यवस्था विकसित करने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र में स्थिरता लाई जा सके।

बंद कमरे को खोला तो निकल पड़ा नोटों से भरा खजाना

लंदन। यूके में एक दंपती के साथ एक ऐसी अद्भुत घटना घटी जिसने उनकी किस्मत ही बदलकर रख दी। 34 वर्षीया लीजा और उनके पति डैन अपनी छुट्टियों के दौरान अपने करीब 100 साल पुराने पैतृक घर पहुंचे थे। यह मकान लंबे समय से बंद पड़ा था क्योंकि दोनों दंपती शहर में रहने लगे थे। घर की साफ-सफाई के दौरान फर्श पर एक जगह कुछ ईंटें उठी हुई नजर आईं। जब उन्होंने उन ईंटों को हटाकर देखा, तो नीचे एक कमरे जैसी जगह दिखाई दी, जिसके बाद दोनों ने उस रहस्यमयी हिस्से को खोलने का फैसला किया। दीवार तोड़ने पर दंपती को अपने ही घर के भीतर एक गुप्त कमरा मिला, जिसमें चारों तरफ केवल कोयला भरा हुआ था। कमरे की सफाई करते समय उन्हें कोयले के बीच एक पुराना और जंग लगा हुआ टिन का डिब्बा मिला। शुरुआत में उन्हें लगा कि यह केवल एक बेकार डिब्बा है जिसमें कोयला भरा होगा, इसलिए उन्होंने इसे एक किनारे रख दिया। डैन ने बताया कि उस डिब्बे से अमोनिया जैसी तीखी गंध आ रही थी, जिसके कारण उसे तुरंत खोलने से वे कतराते रहे और वह महीनों तक ऐसे ही पड़ा रहा। एक दिन बच्चों की भारी जिद पर दंपती ने सुरक्षा का ध्यान रखते हुए औजारों की मदद से उस डिब्बे को खोला।

वैश्विक फंडिंग में गिरावट से बढ़ा एचआईवी संक्रमण का खतरा : यूएन

जिनेवा

संयुक्त राष्ट्र की एचआईवी/एड्स से लड़ने वाली एजेंसी यूएनएड्स ने चेतावनी भरी रिपोर्ट जारी की है, जिसमें वैश्विक वित्तीय सहायता में भारी गिरावट को लेकर आगाह किया है। यूएनएड्स के अनुसार, फंडिंग में आई कमी से एचआईवी महामारी के और फैलने का खतरा बढ़ गया है, जिससे दशकों की मेहनत से हासिल की गई उपलब्धियों पर पानी फिर सकता है। यूएनएड्स ने तत्काल वैश्विक प्रतिबद्धता और सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 के लिए एचआईवी की रोकथाम हेतु अंतरराष्ट्रीय फंडिंग 18 प्रतिशत घटकर मात्र 7.3 अरब डालर रही है, जो करीब दो दशकों का सबसे निचला स्तर है। इस गंभीर कमी से नए एचआईवी संक्रमणों और एड्स से होने वाली मौतों में आई गिरावट का सकारात्मक रुझान उलट सकता है। यूएनएड्स ने बताया कि जनवरी 2025 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस लौटने के बाद अमेरिका ने एचआईवी से जुड़े सभी कार्यक्रमों की फंडिंग पर अस्थायी रोक लगा दी थी। हालांकि कुछ दिनों बाद जीवनरक्षक उपचार संबंधी वित्तीय सहायता बहाल कर दी गई, लेकिन अधिकांश अन्य परियोजनाओं के लिए फंडिंग को सीमित किया गया। पहले अमेरिका वैश्विक एचआईवी फंडिंग का करीब 75 प्रतिशत योगदान देता था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस समय राजनीतिक और वित्तीय अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है, जिससे एचआईवी के खिलाफ मिली सफलताएं खतरे में हैं। वर्ष 2030 तक एड्स को समाप्त करने का वैश्विक लक्ष्य फिलहाल पटरी से उतरता दिख रहा है। फंडिंग में कमी के अलावा, इबोला जैसी अन्य स्वास्थ्य आपदाओं ने भी दिशा में प्रयासों को प्रभावित किया है। पिछले वर्ष दुनिया भर में करीब 12 लाख लोग एचआईवी से संक्रमित हुए थे।

कुछ देशों ने घरेलू स्वास्थ्य बजट बढ़ाकर विदेशी सहायता में कमी की आंशिक भरपाई की है, फिर भी कुल एचआईवी संसाधनों में 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सभी देशों के लिए ऐसा करना संभव नहीं था, विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका के लिए, जहां वैश्विक स्तर पर लगभग आधे नए संक्रमण दर्ज होते हैं। कैमरून, नाइजीरिया और जाम्बिया जैसे देशों में एचआईवी संक्रमण से बचाव के लिए दी जाने वाली प्री-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (पीआरईपी) दवा प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। यूएनएड्स ने जोर दिया कि फंडिंग में आई बाधाओं का सबसे अधिक असर एचआईवी रोकथाम, जांच और समुदाय आधारित स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ा है, जो संक्रमण के सबसे अधिक जोखिम वाले लोगों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

वैज्ञानिकों ने अटलांटिक महासागर में ब्राजील के तट के पास 31 नई समुद्री प्रजातियों की खोज

ब्रासीलिया

वैज्ञानिकों ने दक्षिणी अटलांटिक महासागर में ब्राजील के तट के पास दो सप्ताह चले लंबे अंतरराष्ट्रीय अभियान के दौरान 31 नई समुद्री प्रजातियों की खोज की है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह खोज गहरे समुद्र के रहस्यों को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन नई प्रजातियों में तेज गति से तैरने वाला गोसामर वर्म, विचित्र आकार की मछलियां, पारदर्शी जेलीफिश, ग्लास स्क्विड और कई सूक्ष्म एक-कोशिकीय जीव शामिल हैं।

यह अभियान मुख्य रूप से समुद्र के मिडवाटर क्षेत्र पर केंद्रित था। समुद्र की सतह और तलहटी के बीच स्थित लगभग 600 से 3,300 फीट गहरा यह इलाका पृथ्वी के सबसे कम समझे जाने वाले पारिस्थितिकी तंत्रों में शामिल है। अत्यधिक जलदाब, अंधकार और कठिन परिस्थितियों के कारण इस क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान करना बेहद चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

अभियान की प्रमुख वैज्ञानिक करेन ओसबोर्न ने बताया कि मिडवाटर पृथ्वी का सबसे बड़ा जीव-आवास है, जहां असंख्य रहस्यमयी जीव रहते हैं। इन जीवों ने अत्यधिक दबाव और प्रकाश की कमी वाले वातावरण में जीवित रहने के लिए अनोखे जैविक अनुकूलन विकसित किए हैं, जिनका अध्ययन समुद्री विज्ञान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

इस अभियान को श्मिट ओशन इंस्टीट्यूट के अनुसंधान पोत फाल्कोर (टू) से संचालित किया गया। वैज्ञानिकों ने समुद्र की गहराइयों तक पहुंचने के लिए सुबास्टियन नामक अत्याधुनिक अंडरवाटर रोबोट, वर्चुअल रियलिटी चैंबर, रोबोटिक अनुसंधान उपकरणों और विशेष ग्रेविटी मशीन जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया। इन उपकरणों की मदद से गहरे समुद्र में मौजूद सूक्ष्म जीवों और उनके व्यवहार का विस्तार से अध्ययन किया गया।

अभियान के दौरान वैज्ञानिकों ने पहली बार स्पिनिंग व्हील कानफोकल माइक्रोस्कोप की सहायता से गहरे समुद्री जीवों की जीवित कोशिकाओं की आंतरिक संरचना की वास्तविक समय में तस्वीरें भी हासिल कीं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के बायोइंजीनियर मनु प्रकाश के अनुसार, इस तकनीक से अत्यधिक दबाव वाले वातावरण में रहने वाले जीवों की कोशिकीय प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझना संभव हुआ है।

आधुनिक तकनीकों के कारण शोधकर्ताओं को समुद्र के बीच अनुसंधान पोत पर ही नई प्रजातियों की तेजी से पहचान करने में सफलता मिली। वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे भविष्य में समुद्री जैव विविधता का अध्ययन और अधिक तेज, सटीक और प्रभावी हो सकेगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। प्रेमी को वक्त देने की कोशिश करेंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आ जाने के कारण आप उनको समय दे पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपकी उपलब्धी परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी क़ामयाबी की फ़ेहरिस्त में एक नया मोती जड़ेंगे। दूसरों के सामने आदर्श स्थापित करने के लिए ख़ुद को बेहतर बनाने की कोशिश जारी रखें।काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें । कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

हृदय–रोगियों के लिए सतर्कता के साथ योगा प्राणायाम करना चाहिए आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान–पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। विवाद, मतभेद और दूसरों की आपमें कमियाँ निकालने की आदत को नज़रअन्दाज़ करें। नयी परियोजनाओं और ख़र्चों को टाल दें। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की कामकाज को लेकर व्यस्तता आपकी उदासी का कारण बन सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सबकी मदद करने की आपकी इच्छा आपको आज बुरी तरह थकाएगी। आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढाएंगे। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में ज़्यादा तनाव न लें और आराम करें। कामकाज के मोर्चे पर आज का दिन काफ़ी अच्छा रहने वाला है। ज़रूरत के वक़्त आपका जीवनसाथी आपके परिवार की अपेक्षा अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। इस राशि के कारोबारियों को आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। यात्राओं से व्यावसायिक संबंधों में सुधार होगा। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आज प्यार के मामले में सामाजिक बंधन तोड़ने से बचें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती हैं

आज का पंचांग

दिनांक : 30 जुलाई 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 09:32 तक
नक्षत्र : श्रवण सायं 05:44 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 12:04 तक
करण : बालव प्रातः 08:52 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:3शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चातुर्मास व्रत वाले मनुष्य को श्रावण में हरी सब्जी खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पेद्दापल्ली में मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित, कई इलाकों में जलभराव, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

जिला कलेक्टर ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का लिया जायजा, नागरिकों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील

पेद्दापल्ली, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिले में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। नगर के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है, जबकि भोजनपेटा माला वागु में जलस्तर बढ़ने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। हालात का जायजा लेने के लिए जिला कलेक्टर कोया

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नागरिकों से अगले दो दिनों तक भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि जर्जर मकानों में रहने वाले लोग तत्काल सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं तथा अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। उन्होंने नगर आयुक्त एवं नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता के साथ राहत एवं बचाव कार्य करने के निर्देश दिए।

बुधवार सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण भोजनपेटा माला वागु में जलप्रवाह तेज हो गया, जिससे सड़क बांध पर पानी बहने लगा और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। इसके चलते पेद्दापल्ली से मूलासाला, अंकम्पल्ली, ओडेला होते हुए भोजनपेटा जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं भोजनपेटा से पेद्दापल्ली आने–जाने वाले लोगों के दैनिक कार्य भी प्रभावित हुए।

वागु में तेज बहाव के कारण दोनों किनारों पर स्थित किसानों के धान के खेत जलमग्न हो गए, जिससे फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर वर्ष बरसात के दौरान यही स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने स्थायी समाधान के रूप में वागु पर पुल निर्माण की मांग दोहराई।

लगातार वर्षा के कारण पेद्दापल्ली नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत चंदपल्ली वार्ड–17, पेद्दाम्मा नगर, एसआरएसपी नहर क्षेत्र, रंगमपल्ली वार्ड–11, साई गार्डन तथा रामपल्ली डबल बेडरूम आवासीय परिसर सहित कई इलाकों में घरों में पानी घुस गया। जलभराव से लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

नगर निगम अध्यक्ष नूगिला मल्लैया ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए कहा कि नगर निगम प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और नागरिकों की सहायता के लिए चौबीसों घंटे कार्य कर रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलें। उन्होंने बताया कि डबल बेडरूम आवासीय परिसर में पानी का स्तर अधिक होने के कारण प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

निरीक्षण एवं राहत कार्यों के दौरान नगर निगम अध्यक्ष नूगिला मल्लैया, नगर आयुक्त अकुला वेंकटेश, स्थानीय पार्षद पुधारी महेंद्र, थोटा फणींद्र भूपति, अक्कापल्ली क्रांति सुजाता, नदीम, तुमुला लता सुभाष, मोलुगुरी कमल, नगर नियोजन अधिकारी नरेश, कनिष्ठ सहायक रमाकांत, सुरेंद्र, वार्ड अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक राममोहन रेड्डी, पुलिपका राजू, जवान बोंगोनी अनिल सहित नगर निगम के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंचेरियाल में भारी बारिश से जनजीवन अस्त–व्यस्त, प्रशासन सतर्क

मंचेरियाल, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले में पिछले दो दिनों से हो रही लगातार भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। बेल्लमपल्ली, चेनूर, मंदामर्री, जन्नारम, लक्षेटीपेट समेत कई इलाकों में बारिश के कारण स्कूल, कॉलेज और कार्यालय जाने में कठिनाई हो रही है। नदियों और नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, विशेषकर राल्लावागु तालाब उफान पर है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में सतर्कता बरती जा रही है। बारिश से किसानों को राहत मिली है, लेकिन शहर व गांव के निचले इलाकों में जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रशासन ने नदी–नालों के पास न जाने की सलाह दी है। मंचेरियाल नगर के महापौर धरनी मधुकर ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर जल निकासी और नालियों की सफाई के निर्देश दिए।

भारी बारिश के कारण बेल्लमपल्ली, श्रीरामपुर, मंदामर्री क्षेत्र की सिंगरेनी कोलियरियों की ओपनकास्ट खदानों में खनन कार्य प्रभावित हुआ है। कीचड़ और जलभराव के कारण डंपरों की आवाजाही बंद हो गई है, जिससे उत्पादन में गिरावट आई है। भूमिगत खदानों में कार्य सामान्य है। पेद्दापल्ली के सांसद वंशी कृष्णा ने लोगों से केवल आपात स्थिति में बाहर निकलने और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अम्बर किशोर झा ने रालावागु तालाब का निरीक्षण कर पुल टूटने के कारण आवागमन बंद किया है। कांग्रेस पार्टी के कई पार्षद अपने–अपने डिवीजनों में लोगों की सहायता में जुटे हैं।

मंचेरियल में गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धा और भक्ति का संगम, मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

मंचेरियाल, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंचेरियाल जिले के विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही विशेष पूजा–अर्चना का दौर शुरू हो गया। भक्तों ने अपने गुरुजनों और आराध्य देव का आशीर्वाद लिया। जिले के प्रमुख मंदिरों में भजन–कीर्तन, विशेष आरती और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने सपरिवार दर्शन कर सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर समितियों द्वारा दर्शन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। नगर के साईं बाबा मंदिर और विश्वनाथ मंदिर में दत्तात्रेय गुरु की विशेष पूजा–अर्चना की गई, जिसमें मंचेरियल के पूर्व विधायक नदीपेल्ली दिवाकर राव ने भी भाग लिया। इस अवसर पर पूरे जिले में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा।

श्री बालवीर हनुमान मंदिर में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या–1 स्थित श्री बालवीर हनुमान मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम परम पूज्य श्री श्री 1008 प्रभु दास जी महाराज के पावन सान्निध्य में भव्य रूप से आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। प्रातः 8 बजे पूज्य महाराज जी द्वारा श्री राम दरबार एवं श्री हनुमान जी महाराज का विधिवत अभिषेक एवं विशेष पूजन सम्पन्न कराया गया। इसके उपरांत उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान करते हुए गुरु–शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी के सुख, शांति एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

दिनभर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। प्रमुख भजन गायकों ने अपनी मधुर एवं भक्तिमय प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लेते हुए गुरु पूर्णिमा महोत्सव में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान सभी भक्तों के लिए प्रसादी की भी व्यवस्था की गई।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत रात्रि 8 बजे मंदिर परिसर में नगर के प्रमुख कवियों की उपस्थिति में भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवियों ने अपनी ओजपूर्ण, भक्तिमय एवं प्रेरणादायी रचनाओं से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया।

इस अवसर पर सिखवाल समाज की ओर से पूज्य प्रभु दास जी महाराज का शाल एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भेरूलाल उपाध्याय, मुरलीधर व्यास, रामेश्वरलाल, एस.के. रामदेव, नगला ओमप्रकाश पांडे, मुलताई, छगनलाल व्यास, पवन ओझा, मुकेश उपाध्याय, राकेश पांडे, श्रवण व्यास, दिनेश नगला, उमेश पंडित, बृज गोपाल लखोटिया, विशाल शर्मा, चंद्रभान व्यास, महेश व्यास, सत्यनारायण उपाध्याय, चौधरी विशाल वैष्णव, चेतन व्यास, गिरिराज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली के बाल गृह से दो नाबालिग लड़कियां दीवार फांदकर फरार

पेद्दापल्ली, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुल्तानाबाद के मार्कंडेय कॉलोनी स्थित बाल गृह से दो नाबालिग लड़कियां कल रात दीवार फांदकर भाग गईं। फरार लड़कियों की पहचान 16 वर्षीय मिरियाला उमा माहेश्वरी और 8 वर्षीय सुशीला आकृति के रूप में हुई है।

बाल गृह अधीक्षक वनिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस फरार लड़कियों की तलाश कर रही है।

यदि किसी को तस्वीर में दिख रही लड़कियों के बारे में कोई जानकारी मिले तो सुल्तानाबाद एसआई/सीआई से संपर्क करें।

वोटर लिस्ट पुनरीक्षण को सफल बनाएं बूथ एजेंट : भाजपा जिलाध्यक्ष

बांसवाड़ा, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा जिलाध्यक्ष नीलम चिन्ना राजुलु ने बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) से केंद्रीय चुनाव आयोग के विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है। बुधवार को बांसवाड़ा शहर में बीएलए प्रभारियों की बैठक में उन्होंने कहा कि सभी पात्र मतदाताओं के नाम सूची में दर्ज हों, त्रुटियां सुधारी जाएं और नए मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रत्येक घर जाकर फॉर्म वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन की निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम 4 दिन में समाप्त हो रहा है, इसलिए कोई भी नाम न छूटे और न ही गलत तरीके से हटे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में जिला महासचिव श्रीनिवास रेड्डी, नगर अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी, जिला उपाध्यक्ष चिदुरु साई, जिला सचिव शंकर गौड़, मंडल अध्यक्ष हनुमान सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रोटरी इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 315 की जिला अध्यक्ष चुनी गईं अनुपमा सूबेदार

निज़ामाबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। निज़ामाबाद की समाजसेवी अनुपमा सूबेदार को रोटरी इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 315 की जिला अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। हाल ही में हैदराबाद के ताज होटल में आयोजित चुनाव एवं शपथ ग्रहण समारोह में उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया।

समारोह में तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के 22 इनर व्हील क्लबों के 35 क्लब अध्यक्षों तथा लगभग 190 अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकारी सदस्यों ने भाग लिया। शपथ ग्रहण एवं पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन हैदराबाद क्लब की प्रतिनिधियों सृजना एवं स्वान्दना के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष पद्मा शर्मा, सह–संयोजक रमा देवी, उमा रानी तथा क्लब अध्यक्ष लक्ष्मी माधवी लता सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष अनुपमा सूबेदार ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, वह उनके लिए सम्मान के साथ–साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान समाज सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने वाली योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। निज़ामाबाद इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष सुलक्षणा एवं सचिव ने अनुपमा सूबेदार के जिला अध्यक्ष चुने जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

गुरु बनाया नहीं, धारण किया जाता है : स्वामीश्री अर्जुनदासजी

तिरुमला, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु इस ब्रह्माण्ड की पावन धारणा है। गुरु को कभी बनाया नहीं जाता बल्कि गुरु धारण किया जाता है। यह कहा हाथीरामजी मठ के महंत पूज्य गुरुदेव 1008 स्वामीश्री अर्जुनदास जी महाराज ने। वे यहां गुरु पुर्णिमा के पावन पुनीत अवसर पर विधिवत् स्वयं गुरु पूजन करने के बाद उपस्थित श्रद्धालु शिष्यों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरु द्वारा बताए गए सेवा मार्ग पर चलना ही असल में गुरु आज्ञा का पालन होता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान का सदैव सम्मान करना चाहिए और निरंतर सीखने के लिए जिज्ञासु बने रहना चाहिए। जीवन में अच्छे मूल्यों को अपनाने एवं दान धर्म के लिए प्रेरित करते हुए वे बोले कि चारों युगों से चली आ रही दान की परम्परा की कलयुग में भी सर्वथा महत्ता है। इससे पूर्व उन्होंने पूर्व गादीपति अपने गुरु भगवान एवं पूज्य हाथीरामजी की गद्दी के समक्ष वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना भोग अर्पण कर आरती की। साथ ही उपस्थित बड़ी संख्या में साधु संतों आदि को वस्त्र, प्रसाद फल दक्षिणा आदि भेंट की। इस दौरान अनेक राज्यों से आये शिष्यों भक्तों ने भी परम गुरुभक्त शिव नारायणदासजी व प्रमोददासजी महाराज के साथ गुरुपूजन में भाग लिया। सभी ने पंगत भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर महंत जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कोंडागट्टू मंदिर में मंत्रियों ने की गिरि प्रदक्षिणा, अच्छी बारिश की कामना

जगतियाल, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु व्यास पूर्णिमा के अवसर पर प्रसिद्ध तीर्थस्थल कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

इस अवसर पर राज्य के सामाजिक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, वेमुलवाड़ा विधायक एवं सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास और चोप्पाडंडी विधायक मेडिपल्ली सत्यम ने स्वामी के दर्शन किए।

सुबह से हो रही बारिश के बावजूद मंत्रियों और विधायकों ने गिरि प्रदक्षिणा में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य में अच्छी बारिश और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की कामना की।

संकष्टी चतुर्थी पर इसलिए पूजे जाते हैं मंगलमूर्ति गणेश

संकष्टी चतुर्थी के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं इनमें से सबसे ज्यादा प्रचलित कथा गणेश जी पर ही केंद्रित है। कहते हैं एक बार देवता अपने कष्ट निवारण के लिए भगवान शंकर के पास गए। उस समय भगवान शिव के पास उनके ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय और गणेश भी बैठे हुए थे।

- संकष्टी चतुर्थी के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं इनमें से सबसे ज्यादा प्रचलित कथा गणेश जी पर ही केंद्रित है। कहते हैं एक बार देवता अपने कष्ट निवारण के लिए भगवान शंकर के पास गए। उस समय भगवान शिव के पास उनके ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय और गणेश भी बैठे हुए थे।
- शिवजी ने दोनों बालकों से पूछा- 'तुम में से कौन ऐसा वीर है जो देवताओं का कष्ट निवारण करेगा।' तब कार्तिकेय ने स्वयं को देवताओं का सेनापति प्रमाणित करते हुए देव रक्षा योग्य तथा सर्वोच्च देव पद मिलने का अधिकारी सिद्ध किया।
- यह बात सुनकर शिवजी ने गणेश की इच्छा जाननी चाही। तब गणेशजी ने विनम्र भाव से कहा- 'पिताजी, आपकी आज्ञा हो तो मैं बिना सेनापति बने ही सब संकट दूर कर सकता हूं।'
- यह सुनकर हंसते हुए शिव ने दोनों को पृथ्वी की परिक्रमा करने को कहा तथा यह शर्त रखी- 'जो सबसे पहले पूरी पृथ्वी की परिक्रमा करके आ जाएगा वही वीर तथा सर्वश्रेष्ठ देवता घोषित किया जाएगा।'
- कार्तिकेय बडे गर्व से अपने वाहन मोर पर चढकर पृथ्वी की परिक्रमा करने चल दिए। गणेशजी ने सोचा कि चूहे के बल पर तो पूरी पृथ्वी का चक्कर लगाना अत्यंत कठिन है इसलिए उन्होंने एक युक्ति सोची।
- गणेश जी 7 बार अपने माता-पिता की परिक्रमा करके बैठ गए। रास्ते में कार्तिकेय को पूरे पृथ्वी मण्डल में उनके आगे चूहे के पैरों चिह्न दिखाई दिए। परिक्रमा करके लौटने पर निर्णय की बारी आई।
- कार्तिकेय जी गणेश पर नाराज हो गए और स्वयं को पूरे भूमण्डल का एकमात्र पर्यटक बताया। इस पर गणेश ने शिव से कहा- 'माता-पिता में ही समस्त तीर्थ निहित हैं इसलिए मैंने आपकी 7 बार परिक्रमा की हैं।'
- गणेश की बात सुनकर समस्त देवताओं तथा कार्तिकेय ने सिर झुका लिया। तब शंकरजी ने उन्मुक्त कण्ठ से गणेश की प्रशंसा की तथा आशीर्वाद दिया- 'त्रिलोक में सर्वप्रथम तुम्हारी पूजा होगी।' तब गणेशजी ने पिता की आज्ञानुसार जाकर देवताओं का संकट दूर किया।
- जो स्त्री-पुरुष इस संकष्टी चतुर्थी तिथि पर भगवान गणेश जी का पूजन तथा चंद्र अर्ध्यदान देगा। उसका त्रिविधि ताप (दैहिक, दैविक, भौतिक) दूर होगा और ऐश्वर्य, पुत्र, सौभाग्य को प्राप्त करेगा। यह सुनकर देवगण हर्षातिरेक में प्रणाम कर अंतर्धान हो गए।

शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एकादशी के दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करता है उसके कई जन्मों के पाप कट जाते हैं और व्यक्ति विष्णु लोक में स्थान प्राप्त करता है। संस्कृत शब्द एकादशी का शाब्दिक का अर्थ ग्यारह होता है। एकादशी पंद्रह दिवसीय पक्ष (कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष) के ग्यारवें दिन आती है।

इसलिए यह व्रत सर्वश्रेष्ठ और परम फलदायक है

शास्त्रों के अनुसार हर वैष्णव को एकादशी के दिन व्रत करना चाहियें। यह ब्रत मनुष्य जीवन के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। 28 अगस्त को जया एकादशी व्रत है। पुराणों में सभी व्रतों में एकादशी व्रत का बडा महत्व बताया गया है। पूरे साल में 24 एकादशी आती है । एकादशी का आरम्भ उत्पन्ना एकादशी से होता है। सी मान्यता है कि इसी एकादशी से एकादशी के व्रत की शुरुआत हुई थी। शास्त्रों के अनुसार सतयुग में इसी एकादशी तिथि को भगवान विष्णु के शरीर से एक देवी का जन्म हुआ था।

उस देवी ने भगवान विष्णु के प्राण बचाए थे जिससे प्रसन्न होकर श्री विष्णु जी ने इन्हें एकादशी नाम दिया। शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एकादशी के दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करता है उसके कई जन्मों के पाप कट जाते हैं और व्यक्ति विष्णु लोक में स्थान प्राप्त करता है। शास्त्रों के अनुसार एकादशी का ब्रत रखने वाला संसार की मोहमाया के प्रभाव से मुक्त हो जाता है, उसमें बुराइयाँ समाप्त होती जाती है और एकादशी के ब्रत के पुण्य के प्रभाव से वह व्यक्ति विष्णु लोक में स्थान पाता है।

एकादशी के ब्रत को सभी ब्रतों में श्रेष्ठ माना जाता है । इस दिन योग्य ब्राहमणो को यथा शक्ति दान दक्षिणा भी देना चाहिए । इस व्रत को करने से समस्त इच्छाएं पूर्ण होती हैं और भगवान श्री हरि विष्णु और माँ लक्ष्मी अति प्रसन्न होते हैं। जातक को जीवन में धन, यश, आरोग्य, विघा, योग्य पुत्र , पारिवारिक सुख, ऐश्वर्य तथा मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है और अंत में वह विष्णु लोक को जाता है। उसके पितृ भी तर जाते है, उन्हें स्वर्ग में स्थान मिलता है। जातक की आने वाली पीढियों को भी इस ब्रत का लाभ मिलता है। इसलिए यह व्रत सर्वश्रेष्ठ और परम फलदायक है। हिन्दु धर्म के सभी धर्म ग्रन्थ एकादशी के दिन पूर्ण रूप से उपवास करने को करते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस पृथ्वी में पुण्य फलो की प्राप्ति के लिए आठ वर्ष से अस्सी वर्ष तक के सभी मनुष्यों को एकादशी के दिन व्रत अवश्य ही रखना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार जो पूर्ण रूप से उपवास नहीं कर सकते है वह दोपहर या संध्या काल में एक बार भोजन कर सकते हैं। परन्तु इस दिन किसी कोई भी , किसी भी रूप या स्थिति में अन्न को ग्रहण नहीं करना चाहिये। एकादशी व्रत करने की इच्छा रखने वाले मनुष्य को एकादशी से एक दिन पहले दशमी के दिन मांस, प्याज, लहसुन , मसूर की दाल आदि निषेध वस्तुओं का सेवन नहीं करना चाहिए एवं रात्रि को पूर्ण ब्रहमचर्य का पालन करना चाहिए ।एकादशी से एक दिन पहले अर्थात दशमी के दिन रात को सोने से पहले अच्छी तरह दाँत को साफ करके सोना चाहिए ।

एकादशी के दिन प्रातः लकडी का दातुन या मँजन न करें, वरन उँगली से कंठ को अच्छी तरह से साफ कर लें, और पानी से बारह बार कुल्ला कर लें। फिर स्नानादि कर गीता पाठ एवं उस दिन की एकादशी की कथा को पढे करें या पुरोहितजी से श्रवण करें। उस दिन ब्रत करने वाले को प्रभु के सामने यह प्रण करना चाहिए कि ' आज मैं कोई भी बुरा काम, बुरा आचरण नहीं करूँगा , किसी का दिल नहीं दुखाऊँगा ना ही दुष्ट मनुष्यों से बात करूँगा और रात्रि को जागरण कर कीर्तन करूँगा।'एकादशी के दिन 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' इस द्वादश मंत्र का अधिक से अधिक जाप करें। इस दिन विष्णु के सहस्त्रनाम भी पाठ करें । भगवान विष्णु से प्रार्थना करें कि- हे ईश्वर आप मुझे इस ब्रत को विधिपूर्वक पूरा करने की शक्ति प्रदान करना। इस दिन यदि भूलवश कोई बुरा आचरण हो भी जाय तो प्रभु श्रीहरि की पूजा कर उनसे क्षमा माँग लेना चाहिए। एकादशी के दिन ना तो घर में झाड़ू लगाएं और ना ही इस दिन बाल कटवाएं । इस दिन अधिक बोलना भी नहीं चाहिए। क्योंकि अधिक बोलने से मुख गलत शब्द भी निकल जाते हैं। एकादशी के दिन क्रोध नहीं करते हुए मीठे, मधुर वचन ही बोलने चाहिए।

एकादशी के दिन निम्न चीजे अवश्य करे :

* एकादशी के दिन यथाशक्ति दान अवश्य ही करना चाहिए।

* इस दिन चाहे आपने ब्रत रखा हो या नहीं लेकिन आप किसी भी दूसरे मनुष्य का दिया हुआ अन्न बिलकुल भी ग्रहण न करें। ।

* ब्रत रखने वाले को एकादशी के दिन गाजर, शलजम, गोभी, पालक, कुलफा का साग इत्यादि का सेवन नहीं करना चाहिए।

* इस दिन दूध, सेब, आम, अंगूर, मेवो में बादाम, पिस्ता , दूध इत्यादि का सेवन करें। इस दिन प्रत्येक वस्तु को प्रभु को भोग लगाकर तथा तुलसीदल छोडकर ग्रहण करना चाहिए।

* एकादशी के अगले दिन अर्थात द्वादशी के दिन ब्राहमणों को मिष्ठान्न, दान दक्षिणा अवश्य ही देना चाहिए और उन्हें भोजन कराने के बाद ही स्वयं भोजन करना चाहिए । जया एकादशी व्रत से मिलती है पिशाच योनी से मुक्ति। शास्त्रों में कहा गया है कि जो व्यक्ति श्रद्धा पूर्वक जया एकादशी का व्रत रखता है वह ब्रहमहत्या जैसे महापाप से छूट जाता है। इस व्रत के पुण्य से व्यक्ति को पिशाच योनी से भी मुक्ति मिल जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस व्रत के दिन पवित्र मन से भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। मन में द्वेष, छल-कपट, काम और वासना की भावना नहीं लानी चाहिए। नारायण स्तोत्र एवं विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना चाहिए। इस प्रकार से जया एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती।

पैसों का पेड, जिस पर होना चाहिए यह चीनी सिक्का

धन और समृद्धि का सबसे प्राचीन प्रतीक मध्य में एक वर्ग छेद के साथ एक चीनी सिक्का है। ये फेंगशुई की दुकान पर मिल ही जाता है। यह सिक्का सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। जब आप इस सिक्के का उपयोग करें तो इसे पैसों के पेड पर सजा सकते हैं।व्यापक प्रतीकों में मेंढक एक खजाने पर बैठे और अपने मालिक के पास अच्छे भाग्य लाने। अपने घर में धन का क्षेत्र का स्थान है, और फेंग शुई के सिद्धांत और व्यवहार के अनुसार, पर है दक्षिण-पूर्व, जहां यह धन और समृद्धि के प्रतीक है, साथ ही तावीज और आकर्षण जगह पर व्यापार में अच्छी किस्मत को आकर्षित करती है।यह सिक्का एक ही क्षेत्र में और रखा जा सकता है। इसके अलावा फेंगशुई के अनुसार घर में पैसे के लिए लिफाफे, चीनी पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, लाल होना चाहिए। मौजूदा खर्च के लिए पैसे के साथ लिफाफा चरित्र समृद्धि, एक फूल पूर्ण विकसित दिखने में उसके समान प्रतिनिधित्व करते हैं।चित्रलिपि धन (बॉक्स की तरह) के साथ लिफाफेअधिक एक निश्चित राशि के लिए कुछ भी संचय के लिए उपयुक्त हैं। इन सरल सिफारिशों के बाद और पुराने लक्षण को सुन कर, यह संभव है आप अपने नगदी प्रवाह को आकर्षित करने और इसे अपने परिवार के कल्याण के लिए रखना होगा।

यह व्यक्ति के जीवन मे प्रसिद्धि, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी करती है

यह रेखा व्यक्ति के जीवन मे प्रसिद्धि, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी करती है। सूर्य की रेखा को अपोलो रेखा, सफलता रेखा या प्रतिभा रेखा से भी जाना जा सकता है एवं यह हाथ के आकार पर निर्भर करता है । सूर्य रेखा द्वारा व्यक्ति के जीवन में ख्याति, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी की जा सकती है। सूर्य रेखा का उदय, जीवन रेखा, हदय रेखा, चंद्र पर्वत, मंगल स्थान या मष्तिष्क रेखा से होता है । सूर्य की रेखा का आकार, सफलता की सीमा का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और व्यक्ति के जीवन में ख्याति, सफलता और ख्याति बनाए रखने में स्थिरता और उत्पन्न बाधाओं को बताता है । सूर्य रेखा के साथ मष्तिष्क रेखा अगर ढलती हुई जाती हैं तो इससे ज्ञात होता है कि व्यक्ति की सफलता कलात्मक क्षेत्र जैसे कविता, कला, साहित्य, कल्पनाशील पर आधारित क्षेत्र मे होती है। सूर्य रेखा के साथ कई महीन रेखाए ये दर्शाती है कि व्यक्ति कलात्मकता युक्त होता है परन्तु बहुविचारो के कारण वह किसी एक क्षेत्र मे सफलता नही प्राप्त कर पाता । सूर्य रेखा यदि स्पष्ट है तो व्यक्ति संवेदनशील, दयालु और उदार है इसका परिणाम उसे लोकप्रिय बनाता है । सूर्य की रेखा यदि असाधारण रुप से सीधी है तो व्यक्ति अपार धन का स्वामी, सामाजिक शक्ति प्राप्त करता है।

सूर्य रेखा को अपोलो रेखा, सफलता की रेखा या बुद्धिमत्ता की रेखा के नाम से भी जाना जाता है। यह रेखा कलाई के पास चंद्र पर्वत से निकलकर अनामिका तक जाती है।

इस रेखा पर यदि तारा हो तो व्यक्ति प्रतिभावान होता है और उसकी स्थायी सफलता निश्चित है । सूर्य रेखा पर यदि वर्ग बना हो तो व्यक्ति अपने नाम और सामाजिक स्थिति के कारण दुश्मन के हमले से सुरक्षित होता है । कर्संदर्भ में दुश्मन के हमले के खिलाफसंरक्षण के संकेत सूर्य रेखा पर एक द्वीप की स्थिति ये दर्शाती है कि व्यक्ति की निंदा होती है अंततः एक लोकापवाद के रुप मे सामने आती है । एक प्रतिभाशाली और कलात्मक हाथ पर सूर्य की रेखा की अनुपस्थिति ये दर्शाती है कि व्यक्ति की कडी मेहनत के बावजूद ख्याति प्राप्त करने मे मुश्किल आती है ।

यदि सूर्य रेखा बिखरी हुई भाग्य रेखा के साथ हो तो व्यक्ति निरंतर विफलताओं और निराशाओं के बावजूद सदैव खुश दिखाई देगा । यदि सूर्य रेखा के साथ भाग्य रेखा भी समानांतर चल रही हो साथ मे मष्तिष्क रेखा भी स्पष्ट हो तो यह एक अत्यंत शुभ संकेत है, और ऐसा व्यक्ति अपार धन का स्वामी, व्यवहारिक और भाग्यशाली होता है । यदि सूर्य की रेखा हाथ मे सपष्ट दिखाई दे और कुछ समय बाद लुप्त हो जाए तो ऐसा व्यक्ति प्रायः दुखी रहता है लेकिन जब सूर्य की रेखा स्पष्ट होती है वो समय उसके लिये सुखमय होता है ।

यदि एक खोखले हाथ पर सूर्य रेखा विध्यामान हो तो ऐसा व्यक्ति निरंतर दुर्भाग्य होने के बावजूद सदेव आशावादी एव तेजस्वी प्रतीत होता है

बेडरूम में झरने, तालाब की तस्वीर नहीं लगाएं

आपसी बातचीत शादीशुदा जिंदगी में रिश्तों की डोर को मजबूत बनाती है और टीवी और अन्य गैजेट्स इस बातचीत को पूरी तरह खत्म कर देते हैं। इसलिए फेंगशुई के अनुसार अगर शादीशुदा जिंदगी में खुशियां चाहिए तो टीवी को बेडरूम से बाहर निकालना ही होगा। एक ही गदा हो, फेंगशुई के अनुसार पति-पत्नी के बेड पर एक ही गदा होना चाहिए। मसलन अगर डबल बेड है तो भी गद्दा एक ही फुल साइज होना चाहिए। दो गदों का प्रयोग वैवाहिक जोडे के भविष्य के लिए हानिकारक माना जाता है। अलगाव नहीं संबंधों को दें जगह। पति-पत्नी के बेडरूम में अलगाव को दर्शाने वाली चीजें नहीं होना चाहिए। यहां नदी, तालाब, झरना और जल संग्रह आदि की तस्वीरें नहीं लगानी चाहिए। पुराने रिश्तों को ना दें जगह, अगर पति-पत्नी में से किसी का पहले किसी अन्य से कोई रिश्ता हो तो उसे जुडी हर वस्तु बेडरूम से बाहर रखनी चाहिए। इस बात का ख्याल खासकर उन कपल्स को रखना चाहिए जिनकी या तो तलाक या पहली पति या पत्नी के मरने के बाद दूसरी शादी हुई हो। पानी वाली चीजें रखें बाहर। फेंगशुई के अनुसार पानी प्यार की ऊर्जा में बाधक का काम करता है, इसलिए बेडरूम में झरने, तालाब आदि की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। साथ ही बेडरूम के अंदर किसी तरह का फव्वारा या मछलीघर भी नहीं रखना चाहिए।

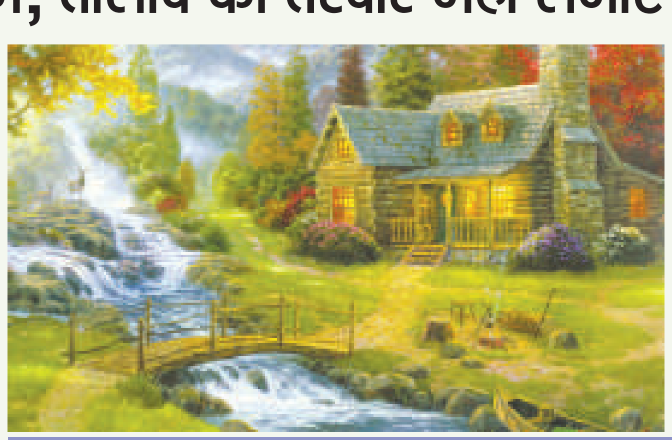

फेंगशुई सिर्फवस्तुओं को सही जगह रखने का विज्ञान भर नहीं है, बल्कि इससे लव लाइफको भी बेहतर बनाया जा सकता है। इसमें ऐसे कई टिप्स हैं जिसका पालन करके अविवाहित और विवाहित दोनों अपनी जिंदगी में लव का संचार कर सकते हैं। घर में टीवी, कंप्यूटर पर ज्यादा समय न दें बल्कि प्यार को जगाएं।

पीने के लिए भी बस एक बोतल पानी रात के समय काफी है। बेडरूम में अपना बिस्तर खिडकी या दीवार से सटाकर कभी भी न लगाएं। इससे रिश्तों में तनाव उत्पन्न होता है और आपसी असहयोग की प्रवृत्ति को बढावा मिलता है। घर को थोडा सजाएं, जिन युवाओं को अपना मनचाहा प्रेमी नहीं मिल रहा उन्हें सबसे पहले अपना घर देखना चाहिए। घर को सजाना पॉजिटिव एनर्जी को लाने का सबसे आसान तरीका होता है। घर की साफ-सफाई और सजावट में वक्त दीजिए। फेंगशुई के अनुसार सिंगल कुर्सियां और पक्षी, जानवरों की मूर्ति अकेलेपन को दर्शाती है, इसलिए सिंगल कुर्सियों को हटाएं। घर में जोडे वाले पक्षियों की तस्वीर या मूर्ति लगाए। इससे आपस में प्यार बढेगा। दक्षिण-पश्चिम कोना है बेहतर, फेंगशुई के अनुसार घर का दक्षिण पश्चिम हिस्सा ही प्यार का हिस्सा होता है। इस हिस्से को जितना हो सके सजा कर रखें।

पेंटिंग बदल सकती है किस्मत

- **यदि** हम आस-पास तलाश करें, तो हर तरफनकारात्मकता दिखाई देगी। ऐसे में हम अपने घर में सकारात्मकता का प्रवेश लाने के लिए कुछ आसान से वास्तु उपाय आजमा सकते हैं। ऐसा करने पर आप अपने व्यवसाय और जिंदगी में तरक्की की नई सीढियां चढ सकते हैं।
- जीवित व्यक्ति की तस्वीर या पेंटिंग पश्चिम दिशा में और दिवंगतों की दक्षिण दिशा में होनी चाहिए।

  घर में हमेशा उदय होते सूर्य की तस्वीर और पेंटिंग ही लगाएं। क्योंकि अस्त होता सूर्य नकारात्मकता को प्रदर्शित करता है।
- घर में झाड़ू की वजह से घर में किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा नहीं फैलती है।

  बच्चों की तस्वीर, लैंडस्केप या हरा-भरा जंगल आदि जैसे पेंटिंग या फोटो पश्चिम दिशा में लगाना उत्तम माना गया है।
- हिंदू धर्म में झाड़ू को लक्ष्मी के समान माना जाता है। ध्यान रखें घर का कोई भी सदस्य झाड़ू को पैर न लगाए। यह लक्ष्मी का अपमान माना जाता है और इससे घर में कई तरह की आर्थिक परेशानियां आ सकती हैं।
- नवविवाहित जोडे की फोटो या पेंटिंग कमरे की उत्तर दिशा या उत्तर-दक्षिण कोने में लगानी चाहिए।

घर में पेंडुलम इसीलिए है जरुरी

परिवर्तन एक क्रियाशील शब्द है।

जो जिंदगी में आगे बढने की सीख देता है। परिवर्तन यांग ऊर्जा को बढावा देता है। फेंगशुई में 'यांग' सकारात्मक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती है।

यह नकारात्मक रूप से प्रवाहित हो रही 'चि' ऊर्जा को रोकने में सक्षम है। फेंगशुई विशेषज्ञों का मानना है, 'घर में पेंडुलम वाली घडी, छत के निचले सिरे पर पंखा और टेबल फेन जरूर उपयोग करना चाहिए।'

यह उपकरण आपको इस तरह लगाना चाहिए। जिससे परिवर्तन सा दृश्य हो यानी यह कमरे के दक्षिण क्षेत्र में ऊर्जा को प्रवाहित करें। पूर्व दिशा हमारे जीवन में बहुत महत्व रखती है यह सेक्स और भविष्य निर्माण की शक्ति का संचय रखने में सक्षम है।

यदि ऊपर बताए गए उपकरणों के रंगों का चयन भी सकारात्मक रंगों जैसे पीला, हरा, केसरिया आदि के अनुरूप किया जाए तो यह और भी ज्यादा प्रभावशाली हो जाते हैं।

घर में भोजन कक्ष की ऐसी हो स्थिति

भोजन शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। फेंगशुई के अनुसार यदि भोजन सही दिशा में बैठ कर सर्व किया जाए तो इसका ज्यादा लाभ मिलता है। भोजन बनाने की जगह हमेशा साफ रखनी चाहिए। यहां मौजूद फर्नीचर को व्यवस्थित रखते हुए, डाइनिंग टेबल को कमरे के बीचों बीच ही रखें। ताकि ऊर्जा का प्रवाह ठीक तरह से हो। डाइनिंग टेबल यदि गोलाकार या अष्टकोणीय हो तो ज्यादा प्रभावशाली होती है। वर्गाकार या आयाताकार टेबल के कोने गोल होना चाहिए। यह बेहतर माना गया है। डाइनिंग टेबल के सामने आइना जरूर लगाएं। आईना कुछ इस तरह लगाइए कि खाद्य पदार्थ भी उसमें दिखाई देते रहें। ऐसा करने पर यह घर में अन्न का भंडार खत्म नहीं होने देते। यदि संभव हो सके तो किचिन में फलों और सब्जियों की पेंटिग्स या चित्र भी लगाएं। और टेबल पर फलों को सजाकर रखें। आपका फ्रीज भी सब्जियों और फलों से भरा होना चाहिए। ऐसा करने पर आपके घर में समृद्धि बनी रहती है। चीनी फेंगशुई के अनुसार फुक, लुक और साऊ चीनी देवताओं की मूर्तियों को किचिन में लगाना अति सौभाग्यशाली जाता है।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

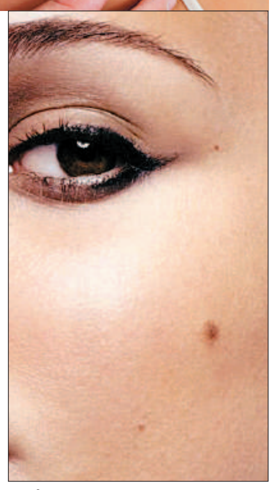

चाहे ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरु हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है।अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

क्या है उपचार

इस बीमारी से बचना है, तो ज्यादा देर धूप में न रहें। जरूरत पड़ने पर जाना पड़े, तो सनस्क्रीन लोशन लगाकर और शरीर को ढीक से ढंककर ही निकलें। बीमारी होने की आशंका होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें। शुरुआत में ही अगर इलाज कराया जाए, तो छोटी सी सर्जरी करके इन दाग-धब्बों ठीक कर दिया जाता है। मेलानोमा एक तरह का कैंसर ही होता है। जो लोग ज्यादा सन-बाथ लेते हैं या धूप में रहते हैं, उनमें ये बीमारी ज्यादा होती है। गोरे लोग इसकी चपेट में ज्यादा आते हैं। तिल और मस्सों से इसकी शुरुआत होती है। इनका साइज बदलना शुरु हो जाता है। अगर कोई भी कैंसर एक ही जगह है, तो उसे सर्जरी के जरिये निकाल देते हैं, लेकिन अगर वह शरीर में फैल गया है, तो कीमो-थेरेपी या रेडियो-थेरेपी से उपचार करते हैं।

भोजन बनाते समय की मानसिकता...

अन्न को ब्रह्म कहा गया है। इसका निरादर देवता का अपमान है। इसलिए अन्न को भोजन के रूप में तैयार करने की प्रक्रिया भी पूजा-अर्चना से कम नहीं है। अन्न के खेतों से थाली तक पहुंचने की यात्रा में कई पड़ाव हैं। कमाने, पकाने, परोसने और खाने वाले व्यक्तियों की मानसिकता अन्न के पोषक तत्वों को प्रभावित करती है। रसोई बनाने वाला इस प्रसंग का सूत्रधार है। खाना बनाते समय उसकी मानसिकता क्या है, खाने वाले के प्रति उसकी भावनाएं अच्छी हैं या नहीं इन सबका प्रभाव भोजन पर होता है। अगर उसे भोजन बनाने का काम मुसीबत नजर आता है, अगर उसे भरपेट भोजन नहीं मिलता है तो निश्चित रूप से भोजन में नकारात्मक तरंगें पैदा होंगी। अच्छे से अच्छा व्यंजन भी अपाच्य बन जाएगा।

सितंबर के मुख्य त्योहार...

- सितंबर को स्नान दान आदि की भाद्रप्रद की अमावस, कुशोत्पाटिनी अमावस, पिठौरी अमावस।
- सितंबर को भाद्रप्रद शुक्ल पक्ष प्रारंभ, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रथम प्रकाश (प्राचीन परम्परा अनुसार)।
- सितंबर रविवार को हरि तालिका तृतीया, गौरी तृतीया, श्री वाराह अवतार जयंती, सामवेदि उपाकर्म, मुसलमानी महीना जिल्हिका शुरू, श्री गुरु रामदास जी का ज्योति ज्योत समाए दिवस।
- सितंबर सोमवार को सिद्धि विनायक श्री गणेश चतुर्थी व्रत, कलंक चौथ यानी पत्थर चौथ। इस दिन चंद्रमा को न देखने का विधान है।
- सितंबर मंगलवार को ऋषि पंचमी, श्री दंडी स्वामी जी महाराज श्री शंकराश्रम जी महाराज का निर्वाण दिवस।
- सितंबर गुरुवार मुक्ता भरण सप्तमी, संतान सप्तमी, 16 दिनों के श्री महालक्ष्मी व्रत प्रारंभ।
- सितंबर रविवार को सायं 5 बजकर 5 मिनट पर गुरु (तारा) पश्चिम में अस्त और 7 अक्टूबर को उदय होगा। 13 सितंबर मंगलवार को पद्मा एकादशी व्रत, फूल डोल महोत्सव, श्री वामन अवतार जयंती वामन द्वादशी।
- सितंबर गुरुवार अनंत चतुर्दशी व्रत, अनंत चौदश मेला बाबा सोढल जी (जालंधर, पंजाब), कदली व्रत।

दु:ख से मुक्ति...

दु:ख, तकलीफ, आपदाएं इंसान की जिंदगी के साथ जुड़ी हुई ऐसी अप्रसंगिक घटनाएं हैं जो क्षति पहुंचाकर हमें विचलित कर देती हैं। कभी कभी तो अविवेकी इंसान सहनशक्ति के अभाव मे अपने होश खो बैठता है। मुसीबतों को टालने की कोशिश करते हुए भी हमारा मन विचलित हो उठता है। आगे बढ़ने के सारे दरवाजे बंद होते देखकर सिर पकड़ कर बैठने के सिवाए कोई ओर रास्ता नजर नहीं आता। आखिर ऐसा क्यो होता है? क्या है दु:ख से मुक्ति का उपाय? इस आलेख में हम यही जानेंगे।

जीवन के सुख-दु:ख को देखने का हमारा चश्मा अलग-अलग होता है। दूसरों के सुख बड़े लगते हैं तो अपने दु:ख भी बड़े। अपने छोटे से छोटे दु:ख को गाने की ऐसी लत लगती है कि मानो एक हम ही हैं जो दुखों को झेल रहे हैं। बात यहीं तक नहीं रुकती, हम केवल यह नहीं चाहते कि लोग हमारे दु:ख को सुनें, हम उनकी सहानुभूति का फायदा भी उठाना चाहते हैं। अपने दुखों की आड़ में अपनी जिम्मेदारी से बचते हैं। मैंने जिंदगी देखी है..., तुम्हें क्या पता दुख क्या होता है..., मेरी किस्मत में सुख कहां..., ऐसी ही कई बातें कहते हुए हम बिल्कुल दार्शनिक हो जाते हैं। ऐसे ज्ञानी, जिन्हें अपना राई बराबर दु:ख पहाड़ नजर आता है।

हो सकता है कि आपके पास संसाधनों की कमी हो, बीमारी या परिवार की उपेक्षा झेल रहे हों, पर यह सच है कि संघर्ष सबके जीवन में होता है। लेकिन व्यक्ति के सहने की क्षमता और प्रवृति के आधार पर इसका अनुभव हर किसी को अलग होता है। अपने दु:ख दूसरों को बताना मन की सेहत के लिए अच्छा होता है। पर उसकी नुमाइश करना या अपने दु:ख से लाभ कमाने की कोशिश करना, व्यक्तित्व की कमजोरी है। मन की हीनता और दुर्बलता है। यह दूसरों का ध्यान अपनी ओर खींचने की प्रवृत्ति है।

नमक जैसा है दु:ख

एक बूढ़ा जेन मास्टर अपने शिष्य की शिकायत करने की आदत से परेशान था। एक सुबह उन्होंने शिष्य को कुछ नमक एक गिलास पानी में मिलाकर पीने को दिया। मास्टर ने पूछा- कैसा है यह? शिष्य ने कहां, यह कड़वा लग रहा है, इसे पीना असंभव है। इसके बाद वे दोनों झील के किनारे गए। मास्टर ने उतना ही नमक झील के पानी में डाल दिया। शिष्य को फिर पानी पीने के लिए कहा और पूछा कि अब ये कैसा लग रहा है? शिष्य ने कहा, ये पानी बिल्कुल ताजा है। इसमें नमक का पता ही नहीं चल रहा। मास्टर ने कहा, जीवन में दु:ख भी नमक की तरह है। इसकी मात्रा भी समान ही है। पर इसकी कड़वाहट निर्भर करती है कि हमने इसे किस बर्तन में डाला है। जब दु:ख हो तो शिकायत की जगह अपने नजरिए को बड़ा कर लेना चाहिए।

अच्छी नहीं दु:ख की लत

दुखों की निरंतर चर्चा करना हमें अपने नकारात्मक अनुभवों से बाहर नहीं आने देता। हमें हर छोटी सी समस्या बड़ी दिखती है। हर समय दिमाग अतीत की गलियों में घूमता रहता है। ऐसे में जितना हम अपने दुख दूसरों के सामने रखते हैं, उतने ही नकारात्मकता और दुखों की ओर बढ़ जाते हैं। किसी ने ठीक ही कहा है की जिंदगी का रोना भी कोई रोना है, जिंदगी रोकर काटो या हंसकर वह तो कट ही जाती है। सुख और दु:ख जिंदगी के खेल है। इन्हें खेल की तरह खेलते हुए चलने का नाम ही जिंदगी है। अगर दुखों को नजरंदाज न किया जाए तो जीना मुश्किल हो जाता है। दु:ख का प्रत्यक्ष रूप से जितना बड़ा दिखाई देता है अंदर से वह उतना हो खोखला और कमजोर होता है। अगर विचारों को मजबूत बनाकर रखा जाए तो दु:ख हवा के झोखे के साथ गायब होने वाले पानी के बुलबुलों की तरह होते हैं। दुख, तकलीफ, आपदाए इंसान की जिंदगी के साथ जुड़ी हुई ऐसी अप्रसंगिक घटनाएं हैं जो क्षति पहुंचाकर हमें विचलित कर देती है। कभी कभी तो अविवेकी इंसान सहनशक्ति के अभाव में होश खो बैठता है। मुसीबतों को टालने की कोशिश करते हुए भी हमारा मन विचलित हो ही उठता है। आगे बढ़ने के सारे दरवाजे बंद होते देखकर सिर पकड़ कर बैठने के सिवाए कोई ओर रास्ता नजर नहीं आता। आखिर ऐसा क्यो होता है? कारण यह है की हमारी नकारात्मक सोच और चिंतन हम पर हावी हो जाते है। कहते है की इंसान जैसा सोचता है वैसा ही बन जाता है। अगर सोच सकरात्मक होगी तो दु:ख मे भी कही न कही सुख की अनुभूति होगी।

समस्या का सामना करें

भीतर के सत्य की खोज करने वाले कुछ वैज्ञानिकों ने देखा कि मन को और काम में लगाना यानी समस्या से दूर भागना है। पलायन सही उपाय नहीं है, समस्या का सामना करना चाहिए। मन में जब विकार जागेगा, तब उसे देखो, उसका सामना करो। जैसे ही आप विकार को देखना शुरू कर दोगे, वह क्षीण होता जाएगा और धीरे धीरे उसका क्षय हो जाएगा। यह अच्छा उपाय है। दमन एवं खुली छूट की दोनों अतियों को टालता है। विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबाने से उनका निर्मूलन नहीं होगा। और विकारों को अकुशल शारीरिक एवं वाचिक कर्मों द्वारा खुली छूट देना समस्याओं को और बढाना है। लेकिन अगर आप केवल देखते रहोगे, तो विकारों का क्षय हो जाएगा और आपको उससे छुटकारा मिलेगा।

विकारों से सामना आसान नहीं

अपने विकारों का सामना करना आसान नहीं है। जब क्रोध जागता है, तब इस तरह सिर पर सवार हो जाता है कि हमें पता भी नहीं चलता। क्रोध से अभिभूत होकर हम ऐसे शारीरिक एवं वाचिक काम कर जाते हैं जिससे हमारी भी हानि होती है, औरों की भी। जब क्रोध चला जाता है, तब हम रोते हैं और पछतावा करते हैं, इस या उस व्यक्ति से या भगवान से क्षमायाचना करते हैं— हमसे भूल हो गई, हमें माफ कर दो। लेकिन जब फिर वैसी ही स्थिति का सामना करना पड़ता है तो हम वैसे ही प्रतिक्रिया करते हैं। बार-बार पश्चाताप करने से कुछ लाभ नहीं होता। हमारी कठिनाई यह है कि जब विकार जागता है तब हम होश खो बैठते हैं। विकार का प्रजनन मानस की तलस्पर्शी गहराईयों में होता है और जब तक वह उपरी सतह तक पहुंचता है तो इतना बलवान हो जाता है कि हम पर अभिभूत हो जाता है। हम उसको देख नहीं पाते। जब भी मन में कोई विकार जागे तो शरीर पर दो घटनाएं उसी वक्त शुरू हो जाती हैं। एक, सांस अपनी नैसर्गिक गति खो देता है। जैसे मन में विकार जागे, सांस तेज एवं अनियमित हो जाती है। यह देखना बड़ा आसान है। सूक्ष्म स्तर पर शरीर में एक जीवरासायनिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है जिसके परिणामस्वरूप संवेदनाओं का निर्माण होता है। हर विकार शरीर पर कोई न कोई संवेदना निर्माण करता है।

आत्मनिरीक्षण की विद्या

ऐसे में आत्मनिरीक्षण की विद्या हमें भीतर और बाहर दोनों सच्चाईयों से अवगत कराती है। पहले हम केवल बहिर्मुखी रहते हैं और भीतर की सच्चाई को नहीं जान पाते हैं। अपने दु:ख का कारण हमेशा बाहर ढूंढते हैं। बाहर की परिस्थितियों को कारण मानकर उन्हें बदलने का प्रयत्न करते हैं। भीतर की सच्चाई के बारे में अज्ञान के कारण हम यह नहीं समझ पाते हैं कि हमारे दुख का कारण भीतर है, वह है सुखद एवं दुखद संवेदनाओं के प्रति अंध प्रतिक्रिया। हम सांस को भी जान सकते है और भीतर क्या हो रहा उसको भी। सांस हो या संवेदना, हम उसे मानसिक संतुलन खोए बिना देख सकते हैं। प्रतिक्रिया बंद होती है तो दु:ख का संवर्धन नहीं होता। उसके बजाय, विकार उभर कर आते हैं और उनकी निर्जरा होती है, क्षय होता है। जैसे जैसे हम इस विद्या में पकते चले जाय, विकार शीघ्रता के साथ क्षय होने लगते हैं। धीरे धीरे मन विकारों से मुक्त होता है, शुद्ध होता है। शुद्ध चित्त हमेशा प्यार से भरा रहता है—सबके प्रति मंगल मैत्री, औरों के अभाव एवं दुखों के प्रति करुणा, औरों के यश एवं सुख के प्रति मुदिता एवं हर स्थिति में समता।

लगातार प्रयास जरूरी

एक सामान्य व्यक्ति अमूर्त विकारों को नहीं देख सकता— अमूर्त भय, अमूर्त क्रोध, अमूर्त वासना आदि। लेकिन उचित प्रशिक्षण और प्रयास करेगा तो आसानी से सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाओं को देख सकता है। दोनों का ही मन के विकारों से सीधा संबंध है। सांस एवं संवेदनाएं दो तरह से मदत करेंगी। जैसे ही मन में कोई विकार जागा, सांस अपनी स्वाभाविकता खो देगा, वह हमे बतायेगा—कुछ गडबड है! और हम सांस को डांट भी नहीं सकते। हमें उसकी चेतावनी को मानना होगा। ऐसे ही संवेदनाएं हमें बताएंगी कि कुछ गलत हो रहा है। चेतावनी मिलने के बाद हम सांस एवं संवेदनाओं को देख सकते है। ऐसा करने पर शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकार दूर होने लगा। यह शरीर और मन का परस्पर संबंध एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक तरफ मन में जागने वाले विचार एवं विकार हैं और दूसरी तरफ सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाएं हैं। मन में कोई भी विचार या विकार जागता है तो तत्क्षण सांस एवं संवेदनाओं को प्रभावित करता ही है। इस प्रकार, सांस एवं संवेदनाओं को देख कर हम विकारों को देख रहे हैं। पलायन नहीं कर रहे, विकारों के आमुख होकर सच्चाई का सामना कर रहे हैं। शीघ्र ही हम देखेंगे कि ऐसा करने पर विकारों की ताकत कम होने लगी, पहले जैसे वे हम पर अभिभूत नहीं होते। हम अभ्यास करते रहें तो उनका सर्वथा निर्मूलन हो जाएगा। विकारों से मुक्त होते हम सुख एवं शांति का जीवन जीने लग जाएंगे।

खुद को जानना जरूरी: आवश्यक है, खुद को जानना, जो कि हर संत पुरुष की शिक्षा है। केवल कल्पना, विचार या अनुमान के बौद्धिक स्तर पर नहीं, भावुक होकर या भक्तिभाव के कारण नहीं, जो सुना या पढ़ा उसके प्रति अंधमान्यता के कारण नहीं। ऐसा ज्ञान किसी काम का नहीं है। हमें सच्चाई को अनुभव के स्तर पर जानना चाहिए। शरीर एवं मन के परस्पर संबंध का प्रत्यक्ष अनुभव होना चाहिए। इसी से हम दु:ख से मुक्ति पा सकते हैं। अपने बारे में इस क्षण का जो सत्य है, जैसा भी है उसे ठीक वैसा ही, उसके सही स्वभाव में देखना समझना जरूरी है। भगवान बुद्ध ने यही सिखाया—जीवन जीने की कला। उन्होंने किसी संप्रदाय की स्थापना नहीं की। उन्होंने अपने शिष्यों को मिथ्या कर्म-कांड नहीं सिखाएं। बल्कि, उन्होंने भीतर की नैसर्गिक सच्चाई को देखना सिखाया। हम अज्ञानवश प्रतिक्रिया करते रहते हैं, अपनी हानि करते हैं औरों की भी हानि करते हैं। जब सच्चाई को जैसी-है-वैसी देखने की प्रज्ञा जागृत होती है तो यह अंध प्रतिक्रिया का स्वभाव दूर होता है। तब हम सही क्रिया करते हैं—ऐसा काम जिसका उगम सच्चाई को देखने और समझने वाले संतुलित चित्त में होता है। ऐसा काम सकारात्मक एवं सृजनात्मक होता है, आत्महितकारी एवं परहितकारी।

विकारों से बचें

दु:ख को दूर करने के लिए पहले हम यह जान लें कि हम अशांत और बेचैन क्यों हो जाते हैं। गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब हमारा मन विकारों से विकृत हो उठता है तब वह अशांत हो जाता है। हमारे मन में विकार भी हो और हम सुख एवं सौमनस्यता का अनुभव करें, यह संभव नहीं है। ये विकार क्यों आते है, कैसे आते है? फिर गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब कोई व्यक्ति हम से मनचाहा व्यवहार नहीं करता उसके अथवा किसी अनचाही घटना के प्रतिक्रियास्वरूप आते हैं। अनचाही घटना घटती है और हम भीतर तनावग्रस्त हो जाते हैं। मनचाही के न होने पर, मनचाही के होने में कोई बाधा आ जाए तो हम तनावग्रस्त होते हैं। हम भीतर गांठे बांधने लगते हैं। जीवन भर अनचाही घटनाएं होती रहती हैं, मनाचाही कभी होती है और जीवन भर हम प्रतिक्रिया करते रहते हैं, गांठे बांधते रहते हैं। हमारा पूरा शरीर एवं मानस इतना विकारों से, इतना तनाव से भर जाता है कि हम दुखी हो जाते हैं। इस दुख से बचने का एक उपाय यह कि जीवन में कोई अनचाही होने ही न दें, सब कुछ मनचाहा ही हों। या तो हम ऐसी शक्ति जगाए, या और कोई हमारे मददकर्ता के पास ऐसी ताकद होनी चाहिए कि अनचाही होने न दें और सारी मनचाही पूरी हो। लेकिन यह असंभव है। विश्व में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसकी सारी इच्छाएं पूरी होती है, जिसके जीवन में मनचाही ही मनचाही होती है, और अनचाही कभी भी नहीं होती। जीवन में अनचाही होती ही है।

किसी और काम में लग जाएं

कैसे हम विषम परिस्थितियों के पैदा होने पर अंधप्रतिक्रिया न दें? कैसे हम तनावग्रस्त न होकर अपने मन को शांत व संतुलित रख सकें? भारत एवं भारत के बाहर कई ऐसे संत पुरुष हुए जिन्होंने इस समस्या के, मानवी जीवन के दु:ख की समस्या के, समाधान की खोज की। उन्होंने उपाय बताया- जब कोई अनचाही के होने पर मन में क्रोध, भय अथवा कोई अन्य विकार की प्रतिक्रिया आरंभ हो तो जितना जल्द हो सके उतना जल्द अपने मन को किसी और काम में लगा दो। उदाहरण के तौर पर, उठो, एक गिलास पानी लो और पानी पीना शुरू कर दो—आपका गुस्सा बढेगा नहीं, कम हो जायेगा। अथवा गिनती गिननी शुरू कर दो—एक, दो, तीन, चार। अथवा कोई शब्द या मंत्र या जप या जिसके प्रति तुम्हारे मन में श्रद्धा है ऐसे किसी देवता का या संत पुरुष का नाम जपना शुरू कर दो। मन किसी और काम में लग जाएगा और कुछ हद तक तुम विकारों से, क्रोध से मुक्त हो जाओगे। लेकिन यह उपाय केवल मानस के उपरी सतह पर ही काम करता है। वस्तुत: हमने विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबा दिया, जहां उनका प्रजनन एवं संवर्धन चलता रहा। मानस के उपर शांति एवं सौमनस्यता का एक लेप लग गया लेकिन मानस की गहराइयों में दबे हुए विकारों का सुप्त ज्वालामुखी वैसा ही रहा, जो समय पाकर फूट पड़ेगा।

आयुर्वेदिक उपायों से करें नकसीर का इलाज

गर्मी के दिनों में नाक से खून बहने की समस्या हममें से कई लोगों को परेशान करती है। इस समस्या को नकसीर के नाम से भी जाना जाता है।

अगर आपके नाक की एक तरफ से बिना चेतावनी के, खून बहने लगता है, तो वह मौसम, शारीरिक व्यायाम, छींकें, और सर्दी-जुकाम के कारण होता है। अगर आपकी उम्र 50 से अधिक है और आप अनवरत रूप से रक्तस्राव के शिकार हैं तो अपने रक्तचाप का परिक्षण कराएं, क्योंकि उच्च रक्तचाप रक्त पात्रों को हानि पहुंचाता है, जिससे प्रचुर मात्रा में रक्तस्राव होने लगता है।

नकसीर के लक्षण और कारण

संक्रमण, उच्च रक्तचाप, रक्त को पतला करने की औषधि का सेवन करना, मदिरापान, नाक में हल्की सी चोट, नाक को ज़ोर लगाकर साफ करना, सर्दी-जुकाम या फ्लू, कोकेन का अधिक मात्रा में प्रयोग करना, साइनस संक्रमण वगैरह।

लक्षण

एक या दोनों नथुनियों से रक्तस्राव, उनींदापन, नकसीर के कारण सदमा या असमंजस।

नकसीर के आयुर्वेदिक उपचार

- फिटकरी के पाउडर को गाय के घी के साथ मिलाकर नोज ड्रॉप्स की तरह नाक में डालने से नकसीर को रोकने में सहायता मिलती है।
- थोड़ा सा कपूर, धनिए के पत्तों के रस में मिला दें और इस मिश्रण को नाक में डालें। इस मिश्रण को नाक में डालने से नाक से खून बहना जल्दी बंद हो जाता है।
- 20 ग्राम आंवले को पूरी रात पानी में सोख कर रखें, और सुबह उस पानी को छान कर पी लें और आमला की लेई को अपने माथे और नाक के आसपास मल दें। इससे भी नाक का खून रुकने में आपको काफी मदद मिलेगी।
- लाल चन्दन, मुलेठी, और नाग केसर को समान मात्रा में मिलाकर चूरा बना लें और उसमे से 3 ग्राम चूरा दूध के साथ लेने से भी आपको नकसीर में लाभ मिलेगा।
- अनार के सूखे पत्तों का चूरा बनाकर सूंघने से भी नाक से रक्त का बहना काफी हद तक रुक सकता है।
- आम की गुठली के रस को सूंघने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।
- 2 ग्राम केले के पेड़ के पत्ते, 20 ग्राम क्रिस्टल शुगर और 1-1/2 लीटर पानी का मिश्रण दिन में एक बार पीने से गंभी से गम्भीर नकसीर में भी लाभ मिलता है।
- एक दो बूंदें नींबू का रस नथुने में डालने से भी नाक से रक्तस्राव काफी हद तक रुक जाता है।
- एक ग्लास पानी में एक चुटकी नमक डाल दें और इस पानी को नाक में स्प्रे करें। ऐसा करने से नाक में से रक्तस्राव कम हो जाता है।
- जब नकसीर होता है तब यह पक्का कर लें आस पास का वातावरण शुष्क तो नहीं है। अगर है तो किसी अच्छे एयर ह्यूमिडीफायर से वातावरण को नम रखें जिससे आपके नाक की कार्यशीलता हल्की हो जाएगी और नाक से रक्तस्राव नहीं होगा।
- नाक के बाहरी हिस्से पर आइस पैक लगाएं। यह बहुत ही सरल और असरदार तरीका है नाक से रक्तस्राव रोकने का।
- गीला तौलिया अपने सर पर रखने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।

नकसीर के अन्य उपचार

- कुर्सी पर शांत रूप से बैठें और अपना सिर पीछे की तरफ न झुकाएं, और सामान्य स्थिति में रहने दें, ताकि रक्तस्राव गले के पीछे से नहीं बल्कि नाक से आसानी से हो सके।
- आइस पैक या आइस क्यूब नाक पर लगाने से भी रक्तस्राव को रोकने में सहायता मिलती है।
- अगर आप धूम्रपान के आदि हैं, तो उसे तुरंत रोक दें।
- शुष्क वातावरण में रहने से बचें। एयर कंडिशनर और एयर कूलर उत्तम होते हैं क्योंकि वे हवा में नमी को बनाए रखते हैं।
- गर्भनिरोधक गोलियों के प्रयोग में सावधानी बरतें, क्योंकि गलत गोलियों के प्रयोग से नाक से रक्तस्राव शुरू हो सकता है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

'पैलेट गन' की सियासत

उम्मीद है कि संसद की कार्यवाही चलेगी और पेपर लीक के नए, बेहद कठोर 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधन पर रोकथाम) संशोधन विधेयक' पर सार्थक बहस होगी। यह संपादकीय हमने पहले लिखा था और संसदीय कार्यवाही बाद में शुरू होनी थी, लिहाजा 'उम्मीद' शब्द का प्रयोग किया है। संसद सत्र के बेशकीमती छह, महत्वपूर्ण दिन बर्बाद किए जा चुके हैं। सोमवार को भी विपक्ष ने संसद परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया और एक नया नारा सामने आया-'धर्मेन्द्र प्रधान झांकी है, अमित शाह अभी बाकी है।' यानी अब विपक्ष गृहमंत्री अमित शाह की 'बलि' पर आमादा है। स्पीकर ओम बिरला ने जिस तरह पक्ष और विपक्ष में चर्चा की सहमति बनवाई, उसमें भी जोड़ा गया कि बहस के दौरान गृहमंत्री और पैलेट गन, एके-47 राइफल सरीखे मुद्दे भी उठाए जाएंगे। विपक्ष गृहमंत्री के इस्तीफे अथवा माफी की मांग उठा सकता है। गृहमंत्री भी चर्चा के दौरान या बाद में विपक्ष के आरोपों का बिंदुवार जवाब दे सकते हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार प्रधानमंत्री मोदी की माफी की मांग कर रहे हैं। क्या पेपर लीक और कुछ छात्रों की आत्महत्या के लिए प्रधानमंत्री जवाबदेह और जिम्मेदार हैं? ऐसा कब हुआ है? पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 10-साला कालखंड में करीब 100 पेपर लीक हुए, उनसे कब माफी के आग्रह किए गए? अथवा इस्तीफे की मांग की गई या उन्होंने खुद को जवाबदेह मानते हुए शिक्षा और परीक्षा सुधारों की पहल की? सिर्फ 6-14 आयु-वर्ग के बच्चों के लिए अनिवार्य, मुफ्त शिक्षा का कानून बना देने से शिक्षा का मौलिक अधिकार हासिल नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने पेपरलीक और शिक्षा-व्यवस्था में सुधार के कितने प्रयास किए हैं और कर रहे हैं, यह देश के समक्ष है। उनकी सफलता को वक्त की कसौटी पर परखा जाएगा। दरअसल नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी युवा-छात्र आंदोलन के पैरोकार तो बनना चाहते हैं, लेकिन उनकी राजनीति प्रधानमंत्री मोदी को कमजोर और अस्थिर करने की है। यह राजनीति प्रधानमंत्री और गृहमंत्री बखूबी जानते होंगे। वे घिसे, खांटी और अनुभवी नेता हैं। चूंकि विरोध-प्रदर्शन और संसद का घेराव करने वाले आंदोलन के दौरान, बेशक, पुलिस ने लाठियां चलाईं, आंसू गैस के गोले दागे, पानी की तेज बौछार मारी और युवाओं पर बर्बर, अश्लील हमले भी किए गए, लिहाजा इसे राजनीतिक मुद्दा बनाना स्वाभाविक है कि पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? राहुल गांधी गृहमंत्री शाह पर निशाना साधे हुए हैं, लिहाजा उनके इस्तीफे के नारों की गूंज भी सुनाई देती रही है। दरअसल खुद राहुल गांधी पैलेट गन का इतिहास और यूपीए सरकार के निर्णय को नहीं जानते और पैलेट गन का राग अलाप रहे हैं। 2010 में यूपीए सरकार ने जम्मू-कश्मीर में सबसे पहले पैलेट गन का इस्तेमाल किया था, जिसमें 17 हत्याएं (मौत नहीं कहेंगे) की गई थीं। जबरदस्त हंगामा हुआ, विरोध किए गए थे, लेकिन तत्कालीन गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने पैलेट गन को 'गैर-घातक' करार दिया था। यदि पूर्व गृहमंत्री के आकलन पर भरोसा करें, तो अब के युवा, छात्र आंदोलन के दौरान पैलेट गन 'घातक' और 'जानलेवा' कैसे हो गई? बेशक राहुल गांधी एक युवा को वीडियो में दिखाते रहे हैं कि पैलेट गन से उसका शरीर किस कदर छलनी हुआ है। नौजवान की एक आंख की रोशनी भी छिन सकती है, क्योंकि डॉक्टरों ने उसके ठीक होने की मात्र एक फीसदी संभावना जताई है। 2016 में तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने पैलेट गन का इस्तेमाल 'दुर्लभतम' करार दिया था। उसकी व्यवस्था में संशोधन किए गए और यह गन सीआरपीएफ के पास ही होने की व्यवस्था तय की गई। फिर मौजूदा आंदोलन के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने पैलेट गन कैसे चलाई? यकीनन यह बेहद गंभीर और संवेदनशील सवाल है। सवाल तो यह भी खतरनाक और डरावना है कि बिहार के सीवान इलाके के एक सिपाही के पास एके-47 स्वचालित राइफल कैसे और कहां से आई? बेशक उस सिपाही को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, लेकिन 4 गोलियां चलाई गईं। क्यों...क्या युवा, छात्र 'आतंकवादी' मान लिए गए? पैलेट गन का इस्तेमाल करने की एक वैधानिक, मानक संचालन प्रक्रिया भी है।

संसद सत्र के बेशकीमती छह, महत्वपूर्ण दिन बर्बाद किए जा चुके हैं। सोमवार को भी विपक्ष ने संसद परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया और एक नया नारा सामने आया-'धर्मेन्द्र प्रधान झांकी है, अमित शाह अभी बाकी है।' यानी अब विपक्ष गृहमंत्री अमित शाह की 'बलि' पर आमादा है। स्पीकर ओम बिरला ने जिस तरह पक्ष और विपक्ष में चर्चा की सहमति बनवाई, उसमें भी जोड़ा गया कि बहस के दौरान गृहमंत्री और पैलेट गन, एके-47 राइफल सरीखे मुद्दे भी उठाए जाएंगे। विपक्ष गृहमंत्री के इस्तीफे अथवा माफी की मांग उठा सकता है। गृहमंत्री भी चर्चा के दौरान या बाद में विपक्ष के आरोपों का बिंदुवार जवाब दे सकते हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार प्रधानमंत्री मोदी की माफी की मांग कर रहे हैं। क्या पेपर लीक और कुछ छात्रों की आत्महत्या के लिए प्रधानमंत्री जवाबदेह और जिम्मेदार हैं? ऐसा कब हुआ है? पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 10-साला कालखंड में करीब 100 पेपर लीक हुए, उनसे कब माफी के आग्रह किए गए? अथवा इस्तीफे की मांग की गई या उन्होंने खुद को जवाबदेह मानते हुए शिक्षा और परीक्षा सुधारों की पहल की? सिर्फ 6-14 आयु-वर्ग के बच्चों के लिए अनिवार्य, मुफ्त शिक्षा का कानून बना देने से शिक्षा का मौलिक अधिकार हासिल नहीं किया जा सकता।

देश के राजा द्वारा अपने निर्णय बदलना राजा के जीवंत, विवेक, मर्म व उत्तरदायित्व भाव का प्रमाण है

संदर्भ धर्मेंद्र प्रधान का त्यागपत्र- छात्रों से संवाद की ओर बढ़ते कदम

देश के प्रधानमंत्री ने देश की अंदरूनी शान्ति के लिए या आगे किसी बड़े लक्ष्य को साधने के लिए ऐसी फॉरेन फंडेड, फॉरेन लेंग्वेज्ड, फॉरेन फीडेड, फॉरेन माइंडेड और निर्लज्ज शक्तियों के आगे समर्पण कर दिया है। स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए और समय की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए उनका यह कदम बड़प्पन से परिपूर्ण कदम तो है किंतु, दीर्घकालिक दृष्टि से है तो यह गलत ही। इसके परिणामों के प्रति देश को अभी से सचेत होना होगा। छात्रशक्ति की बात रही तो सर संघचालक जी मोहन भागवत जी ने स्पष्ट परामर्श (स्वयंसेवक के लिए निर्देश) दिया है कि हमें बच्चों से संवाद बढ़ाना ही होगा। देश किशोरों, युवाओं, विद्यार्थियों से संवाद की यह प्रक्रिया अब बढ़ेगी भी और निश्चित ही सकारात्मक परिणाम भी देगी। नरेंद्र मोदी जी द्वारा कृषि कानून वापिस लेते समय मैंने एक आलेख में लिखा था जनमत के दबाव में देश के राजा द्वारा अपने निर्णय बदलना राजा के जीवंत, विवेक, मर्म व उत्तरदायित्व भाव का प्रमाण है। प्रधानमंत्री जी लोकभीरु (जनता से डरने वाले) हैं तो यह शुभ-लक्षण है। यह भी सही है कि धर्मेन्द्र प्रधान जी का त्यागपत्र कराना ही था तो UGC के समय ही करा लेना था। वह सही समय था। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का यह समय ठीक नहीं है। आद. प्रधानमंत्री जी ने धर्मेंद्र जी प्रधान से त्यागपत्र लेकर किसी शेर की भांति एक कदम पीछे लिया है तो किसी दीर्घकालिक एजेंडे की रक्षा और पूर्ति के लिए ही किया होगा। निश्चित ही उन्होंने संघशक्ति की प्रेरणा से यह कदम राष्ट्रहित में ही उठाया होगा। इंटरनेट पर यहाँ-वहाँ बिखरे पड़े इस आंदोलन के सैकड़ों वीडियो देखिए, फिर सोचिए। फिर अपने आसपास के छात्रों को अवश्य देखिए। अपने नगर के सैकड़ों छोटे-बड़े सभी कालेज के विद्यार्थियों का बारीकी से चुपचाप परीक्षण और अध्ययन कीजिए। इसके बाद सोचिए और बताइये कि इस वीडियो में जो हैं, क्या वे विद्यार्थी हैं? और यदि हैं भी तो क्या ऐसे विद्यार्थियों के दबाव में देश की सत्ता को आना चाहिए? मोदी जी हों या कोई किसी अन्य दल के कोई और प्रधानमंत्री हों, उसके विषय में ऐसी भाषा बोलकर जनता को भड़काना क्या उचित है? विशेषतः इन कथित छात्राओं को देखकर बताएँ आप। ये भी कहता हूँ कि, हैं तो ये हमारी देशज संतान ही, किंतु हमारे बच्चों को किसने इतना भड़काया और बहकाया है? कौन है जो हमारी इस मासूम छात्रशक्ति की लज्जा-लिहाज पर डाका डाल गया है? इनके सारे संस्कार अपहृत हो गए और हमें पता भी न चला। जॉर्ज सोरोस की सोच से बढ़ा ये आंदोलन है या अश्लीलता और देश विभाजन के दुष्कृत्य का नंगा नाच है? नरेंद्र मोदी जी का ये सरेंडर, आरएसएस और इसके प्रचारक मोदी के लिए कुछ भी चिंताजनक नहीं है। ये महाशय मोदी और ये संघ, अपना झोला उठाकर कहीं भी, कभी भी चल पड़ेंगे। सोचना तो हमें है कि हम और कोई और ऐसा प्रधानमंत्री और ऐसी संघशक्ति कहाँ से लायेंगे जो हमें बारह वर्षों तक तमाम दुर्लक्ष्यों जैसे अद्वितीय आर्थिक विकास, गगन-पाताल को भेदने

वाला इन्फ्रास्ट्रक्चर, मंगल मिशन, चंद्रमा मिशन, राममंदिर, अनुच्छेद 370, कश्मीर में शांति, असम-बंगाल के रास्ते बांग्लादेशी घुसपैठियों पर रोक, विदेशों में हमारा बड़ा सा बार्गेनिंग पॉवर, पाकिस्तान में भीतर तक घुसकर एयर स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर आदि को साधकर भी दंगामुक्त शासन दे पायेगी? संघ परिवार के अतिरिक्त कोई भी पार्टी इनमें से एक भी काम करती तो देश भर में दंगे होते। खून की नदियाँ बहती। ऐतिहासिक मार-काट होती। कदाचित (शायद) गृहयुद्ध भी हो जाता। शाहीन बाग से लेकर ये जंतर-मंतर तक, ये सब भारत में गृहयुद्ध भड़काने की तैयारी ही तो है। याद है न? इन्हीं लोगो के शब्द हैं - "धारा 370 को छू कर देख लो, खून की नदियाँ बह जाएँगी" और ये पाकिस्तानी भाषा भी याद होगी आपको - "पंद्रह मिनिट के लिए देश की फौज और पुलिस को रोक लेना हम इस देश में तख़्ता पलट देंगे" और यह भी कि "मंदिर.. तारीख नहीं बताएँगे"। ये सब इस संघशक्ति ने किया भी और खून की नदियाँ तो छोड़िए साहब; इन्होंने देश में परिंदे को पर भी न मारने दिए हैं। संघशक्ति से मोदी ने स्वयं को परिश्रमपूर्वक सिद्ध किया है, इस देश की जनता के समक्ष। 75 की आयु में अट्ठारह घंटे काम कर रहा ये बिना भगवे का सन्यासी हमारी अंतर्राष्ट्रीय पूंजी है। इन्होंने इस देश से बाबर और औरंगजेब का नाम मिटाया है और अरब में जाकर मदिरों के शिलान्यास से लेकर प्राणप्रतिष्ठा तक के दसियों आयोजन करवा दिए हैं। अरेबियन मुस्लिम योग-ध्यान के पीछे पागल हुए हैं तो इसी भारत सरकार की कलाकारी से ही हुए हैं। ये आंदोलन धर्मेंद्र प्रधान के विरोध में या फूलफ्रूफ नीट परीक्षाओं के लिए नहीं था। यदि होता तो परीक्षाओं पर विश्व का सर्वाधिक सटीक और प्रभावी कानून आने के बाद ये आंदोलनकारी शांति से अलग हो जाते। ये आंदोलन उस संघ शक्ति के विरोध में है जो इस देश को कॉमन सिविल कोड की देने की तैयारी में लगी है, जो हमें नागरिकता रजिस्टर जैसा बड़ा कवच (सिस्टम) देनें की तैयारी कर रही है, जो हमें कभी न कभी हमारा मुकुटमणि पाक आकूपाइड कश्मीर भी वापिस दिलवाने वाली है। हमें यह भी सोचना चाहिए कि आखिर इन फॉरेन पॉवर सेंटर्स को नरेंद्र मोदी से क्या कष्ट है और क्यों है?

एक "शक्तिशाली भारत" के विरोध में खड़े है ये सब, और हमें लगता है कि ये प्रधानमंत्री का विरोध है। फिर कहता हूँ, ये सब वीडियो देखना, इस जैसे सैकड़ों वीडियो इंटरनेट पर यहाँ-वहाँ घूम रहें हैं उन्हें भी देखना। दिल्ली छात्र आंदोलन के एआई जनरेटेड फोटो वीडियो आदि भी देखना। जनता को भड़काने और भुजाएँ फड़क जाएँ ऐसे फेक/नकली वीडियो/फोटो किस लक्ष्य से बने हैं? कौन है जो ऐसी पिशाच बुद्धि से ये सब करा रहा है? सनद रहे मोदी तो बहाना है, इनका लक्ष्य समूचे देश को पटिए पर लाना है और देश में गृहयुद्ध फैलाना है। धर्मेंद्र प्रधान का त्यागपत्र कोई कीमत नहीं है। इसकी एक बड़ी कीमत हमने चुका दी है और संभवतः आगे इससे भी बड़ी कीमतें हमें चुकानी पड़ेगी। समूचे देश को सावधान हो जाने का समय आ गया है। धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र के सही गलत का प्रश्न नहीं उठा रहा हूं। इस त्यागपत्र के समय, परिस्थिति, पृष्ठभूमि, निर्लज्ज प्रकार की हठधर्मिता पर प्रश्न है। देश के मान. प्रधानमंत्री ने यदि देश की अंदरूनी शान्ति के लिए या आगे किसी बड़े लक्ष्य को साधने के लिए ऐसी फॉरेन फंडेड, फॉरेन लेंग्वेज्ड, फॉरेन फीडेड, फॉरेन माइंडेड और निर्लज्ज शक्तियों के आगे हथियार डाल दिए हैं। रही छात्रशक्ति की बात तो संघ प्रमुख ने स्पष्ट परामर्श (स्वयंसेवक के लिए निर्देश) दिया है कि हमें बच्चों से संवाद बढ़ाना ही होगा। मोदी जी द्वारा कृषि क़ानून वापिस लेते समय मैंने एक आलेख में लिखा था जनमत के दबाव में देश के राजा द्वारा अपने निर्णय बदलना राजा के जीवंत, विवेक, मर्म व उत्तरदायित्व भाव का प्रमाण है। प्रधानमंत्री जी लोकभीरु (जनता से डरने वाले) हैं तो यह शुभ-लक्षण है। यह भी सही है कि धर्मेन्द्र प्रधान जी का त्यागपत्र कराना ही था तो UGC के समय ही करा लेना था। वह सही समय था। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का यह समय ठीक नहीं है। आद. प्रधानमंत्री जी ने धर्मेंद्र जी प्रधान त्यागपत्र लेकर किसी शेर की भांति एक कदम पीछे लिया है तो किसी दीर्घकालिक एजेंडे की रक्षा और पूर्ति के लिए ही किया होगा। निश्चित ही उन्होंने संघशक्ति की प्रेरणा से यह कदम राष्ट्रहित में ही उठाया होगा। इस पोस्ट के वीडियो देखिये। इंटरनेट पर यहाँ-वहाँ बिखरे सैकड़ो वीडियो देखिये, फिर सोचिये। फिर अपने आसपास के छात्रों को अवश्य देखिए। अपने नगर के सैकड़ों छोटे-बड़े सभी कालेज के विद्यार्थियों का बारीकी से चुपचाप परीक्षण और अध्ययन कीजिए। इसके बाद सोचिये और बताइये कि इस वीडियो में जो हैं क्या वे विद्यार्थी हैं? और यदि हैं भी तो क्या इन विद्यार्थियों के दबाव में देश की सत्ता को आना चाहिए? मोदी जी हों या कोई किसी अन्य दल के कोई और प्रधानमंत्री हों, उसके विषय में ऐसी भाषा बोलकर जानता को भड़काना क्या उचित है? विशेषतः इन कथित छात्राओं को देखकर बताएँ आप। ये भी कहता हूँ कि, है तो ये हमारी देशज संतान ही, किंतु इन्हें किसने इतना भड़काया और बहकाया है? कौन है जो हमारी इस छात्रशक्ति की लज्जा-लिहाज पर डाका डाल गया है।

स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए और समय की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए उनका यह कदम बड़प्पन से परिपूर्ण कदम तो है किंतु, दीर्घकालिक दृष्टि से है तो यह गलत ही। इसके परिणामों के प्रति देश को अभी से सचेत होना होगा। छात्रशक्ति की बात रही तो सर संघचालक जी मोहन भागवत जी ने स्पष्ट परामर्श (स्वयंसेवक के लिए निर्देश) दिया है कि हमें बच्चों से संवाद बढ़ाना ही होगा। देश किशोरों, युवाओं, विद्यार्थियों से संवाद की यह प्रक्रिया अब बढ़ेगी भी और निश्चित ही सकारात्मक परिणाम भी देगी। नरेंद्र मोदी जी द्वारा कृषि कानून वापिस लेते समय मैंने एक आलेख में लिखा था जनमत के दबाव में देश के राजा द्वारा अपने निर्णय बदलना राजा के जीवंत, विवेक, मर्म व उत्तरदायित्व भाव का प्रमाण है। प्रधानमंत्री जी लोकभीरु (जनता से डरने वाले) हैं तो यह शुभ-लक्षण है।

कुछ अलग

बदतमीजियों का सेलिब्रेशन

तमीजी बदतमीजी को लेकर ऊपर ऊपर से देखा जाए तो इसके दो तीन वर्ग होते हैं। सर्वप्रथम बदतमीजी वाले, द्वितीय तमीज वाले और तीसरे स्तर पर दोनों के मिश्रण वाले बोले तो, न बदतमीजदार, न तमीजदार। तमीजदार भी तो बदतमीजदार भी। डिमांड के अनुसार जैसे उनका दांव लगे, जैसी किसी की डिमांड हो, वैसे वे हो लेते हैं। मैं वो जीव हूं जो बाहर से गजब का बदतमीज दिखता है, पर भीतर से तमीजदार हूं। जो भीतर से तमीजदार होते हैं, वे अधिकतर बाहर से बदतमीज दिखते हैं। जो भीतर से तमीजदार हों और बाहर से बदतमीज दिखते हों, मेरे हिसाब से उनसे संभलकर रहने की जरूरत नहीं होती। ऐसा मेरा मानना है। पर जो बाहर से तमीजदार और भीतर से बदतमीज टाइप के जीव होते हैं, उनसे संभलकर रहने की बहुत जरूरत होती है। वे बहुत खतरनाक होते हैं। दीमक से भी खतरनाक। उन पर किसी भी तरह के पेस्टिसाइड का कोई असर नहीं होता। कल अंदर बाहर से बदतमीज जनाब का फोन आया। किसी के यहां बदतमीजी की सेलिब्रेशन थी। मैं बाहर से बदतमीज दिखता हूं, सो वे मानते हैं कि मैं भी उनकी कैटेगरी का हूं। उन्हें लगा कि उन्होंने मुझे भी बदतमीजी के सेलिब्रेशन का आंमत्रण, निमंत्रण दिया होगा। कई बार बहुत दिक्कत हो जाती है, जब लोग आपको भीतर से पहचानने के बदले फटाफट बाहर से पहचान आपको अपने ग्रुप का मान लेते हैं। उन्होंने फोन पर मुझसे पूछा, 'क्या तुम्हें उनके घर से आज शाम का बदतमीजी के सेलिब्रेशन का इन्विटेशन नहीं आया है?' 'आया तो है, पर...' हालांकि उनको पता है कि मैं उतना बदतमीज नहीं हूं, जितने बदतमीजी का सेलिब्रेशन मनाने वाले हैं।

देश दुनिया से

आपदा प्रबंधन में भारत के बढ़ते कदम

किसी भी देश के लिए प्राकृतिक आपदाएं मुसीबत होती हैं, बेशकीमती जानें चली जाती हैं, संपत्ति का भारी नुकसान होता है, पशु धन नष्ट हो जाता है। इतना धक्का लगता है कि उससे उबरने में वर्षों लग जाते हैं, लेकिन ऐसे अवसरों पर वही देश सफल होते हैं जिनका आपदा प्रबंधन उत्कृष्ट दर्जे का होता है। अतीत में भारत ने बहुत नुकसान झेला, बाढ़, भूकंप, भूस्खलन जैसी आपदाओं में हजारों जानें जाती थीं और बड़े पैमाने पर आर्थिक क्षति भी होती थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से सरकार ने बड़े पैमाने पर व्यवस्था करनी शुरू कर दी है। इसके तहत आपदा प्रबंधन की सोच बदल गई है। अब आपदा आने के बाद राहत देने की बजाय पहले से ही तैयारी की जाती है ताकि नुकसान कम से कम हो। मानसून के दौरान बाढ़, भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ी तीव्रता के बीच, आपदा प्रबंधन सुशासन का एक महत्वपूर्ण आधार बन गया है। पीएम मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में आपदा प्रबंधन की व्यवस्था प्रतिक्रियात्मक मॉडल से निवारक मॉडल में परिवर्तित हुई है। मोदी सरकार आपदा प्रबंधन के मामले में न्यूनतम क्षति से शून्य क्षति की ओर बढ़ रही है। सरकार ने आपदा प्रबंधन के तहत संपूर्ण राष्ट्र का दृष्टिकोण अपनाया है। गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी और नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के सघन प्रयासों से, भारत आपदा प्रबंधन में एक ग्लोबल लीडर के तौर पर उभर रहा है। इसका उदाहरण 'ऑपरेशन दोस्त' था जिसकी मिसाल तुर्की में आए भारी भूकंप के दौरान मिली, जब वहां जनता की मदद के लिए भारत ने विशेष मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान चलाया। इसके तहत, भारतीय वायुसेना के विमानों द्वारा राहत सामग्री और 89 सदस्यीय चिकित्सा एवं बचाव दल को वहां भेजा गया था। इस राहत अभियान में भारतीय सेना की मेडिकल यूनिट (जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ शामिल थे) ने आपातकालीन चिकित्सा देखभाल, ट्रॉमा मैनेजमेंट और जीवन रक्षक सर्जरी के

लिए अपना फील्ड अस्पताल भी स्थापित किया। भारत सरकार द्वारा टनों राहत सामग्री भेजी गई, जिनमें जीवन रक्षक दवाइयां और अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण शामिल थे। इसके अलावा भारत ने सीरिया में भी राहत ऑपरेशन चलाया। इस तरह के अभियानों ने आपदा राहत प्रबंधन के मामले में भारत को दुनिया के शीर्ष राष्ट्रों में ला खड़ा किया। भारत में प्राकृतिक आपदा प्रबंधन के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने केन्द्र-राज्य समन्वय पर जोर लगाया ताकि कोई कड़ी न छूटे। उन्होंने आपदा के समय में सीधे मुख्यमंत्रियों से वार्ता का रास्ता अख्तियार किया है। इस मामले में वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हर पीड़ित राज्य को मदद करने की नीति के तहत काम कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा शासित महाराष्ट्र और गुजरात में राहत अभियान चलवाया, तो विपक्ष शासित केरल में भी उसी तरह का काम किया। इन दिनों वह असम में आई बाढ़ का सामना करने के लिए समन्वय कर रहे हैं तथा जरूरी मदद और राहत सामग्री भिजवाने में सक्रिय हैं। भारतीय थल सेना, भारतीय वायु सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन प्रभावित इलाकों में मिलकर राहत और बचाव कार्य चला रहे हैं। एक हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग के दौरान, अमित शाह ने अधिकारियों को हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर और ज्यादा जोखिम वाली झीलों के आसपास अर्ली वार्निंग सिस्टम का दायरा बढ़ाने का आदेश दिया। अधिकारियों को आदेश दिया गया कि वे जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में कम से कम 60 झीलों को निगरानी कार्यक्रम के दायरे में लाएं। यह पहल एनडीएमए के सहयोग से लागू की जा रही है। गृह मंत्रालय ने केंद्र और राज्य की एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए एक एकीकृत बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली विकसित करने पर भी जोर दिया, जिससे समय पर चेतावनी जारी की जा सके और आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। सरकार ने एनडीआरएफ के कार्य करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया। पीएम मोदी जी ने जो 10 सूत्री एजेंडा दिया उससे भारत डिजास्टर जोखिम प्रबंधन में विश्व गुरु बनकर उभर रहा है। सभी मौसम संबंधी अर्ली वार्निंग सिस्टम में सुधार आया है। पहले जहां पूर्व चेतावनी संदेश 3 से 5 दिन पहले भेजे जाते थे, अब 7 दिन पहले ही भेज दिए जाते हैं, ताकि अधिकारी व्यवस्था कर सकें। कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकोल भौगोलिक आधारित तत्काल अलर्ट मुहैया कराने हेतु मार्च 2021 में 354 करोड़ रुपए की लागत से शुरू हो चुका है। अब तक 17 हजार करोड़ से ज्यादा अलर्ट संदेश जारी किए जा चुके हैं। 2024 के दौरान एनडीआरएफ ने देश के अलग-अलग हिस्सों में रिकॉर्ड 1038 ऑपरेशन किए जिनमें उनके बचाव दल ने अपना कौशल दिखाते हुए 4000 से ज्यादा लोगों की जान बचाई और 63000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया। यह उनकी बहुत बड़ी उपलब्धि है। एनडीआरएफ देश में एक सशक्त बल के रूप में उभरा है। सरकार ने आपदा प्रबंधन का एक मजबूत सिस्टम भी तैयार किया है। अब राज्यों में पहले से तैनाती की नीति लागू कर दी गई है और राहत बलों की मौजूदगी 68 जगहों पर है, जिसमें 28 रीजनल रिस्पॉन्स सेंटर और 24 टैक्टिकल प्रीपोजिशनिंग लोकेशन शामिल हैं।

आप का नज़रिया

चुनावी सफर के भंवर

हिमाचल में चुनावी सफर के भंवर अब दिखाई देने लगे हैं। राजनीतिक जमावड़े, बदलते समीकरण, संगठनों की ताजपोशियां और इरादों के कदम बता रहे हैं कि सत्ता में सत्ता की वापसी और विपक्ष के लिए अदला-बदली का समय करीब आने की गणना शुरू कर रहा है। जाहिर तौर पर कांग्रेस के भीतर और बाहर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू के एक्शन पर जीत का दारोमदार बढ़ रहा है, जबकि भाजपा के फ्रंट पर कई सवार हैं, फिर भी हर जवाब की भाषा में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर को देखा जा रहा है। ऐसे में मानसून सत्र से ठीक पहले कांग्रेसी श्वेतपत्र की आहट से कसरतें बढेंगी। कांगड़ा में 'बाल दिवस' की रौनक के बीच सरकारी कदमों की परिपक्वता ने भाजपा को सुरक्षात्मक कवच पहनाने का मजमून चुन लिया। अब भाजपा की पिछली सत्ता के कारनामों पर नमक छिडक़ने के लिए श्वेतपत्र आएगा और जिसकी घोषणा आगामी मंत्रिमंडलीय बैठक में होगी। वरिष्ठता और अपने कद के कारण ऐसी समिति की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री कर सकते हैं, ताकि चुनाव से पूर्व भाजपा के खिलाफ आलोचना के मुख्य बिंदु प्रकाशित कर दिए जाएं। जाहिर तौर पर सरकार और मुख्यमंत्री का आत्मविश्वास अब ऐसी राजनीतिक शैली का उपयोग करने जा रहा है, जो चुनावी बिसात को पूरी तरह बदल रहा है। अब तक राज्य सरकार यह समझाने में कामयाब रही कि प्रदेश के प्रति केंद्र सरकार का रवैया उदासीन तथा भेदभावपूर्ण रहा है। दूसरी ओर इन झंझावात से बाहर निकल कर ही सुक्खू सरकार ने ये साढ़े तीन साल गुजारे हैं। अब स्थितियां बदलते हुए मुख्यमंत्री सीधी चुनौती देने के मकसद से भाजपा को सुरक्षात्मक करने पर उतारू हो रहे हैं, तो श्वेतपत्र की कीलें विपक्ष को चुभेंगी जरूर। बेशक भाजपा की मुहिम ने कांग्रेस सरकार को आरंभ से ही चैन की बांसुरी नहीं बजाने दी, फिर भी इस मुकाबले से बाहर अब नया परिदृश्य बन रहा है। ऐसा भी नहीं कि यह विपक्ष साधारण है और इसके पीछे दिग्गज सलाहकार नहीं हैं। अब सत्ता के लिए कई शिविर हिमाचल में लगेंगे और अमित शाह की रणनीति अगले चुनावों में कमर कस रही है। यूपी-पंजाब के चुनावी अक्स से गुजरती राष्ट्रीय राजनीति हिमाचल के नजदीक पहुंच रही है, तो मसले सियासी द्वंद्वों से ऊपर आर-पार की लड़ाई तक पहुंच जाएंगे। आपदा के हिमाचली इतिहास में केंद्र की भूमिका की जिस नकारात्मकता से चर्चा हो रही है, वहां प्रधानमंत्री द्वारा घोषित राहत के पंद्रह सौ करोड़ का जिक्र कराहता है। ऐसे में अब भाजपा की रणनीति में कई भूमिकाएं और कई संदेश पैरवी करेंगे। इस बार मैदान पर जगत प्रकाश नड्डा, अनुराग ठाकुर और तमाम सांसदों की भूमिका का भी विस्तार होगा तो यह चर्चा भी स्वाभाविक है कि केंद्रीय परियोजनाओं में हिमाचल कहां खड़ा है। क्या व्यक्तित्व के आधार पर हिमाचल, सुक्खू बनाम जयराम ठाकुर के गुण-दोष पर चर्चा करेगा। क्या डबल इंजन सरकार के मुहावरे पर पहाड़ की जनता को केंद्र के प्रलोभन याद आएंगे या पिछली भाजपा सरकार से चुनावी मुकाबला होगा। जो भी हो, अब सियासत चप्पे-चप्पे पर दिहाड़ी लगाएगी, तो पार्टियों को अपनी-अपनी संगठनात्मक ताकत पर ही आगे बढऩा है। राष्ट्रीय स्तर के घटनाक्रम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जहां चंदा चोरी व धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से कांग्रेस की जुबान पर शोले उभरेंगे, लेकिन भ्रष्टाचार के मुद्दों पर ईडी, सीबीआई और आयकर की पड़ताल के कई विषय हिमाचल तक जरूर पहुंचेंगे। जो भी हो, अब हिमाचल चुनाव आंखें खोलकर देखने लगा है कि भाजपा का आक्रोश बड़ा है या कांग्रेस के आरोप बड़े हैं।

राजनीतिक जमावड़े, बदलते समीकरण, संगठनों की ताजपोशियां और इरादों के कदम बता रहे हैं कि सत्ता में सत्ता की वापसी और विपक्ष के लिए अदला-बदली का समय करीब आने की गणना शुरू कर रहा है। जाहिर तौर पर कांग्रेस के भीतर और बाहर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू के एक्शन पर जीत का दारोमदार बढ़ रहा है, जबकि भाजपा के फ्रंट पर कई सवार हैं, फिर भी हर जवाब की भाषा में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर को देखा जा रहा है। ऐसे में मानसून सत्र से ठीक पहले कांग्रेसी श्वेतपत्र की आहट से कसरतें बढेंगी। कांगड़ा में 'बाल दिवस' की रौनक के बीच सरकारी कदमों की परिपक्वता ने भाजपा को सुरक्षात्मक कवच पहनाने का मजमून चुन लिया। अब भाजपा की पिछली सत्ता के कारनामों पर नमक छिडक़ने के लिए श्वेतपत्र आएगा और जिसकी घोषणा आगामी मंत्रिमंडलीय बैठक में होगी। वरिष्ठता और अपने कद के कारण ऐसी समिति की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री कर सकते हैं, ताकि चुनाव से पूर्व भाजपा के खिलाफ आलोचना के मुख्य बिंदु प्रकाशित कर दिए जाएं। जाहिर तौर पर सरकार और मुख्यमंत्री का आत्मविश्वास अब ऐसी राजनीतिक शैली का उपयोग करने जा रहा है, जो चुनावी बिसात को पूरी तरह बदल रहा है। अब तक राज्य सरकार यह समझाने में कामयाब रही कि प्रदेश के प्रति केंद्र सरकार का रवैया उदासीन तथा भेदभावपूर्ण रहा है। दूसरी ओर इन झंझावात से बाहर निकल कर ही सुक्खू सरकार ने ये साढ़े तीन साल गुजारे हैं। अब स्थितियां बदलते हुए मुख्यमंत्री सीधी चुनौती देने के मकसद से भाजपा को सुरक्षात्मक करने पर उतारू हो रहे हैं, तो श्वेतपत्र की कीलें विपक्ष को चुभेंगी जरूर।

दृष्टि कोण

क्या छात्र हित में है नया पेपर लीक कानून

सरकार ने सोमवार को लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधन रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026 पेश किया। इस विधेयक का उद्देश्य 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधन रोकथाम) अधिनियम 2024 में संशोधन करना है। इस कानूनी सुधार की जरूरत क्यों पड़ी? देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों, विशेषकर नीट-यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं के बाद लाखों छात्रों में नाराजगी देखने को मिली। इस मुद्दे को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर सहित देश के कई हिस्सों में छात्रों और विभिन्न छात्र संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि पेपर लीक के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाई जाए और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को सख्त सजा दी जाए। इन विरोध प्रदर्शनों के बाद यह मुद्दा संसद से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और सरकार पर परीक्षा सुरक्षा को लेकर प्रभावी कदम उठाने का दबाव बढ़ा।

इसी पृष्ठभूमि में 24 जुलाई 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 में कुछ संशोधन करते हुए, कानून को और अधिक सख्त बनाने वाले संशोधन विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी है। यह कानून सार्वजनिक परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक, डिजिटल हैकिंग, संगठित नकल, परीक्षा में धोखाधड़ी तथा भर्ती प्रक्रियाओं में होने वाले अपराधों पर रोक लगाने के उद्देश्य से तैयार किया गया एक सख्त कानूनी ढांचा है। इसका उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि परीक्षा प्रणाली में छात्रों का विश्वास दोबारा स्थापित करना भी है। सरकार का मानना है कि यदि पेपर लीक जैसे अपराधों पर समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो लाखों युवाओं की मेहनत, सरकारी भर्ती प्रक्रिया और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित होगी। इसलिए इस कानून में पहले की तुलना में अधिक कठोर दंड, भारी आर्थिक जुर्माना और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया का प्रावधान किया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल

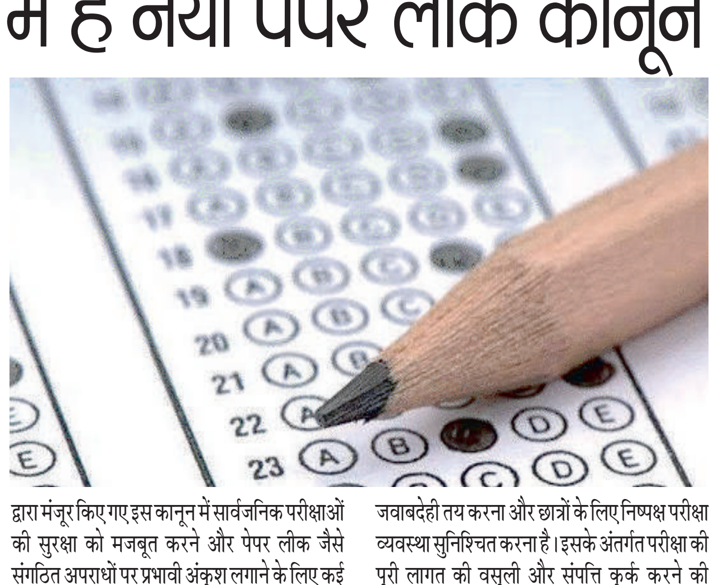

द्वारा मंजूर किए गए इस कानून में सार्वजनिक परीक्षाओं की सुरक्षा को मजबूत करने और पेपर लीक जैसे संगठित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए कई कठोर प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं। इनका उद्देश्य दोषियों को कड़ी सजा देना, परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय करना और छात्रों के लिए निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इसके अंतर्गत परीक्षा की पूरी लागत की वसूली और संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जा सकती है। डिजिटल परीक्षा सुरक्षा कानून में केवल प्रश्नपत्र चोरी ही नहीं, बल्कि सर्वर हैकिंग, डिजिटल डेटा चोरी, अनधिकृत एक्सेस, परीक्षा प्रणाली से छेड़छाड़ और साइबर माध्यम से प्रश्नपत्र साझा करने जैसे अपराधों को भी शामिल किया गया है। पेपर लीक मामलों की समयबद्ध जांच और त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था करने का प्रस्ताव है, ताकि दोषियों को जल्द सजा मिल सके। यह विधेयक सार्वजनिक परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाने, पेपर लीक माफिया पर अंकुश लगाने और योग्य अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से लाया गया है। यह बिल सात मुख्य संशोधन पेश करता है। इनका मकसद नीट-यूजी 2026 परीक्षा में बड़े पैमाने पर हुई गड़बडियों के बाद लागू करने में आ रही कमियों को दूर करना, खास न्यायिक तंत्र बनाना और आपराधिक मुकदमों में तेजी लाना है। इस बिल में राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन को सेशन कोर्ट को स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के तौर पर नामित करने का अधिकार दिया जाएगा।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय पुरुष हाकी टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह के हाथों में कमान

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने जापान के आइची–नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले 20वें एशियाई खेल 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हाकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी स्टार डिफेंडर और ड्रैग–फ्लिक विशेषज्ञ हरमनप्रीत सिंह करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टीम के उपकप्तान होंगे।

भारत मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया था। इस बार भी टीम का लक्ष्य खिताब बचाने के साथ–साथ लास एंजिलिस 2028 ओलंपिक का सीधा कोटा हासिल करना होगा। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी मोहित एचएस और सूरज करकेरा संभालेंगे। रक्षापंक्ति में जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच शामिल हैं। मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा और विवेक सागर प्रसाद टीम की कमान संभालेंगे। वहीं आक्रमण की जिम्मेदारी दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह और अभिषेक के कंधों पर होगी। भारतीय टीम को पूल–ए में मेजबान जापान, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम 22 सितंबर को श्रीलंका, 24 सितंबर को दक्षिण कोरिया, 26 सितंबर को जापान और 28 सितंबर को बांग्लादेश से भिड़ेगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा कि यह बेहद अनुभवी टीम है और सभी खिलाड़ियों का लक्ष्य एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतकर लास एंजिलिस 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उन्हें टीम के हर खिलाड़ी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन टीम की सबसे बड़ी ताकत है। खिलाड़ियों को बिना दबाव के अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

भारतीय टीम

गोलकीपरः मोहित एचएस, सूरज करकेरा

डिफेंडरः जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच।

मिडफील्डरः राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद।

फारवर्डः दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह, अभिषेक।

न्यूज ब्रीफ

ताइपे ओपनः प्रणय और अनमोल खरब दूसरे दौर में, रौनक और श्रियांशी बाहर

ताइपे। भारत के अनुभवी शटलर एच.एस. प्रणय ने ताइपे ओपन–2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करते हुए पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने जापान के मिनोरू कोगा को केवल 35 मिनट में 21–11, 21–14 से हराकर अगले दौर का टिकट कटाया। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय इस सीजन संघर्ष से गुजर रहे थे। ताइपे पहुंचने से पहले वह इस वर्ष केवल तीन बार शुरुआती दौर पार कर सके थे। अब दूसरे दौर में उनका मुकाबला भारत के मिथुन मंजूनाथ और हांगकांग के जेसन गुनावन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। महिला एकल में अनमोल खरब ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने भारत की ही इशिका जायसवाल को 56 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21–15, 11–21, 21–19 से हराया। अब अनमोल का सामना अश्मिता चालिहा और चीनी ताइपे की दूसरी वरीयता प्राप्त टी लिन हिसयांग के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा। हालांकि, भारत को कुछ निराशा भी हाथ लगी। पुरुष एकल में रौनक चौहान को सिंगापुर के रिची डुटा रिचार्डो ने 21–14, 21–16 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। वहीं महिला एकल में श्रियांशी वालिशेट्टी को थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग के खिलाफ 21–11, 21–12 से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमंडल खेल-2026ः छठे दिन भारत को दो रजत पदक, 12 पदकों के साथ तालिका में नौवें स्थान पर

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल–2026 के छठे दिन भारत ने अपने खाते में दो और रजत पदक जोड़कर कुल पदकों की संख्या 12 पहुंचा दी। एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में ऐतिहासिक रजत पदक जीता, जबकि हरजिंदर कौर ने महिलाओं के 69 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा रजत अपने नाम किया। इन दोनों उपलब्धियों के साथ भारत के खाते में अब 2 स्वर्ण, 7 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 12 पदक हो गए हैं। पदक तालिका में भारतीय दल नौवें स्थान पर बना हुआ है। पदक तालिका में आस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार कायम है। आस्ट्रेलिया ने अब तक 35 स्वर्ण, 18 रजत और 27 कांस्य सहित कुल 80 पदक जीतकर पहला स्थान मजबूत किया है। कनाडा 13 स्वर्ण, 10 रजत और 12 कांस्य सहित कुल 35 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 10 स्वर्ण, 18 रजत और 15 कांस्य सहित कुल 43 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है। मेजबान स्काटलैंड 7 स्वर्ण के साथ चौथे, नाइजीरिया पांचवें, मलेशिया छठे, दक्षिण अफ्रीका सातवें और न्यूजीलैंड आठवें स्थान पर हैं। भारत नौवें स्थान पर है, जबकि जमैका शीर्ष–10 में दसवें स्थान पर मौजूद है। भारत को अब आगामी मुकाबलों में एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, सहित अन्य स्पर्धाओं से पदकों की उम्मीद रहेगी, जिससे पदक तालिका में उसकी स्थिति और मजबूत हो सकती है।

राष्ट्रमंडल खेलः हरजिंदर कौर ने भारोत्तोलन में जीता रजत पदक, लगातार दूसरे राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने का किया कारनामा

ग्लासगो। भारतीय भारोत्तोलक हरजिंदर कौर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए

महिलाओं के 69 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। हरजिंदर ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क के सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए और कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं। स्नैच स्पर्धा में हरजिंदर ने 96 किलोग्राम से शुरुआत की और इसके बाद 99 किलोग्राम तथा 101 किलोग्राम वजन भी सफलतापूर्वक उठाया। स्नैच में 101 किलोग्राम के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ वह कनाडा की शार्लोट सिमोनो के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। सिमोनो ने 108 किलोग्राम वजन उठाकर बढ़त बनाई थी। क्लीन एंड जर्क में भी हरजिंदर ने अपनी शानदार लय बरकरार रखी। उन्होंने पहले प्रयास में 120 किलोग्राम, दूसरे में 123 किलोग्राम और अंतिम प्रयास में 126 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। इस तरह उन्होंने स्नैच में 101 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 126 किलोग्राम सहित कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक पर कब्जा जमाया।

कॉमनवेल्थ गेम्सः भारतीय मुक्केबाजों का शानदार पंच, तीन घंटे में 5 पदक पक्के

साक्षी, अरुंधति, सचिन, अंकुश और नरेंद्र सेमीफाइनल में पहुंचे, भारत के पदकों की संख्या 21 हुई

जैस्मीन लंबोरिया पर भी निगाहें, एक और पदक की उम्मीद

ग्लासगो, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। बुधवार को भारतीय बॉक्सरों ने महज तीन घंटे के भीतर पांच पदक पक्के कर देश का गौरव बढ़ाया। पांचों मुक्केबाज अपने–अपने वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, जिससे भारत के कुल पदकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है।

महिलाओं के 51 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में साक्षी चौधरी ने उत्तरी आयरलैंड की कैटलिन फ्रायर्स को एकतरफा मुकाबले में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। साक्षी ने पहले ही राउंड में 5–0 के सर्वसम्मत निर्णय से बढ़त बनाई और पूरे मुकाबले में अपना दबदबा कायम रखा।

इसके बाद महिलाओं के 70 किलोग्राम वर्ग में अरुंधति चौधरी ने न्यूजीलैंड की मॉर्गन हेंडरसन को पराजित कर अंतिम चार में जगह बनाई और भारत के लिए दूसरा पदक सुनिश्चित किया।

पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में सचिन सिवाच ने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में प्रतिद्वंद्वी को 5–0 के सर्वसम्मत निर्णय से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया और भारत के लिए तीसरा पदक पक्का किया।इसके बाद अंकुश यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेड माइकोक को 5–0 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। अंकुश की जीत के साथ भारत का चौथा पदक सुनिश्चित हो गया।

भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने समोआ के माइकल सेको को कड़े मुकाबले में 3–2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मुकाबले के दौरान नरेंद्र को रेफरी की चेतावनी के बाद तीन अंकों की पेनल्टी भी झेलनी पड़ी, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए जीत अपने नाम की और भारत के लिए मुक्केबाजी का पांचवां पदक पक्का कर दिया।

भारत को मुक्केबाजी में एक और पदक की उम्मीद जैस्मीन लंबोरिया से है। 57 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला इंग्लैंड की एलिस ग्लिन से होना है। यदि जैस्मीन भी जीत दर्ज करती हैं, तो एक ही दिन में भारतीय मुक्केबाजों की झोली में छह पदक आ जाएंगे।

भारतीय मुक्केबाजों के दमदार प्रदर्शन ने कॉमनवेल्थ गेम्स में देश की पदक तालिका को और मजबूत किया है। अब सभी की निगाहें सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों पर टिकी हैं, जहां भारतीय खिलाड़ी स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ रिंग में उतरेंगे।

पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में संतोष कुमार तमिलरासन और यशस पलक्षा ने फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहीं, पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में मुरली श्रीशंकर स्वर्ण पदक की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं।

पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में भारत के संतोष कुमार तमिलरासन और यशस पलक्षा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। दोनों खिलाड़ियों ने दो सबसे तेज़ नॉन–ऑटोमैटिक क्वालिफायर के रूप में अंतिम मुकाबले के लिए जगह बनाई।संतोष कुमार तमिलरासन ने 49.51 सेकंड का समय लिया, जबकि यशस पलक्षा ने 49.65 सेकंड में दौड़ पूरी कर फाइनल का टिकट हासिल किया।यशस पलक्षा अपनी हीट में 49.65 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार प्रत्येक हीट से शीर्ष दो धावक सीधे फाइनल में पहुंचते हैं, जबकि सभी हीटों में शेष खिलाड़ियों में से दो सबसे तेज़ धावकों को भी फाइनल में प्रवेश मिलता है। बेहतर समय के आधार पर यशस ने भी फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स ने रयान टेन डोशेट को बनाया हेड आफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी

कोलकाता

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स ने अपने पूर्व खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के अहम सदस्य रहे रयान टेन डोशेट को हेड आफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी नियुक्त किया है। इस नई भूमिका में वह नाइट राइडर्स समूह की वैश्विक फ्रेंचाइज़ी के लिए क्रिकेट रणनीति, प्रतिभा की पहचान, खिलाड़ी भर्ती और विकास का नेतृत्व करेंगे। रयान टेन डोशेट स्काउटिंग, खिलाड़ी चयन, टीम संयोजन और प्रदर्शन मूल्यांकन की रणनीति तैयार करेंगे। साथ ही वह विभिन्न फ्रेंचाइज़ी के कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर पूरे नाइट राइडर्स नेटवर्क में एक समान क्रिकेट दर्शन और कार्यशैली विकसित करने पर काम करेंगे।

नई जिम्मेदारी के तहत वह त्रिनबागो नाइट राइडर्स (कैरेबियन प्रीमियर लीग), अबू धाबी नाइट राइडर्स (आईएलटी20) और लास एंजिलिस नाइट राइडर्स (मेजर लीग क्रिकेट) के सहायक कोच की भूमिका भी निभाएंगे।

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने फ्रैंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि रयान का परिवार में दोबारा स्वागत करते हुए उन्हें बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि नाइट राइडर्स की क्रिकेट संस्कृति की उनकी गहरी समझ और अंतरराष्ट्रीय व फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त बनाता है। उनके नेतृत्व में नाइट राइडर्स नेटवर्क के विकास को नई दिशा मिलेगी।

अपनी नियुक्ति पर रयान टेन डोशेट ने कहा कि वह एक बार फिर नाइट राइडर्स परिवार से जुड़कर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि यह विभिन्न वैश्विक फ्रेंचाइज़ी की कोचिंग और विश्लेषण टीमों के साथ मिलकर स्काउटिंग, खिलाड़ी विकास प्रणाली को मजबूत करने और दीर्घकालिक क्रिकेट रणनीति तैयार करने का शानदार अवसर है।

रयान टेन डोशेट का नाइट राइडर्स के साथ सफर 2011 में खिलाड़ी के रूप में शुरू हुआ था। वह कोलकाता नाइट राइडर्स की 2012 और 2014 की आईपीएल विजेता टीम के सदस्य रहे। इसके बाद 2022 में वह कोचिंग समूह का हिस्सा बने और 2024 में टीम की तीसरी आईपीएल खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रमंडल खेलः गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में जीता रजत पदक

ग्लासगो। भारतीय धावक गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में इतिहास रचते हुए मपुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही वह इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए। उन्होंने 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकालकर यह उपलब्धि हासिल की। यह राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 10,000 मीटर स्पर्धा में भारत का पहला पदक है। वहीं, पुरुष और महिला दोनों वर्गों को मिलाकर इस स्पर्धा में भारत को 16 वर्षों बाद पदक मिला है। इससे पहले दिल्ली 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में कविता राऊत ने महिला 10,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था। दौड़ की शुरुआत में राष्ट्रीय रिकार्डधारी गुलवीर सिंह शीर्ष धावकों के साथ बने रहे। 4,000 मीटर तक वह तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आधी दूरी पूरी होने तक छठे स्थान पर खिसक गए। इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 6,000 और 7,000 मीटर तक पांचवां स्थान हासिल किया। 8,000 मीटर पर वह फिर छठे स्थान पर पहुंचे, लेकिन अंतिम एक किलोमीटर बाकी रहते चौथे स्थान पर आ गए। आखिरी चरण में गुलवीर सिंह ने जबरदस्त तेजी दिखाई। उन्होंने अंतिम एक किलोमीटर की दूरी 2 मिनट 29.2 सेकंड में पूरी करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया और रजत पदक पर कब्जा जमाया।

भारतीय महिला हाकी टीम एफआईएच वर्ल्ड कप 2026 के लिए रवाना

टीम फ्रैंकफर्ट में जर्मनी के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच खेलेगी

बेंगलुरु

भारतीय महिला हाकी टीम यूरोप के लिए रवाना हुई। एफआईएच हाकी वर्ल्ड कप बेल्जियम और नीदरलैंड 2026 की मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा। टीम ने बेंगलुरु से मुंबई की यात्रा की और फिर फ्रैंकफर्ट, जर्मनी के लिए उड़ान भरी, जहाँ वह इस बड़े इवेंट से पहले अपनी तैयारियों के आखिरी चरण को पूरा करेगी। फ्रैंकफर्ट में रहने के दौरान, भारतीय टीम 31 जुलाई और 1 अगस्त को जर्मनी के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच खेलेगी ताकि टीम के तालमेल को बेहतर बनाया जा सके और यूरोपीय परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला जा सके।

ट्रेनिंग कैंप के बाद, टीम 2 अगस्त को एम्स्टर्डम के लिए रवाना होगी ताकि नीदरलैंड में वर्ल्ड कप की अपनी तैयारियों को जारी रख सके।

भारत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके बाद पूल ष्ठ में दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ मैच खेलेगा।

टीम के रवाना होने से पहले, कप्तान सलीमा टेटे ने टीम की तैयारियों पर भरोसा जताते हुए कहा, पूरी टीम आने वाली चुनौती के लिए उत्साहित है। हमारी ट्रेनिंग अच्छी रही है, और अब उस लय को प्रैक्टिस मैचों और फिर वर्ल्ड कप में भी बनाए रखना है। अपने पहले मैच में चीन का सामना करना एक अहम परीक्षा होगी, और हम टूर्नामेंट की शुरुआत सकारात्मक तरीके से करना चाहते हैं। एक टीम के तौर पर, हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जर्मनी में महीनों की तैयारी और अहम ट्रेनिंग (जिसमें मेजबान टीम के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच भी शामिल हैं) के साथ, टीम अच्छी शुरुआत करने के लिए उत्सुक है।

टेस्ट क्रिकेट सबसे अधिक रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाजों में कुक पहले नंबर पर

मुम्बई

टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत करना सबसे कठिन माना जाता है। इसका कारण है कि सलामी बल्लेबाजों पर टीम को एक अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदारी होती है। इस दौरान उन्हें विरोधी टीम के तेज गेंदबाजी आक्रामक का सामना करना पड़ता है। क्रिकेट इतिहास में कुछ ऐसे सलामी बल्लेबाज हुए हैं। जिन्होंने कठिन हालातों में भी जमकर रन बनाये और अपनी टीम को ठोस शुरुआत दी। इसमें इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक से लेकर भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर भी शामिल है।

एलिस्टर कुक : टेस्ट में पारी की शुरुआत करते हुए कुक काफी सफल रहे हैं। कुक ने अपने करियर के लगभग 95 फीसदी से रन पारी की शुरुआत करते हुए बनाये हैं। इसमें 278 पारियों में 11,845 रन का विशाल आंकड़ा शामिल है। इंग्लैंड की स्विंग वाली पिचों पर अपनी शानदार बल्लेबाजी से वह छाये रहे हैं। उनके नाम पारी की शुरुआत करते हुए सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है।

सुनील गावस्कर : पारी की शुरुआत के लिए भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर जाने जाते हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खतरनाक तेज गेंदबाजों के सामने भी बिना हेलमेट के बल्लेबाजी कर सबसे हैरान कर दिया था। गावस्कर ने बतौर सलामी बल्लेबाज 203 पारियों में 9,607 रन बनाये हैं। ये करियर के 94.9 फीसदी रन हैं। उनकी ठोस तकनीक और रक्षात्मक शैली का कोई जवाब नहीं था।

ग्रीम स्मिथ : दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ ने अपने टेस्ट करियर का 97.5 फीसदी रन पारी की शुरुआत करते हुए बनाये हैं। इस दौरान 196 पारियों में 9,030 रन बनाए।

डेविड वार्नर : आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर भी एक बेहतरीन सलामी बल्लेबाज रहे हैं। वार्नर ने अपने लगभग पूरे टेस्ट करियर (99.6 फीसदी) रन पारी की शुरुआत करते हुए बनाये हैं। इसमें 202 पारियों में 8,747 रन शामिल हैं। उनकी आक्रामक शैली ने उन्हें पहले ही सत्र में मैच का रुख मोड़ने की क्षमता प्रदान की।

मैथ्यू हेडन : वार्नर के हमवतन और दिग्गज मैथ्यू हेडन इस सूची में शामिल हैं। हेडन ने अपने टेस्ट करियर के 100 फीसदी रन पारी की शुरुआत करते हुए बनाये हैं। 184 पारियों में 8,626 रन बनाने वाले हेडन अपनी आक्रामक अंदाज के लिए छाये रहे हैं।

वीरेंद्र सहवाग : भारत के वीरेंद्र सहवाग भी एक बेहतरीन सलामी बल्लेबाज रहे हैं। सहवाग ने अपने करियर के 95.6 फीसदी रन पारी की शुरुआत करते हुए बनाये हैं। उन्होंने 170 पारियों में 8,207 रन बनाये हैं। वहीं टेस्ट क्रिकेट में दो तिहरे शतक लगाकर उन्होंने साबित किया कि टेस्ट क्रिकेट में भी तेजी से रन बनाये जा सकते हैं।

माहेश्वरी विद्यालय में श्रद्धा एवं संस्कारों के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुराना कबूतरखाना स्थित माहेश्वरी विद्यालय में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं संस्कारमय वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माधवदास झीरा (जगन्नाथ मठ), सीतारामबाग के मठाधिपति अच्युतरामानुजाचार्य (अजय महाराज) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

अपने आशीर्वचन में अच्युतरामानुजाचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता ही जीवन के प्रथम गुरु होते हैं। उन्होंने कहा कि उनका सम्मान केवल किसी विशेष अवसर तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रतिदिन श्रद्धा एवं सेवा भाव से उनका आदर करना चाहिए। माता-पिता के आशीर्वाद से ही जीवन में सुख, शांति, सफलता और संस्कारों का संचार होता है।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थी अपने-अपने माता-पिता के चरणचिह्न कपड़े पर अंकित कर विद्यालय लाए थे। पूज्य महाराजजी के सान्निध्य में उन चरणचिह्नों का विधिवत पूजन कराया गया। इस अनूठी एवं संस्कारपूर्ण पहल ने उपस्थित सभी अभिभावकों एवं अतिथियों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित गोसेवक श्री गोपाल सोनी एवं श्रीमती निर्मला सोनी ने विद्यालय की कार्यप्रणाली की मुक्तकंठ से सराहना की। श्री गोपाल सोनी ने कहा कि आज के समय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आमजन की पहुंच से दूर होती जा रही है, ऐसे समय में माहेश्वरी विद्यालय शिक्षा को सहज एवं सुलभ बनाकर समाज की उल्लेखनीय सेवा कर रहा है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को इस उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दी। विद्यालय की सभी कक्षाओं को वातानुकूलित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए विद्यालय के चेयरमैन कन्हैयालाल लोहिया का पूज्य अच्युतरामानुजाचार्य द्वारा विशेष सम्मान किया गया। साथ ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान देने वाले विद्यालय के शिक्षकों का भी अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के वाइस चेयरमैन गोपाल बंग, मैनेजिंग डायरेक्टर रमेश कुमार बंग, कॉरस्पॉन्डेंट श्याम बंग सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मोनिका वर्मा ने किया।

श्रद्धा और भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ गुरु पूर्णिमा महोत्सव

पाद पूजन, अभिषेक एवं महाआरती के साथ गुरु-शिष्य परंपरा का हुआ भव्य उत्सव

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्ण सेवा संस्थान द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार, 29 जुलाई को प्रातः 10 बजे राममनोहर लोहिया फंक्शन हॉल, जीएचएमसी कार्यालय के समीप, चूड़ी बाजार, बेगम बाजार, हैदराबाद में पूर्ण सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष, तंत्रवारिधि एवं मनोरोगतज्ञ परम पूज्य सद्गुरुदेव आचार्य श्रीकान्त महाराज के पावन सान्निध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

महोत्सव के अंतर्गत सर्वप्रथम जगद्गुरु श्रीचंद्र भगवान का विधिवत अभिषेक एवं पूजन सम्पन्न कराया गया। इसके उपरांत विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य परम पूज्य सद्गुरुदेव आचार्य श्रीकान्त महाराज का पाद पूजन सभी भक्तों एवं शिष्यों ने अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ किया। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आचार्य श्रीकान्त महाराज ने सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरु-शिष्य परंपरा की स्मृति का महापर्व है, जिसमें ज्ञान, श्रद्धा, समर्पण एवं अनुशासन का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि जब कोई जिज्ञासु साधक अथवा प्रेमी भक्त आत्मकल्याण एवं भगवत् प्राप्ति की भावना से किसी सद्गुरुनिष्ठ गुरु की शरण में जाता है, तब गुरु कृपा से वह साधना की उच्चतम अवस्था को प्राप्त करता है। इस मार्ग में श्रद्धा, भक्ति और प्रेम तीनों ही साधक के जीवन को पूर्णता प्रदान करते हैं। आचार्य श्रीकान्त महाराज ने कहा कि

ईश्वर ही प्रेम है और प्रेम ही ईश्वर है। प्रेममय होकर परमात्मा के तत्व को जान लेना ही भगवत्तत्त्व का वास्तविक स्वरूप है, जो समस्त सृष्टि में व्यापक है। वेदांत सहित सभी शास्त्र इसी परम सत्य को आत्मतत्त्व अथवा ब्रह्मतत्त्व के रूप में स्वीकार करते हैं।

अपने प्रवचन में उन्होंने यह भी कहा कि संसार में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं हो सकता जो पूर्णतः दोषी हो। सबसे बुरा समझा जाने वाला व्यक्ति भी किसी-न-किसी रूप में किसी के लिए हितकारी सिद्ध होता है। मनुष्यों में केवल गुणों और दोषों की मात्रा का अंतर होता है। कहीं गुण अधिक और दोष कम होते हैं तो कहीं दोष अधिक और गुण कम। इसी आधार पर हम किसी को अच्छा और किसी को बुरा मान लेते हैं। उन्होंने कहा कि गुण और दोष कभी समान अवस्था में नहीं होते, क्योंकि दो विरोधी शक्तियां समान हो जाएं तो गति समाप्त हो जाती है। जीवन में प्रगति तभी संभव है, जब गुणों की वृद्धि और दोषों का परिमार्जन होता रहे।

महोत्सव के समापन पर गुरुदेव भगवान की भव्य महाआरती सम्पन्न हुई, जिसमें उपस्थित सभी भक्तों ने श्रद्धापूर्वक भाग लेकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पूज्य आचार्य श्रीकान्त महाराज ने आशीर्वाद स्वरूप सभी भक्तों को अंबुवाची पर्व पर कामाख्या शक्तिपीठ में भोजपत्र पर निर्मित एवं अभिमंत्रित सिद्ध कामाख्या यंत्र भेंट किए।

कार्यक्रम में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। इनमें गोपाल पांडेय, पंडित राजेश शर्मा, पंडित शिव शर्मा, आदित्य लाहोटी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह-प्रबंधक तथा तमिलनाडु एवं कर्नाटक कोर कमेटी सदस्य आदित्य लाहोटी, डॉ. पाँगुलेटी सुधाकर रेड्डी, जियागुड़ा के कॉर्पोरेटर दर्शन बोहिनी, भाजयुमो तेलंगाना के उपाध्यक्ष लड्डू यादव, दुबई से हृशांत गोस्वामी एवं करनवीर, महाराष्ट्र से अश्विनी चौहान एवं श्रीनिवास चौहान, दिल्ली के सरकारी विभाग से अरुण पाठक एवं प्रियंका पाठक, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभु दयाल शुक्ला, गुजरात से दीपेश राव, प्रसन्ना भूषण, लड्डू सिंह, काजल सक्सेना, संजीव सक्सेना, नमो संघ के महामंत्री प्रशांत सिंह, दीक्षा सिंह, नमो संघ तेलंगाना के अध्यक्ष श्रीकांत लाल, शांतिलाल जैन, महिला उत्थान फाउंडेशन की अध्यक्षा दिव्या पाण्डेय सहित अनेक श्रद्धालु एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कोलदाईदी स्थित रामनाथ आश्रम में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं महेश बैंक के वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने परम पूज्य सेवा रामजी महाराज से आशीर्वाद लिया।

दादाजी योगा ग्रुप ने श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर दादाजी योगा ग्रुप द्वारा कुतबीगुडा में श्रद्धा, सम्मान एवं कृतज्ञता के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित करते हुए भारतीय संस्कृति में गुरु के सर्वोच्च स्थान का स्मरण किया गया। इस अवसर पर योगाचार्य रतन जाजू ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु ही मनुष्य को ज्ञान, संस्कार और सत्य के मार्ग का प्रकाश दिखाता है। गुरु का मार्गदर्शन जीवन को

सही दिशा प्रदान करता है तथा व्यक्ति के व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में महर्षि दयानंद सरस्वती सहित अनेक महान ऋषियों एवं आचार्यों का स्मरण करते हुए उनके द्वारा समाज में ज्ञान, सत्य, नैतिकता और राष्ट्रोत्थान के लिए किए गए योगदान को प्रेरणास्रोत बताया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित रूपकरण, विष्णुवर्धन, प्रतिभा, लक्ष्मी, चित्रा, रिंकू पांडे, सरोज, प्रेमलता, कीर्ति, सरला सोनी, संपदा, सीए श्याम मोदानी एवं प्रदीप जाजू सहित सभी श्रद्धालुओं ने गुरुजनों के बताए मार्ग पर चलने तथा समाज में शिक्षा, सदाचार और सेवा की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर योगाचार्य रतन जाजू का सम्मान भी किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन की सराहना की।कार्यक्रम का समापन वैदिक मंत्रोच्चार, शांति पाठ एवं प्रसाद वितरण के साथ श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ।

मुकेश गौड़ को दी गई श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): मंगलहाट के पूर्व कॉर्पोरेट एवं खैरताबाद डीसीसी उपाध्यक्ष परमेश्वरी सिंह लोध ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ दिग्गज नेता, दिवंगत श्री मुकेश गौड़ जी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर परमेश्वरी सिंह लोध ने कहा, हम उनके दूरदर्शी नेतृत्व, जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण और समाज में उनके अमूल्य योगदान को आदरपूर्वक याद करते हैं। उनके आदर्श और विरासत हमें सदैव पूर्ण प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ जनता की सेवा करने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

उन्होंने महान नेता को नमन करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

पुरानापुल स्थित शिवशंकर मंदिर में पूर्णिमा के अवसर पर महाराज पंडित जी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए बीआरएस नेता एच. कुमार, बाकेश सिंह, विपिन राज एवं अन्य।

खाकी अखाड़ा मठ में गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर भंडारे का आयोजन

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शंकर बाजार, बेगम बाजार स्थित खाकी अखाड़ा मठ में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर साकेतवासी गुरुदेव जयदेव दास खाकी जी की समाधि स्थल पर विधि-विधान से पूजन किया गया। पूजन के पश्चात आयोजित विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस दौरान विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, विजय कुमार तोतला, गोपाल राठी, गिरिराज मिश्रा, विनोद पोरवाल, रमेश लाल यादव, कुशल दास, पुजारी श्याम, श्रीकांत शर्मा, सूरज महाराज, राजेश महाराज, टेम्पू, पवन कुमावत, प्रेमराज एडवोकेट, मनीष मालाणी, अर्जुन (नाशिक), गोपाल चौधरी, शंकर, जगन्नाथ, राजू, अरविंद सहित अन्य भक्तगण मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर अन्नदान कर गुरु चरणों में अर्पित की सेवा

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय के पास केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित कर गुरु परंपरा के प्रति आस्था एवं सेवा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सेवा सहयोगियों ने कहा कि गुरु जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं और उनकी प्रेरणा से ही सेवा, संस्कार एवं मानवता के मार्ग पर चलने की शक्ति प्राप्त होती है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर निस्वार्थ भाव से अन्नदान एवं जनसेवा के माध्यम से समाज में प्रेम, करुणा और

सहयोग की भावना को मजबूत कर रहा है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता, भंवरलाल गुप्ता, मनोज डालमिया एवं उमा डालमिया सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सेवा कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एंटी पेपर लीक...

उससे स्पष्टीकरण और जवाबदेही अपेक्षित होती है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री बड़े सुरक्षा काफिले के साथ चलते हैं, लेकिन छात्रों की समस्याओं से दूरी बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण उन्हें 21 जुलाई को प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना देना पड़ा।

इस पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने सदन में टिप्पणी करते हुए इसे विपक्ष की राजनीतिक रणनीति बताया। वहीं, संबित पात्रा ने राहुल गांधी के 30 वाहनों वाले काफिले संबंधी दावे को निराधार बताते हुए कहा कि यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।

पेपर लीक के आंकड़ों पर भी आमने-सामने सरकार और विपक्ष

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने दावा किया कि देश में 152 बार पेपर लीक की घटनाएं हुई हैं और इससे 750 करोड़ बच्चों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 2024 में कानून बनने के बाद भी सरकार प्रभावी कार्रवाई नहीं कर सकी।

इस पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि विश्व की कुल आबादी लगभग 8 अरब है, ऐसे में 750 करोड़ बच्चों के प्रभावित होने का दावा तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में नए कानून के तहत 52 प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई हैं। साथ ही नए कानून में दोषियों के लिए 10 वर्ष तक के कारावास और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

एंटी पेपर लीक विधेयक पारित होने के बाद सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव और तेज हो गया है। सरकार का कहना है कि नया कानून परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाने और नकल तथा पेपर लीक पर प्रभावी रोक लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं विपक्ष छात्रों के अधिकारों, पुलिस कार्रवाई और संसद में अपनी बात रखने के अवसर जैसे मुद्दों को लेकर सरकार पर लगातार सवाल उठा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ा यह मुद्दा आने वाले समय में भी राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में बना रह सकता है।

उदय कृष्णा...

अब जांच का सबसे महत्वपूर्ण पहलू डिजिटल साक्ष्य हैं। पुलिस मोबाइल फोन, व्हाट्सएप चैट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, कथित वीडियो, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तथा अन्य डिजिटल रिकॉर्ड की फोरेंसिक जांच करा रही है। जांच एजेंसी का मानना है कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और गवाहों के बयान इस मामले की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दूसरी ओर, उदय कृष्णा रेड्डी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया है कि उनके पास अपने पक्ष के समर्थन में डिजिटल साक्ष्य मौजूद हैं। हालांकि फिलहाल मामला न्यायालय के विचाराधीन है और आरोपों की सत्यता का अंतिम निर्णय अदालत में प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर ही होगा।

जिस अधिकारी पर कानून के पालन और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी थी, वही आज गंभीर आपराधिक आरोपों के बीच न्यायिक हिरासत में है। हाईकोर्ट से तत्काल राहत नहीं मिलने के बाद पुलिस की जांच और तेज हो गई है। अब पूरे मामले की दिशा डिजिटल साक्ष्यों, फोरेंसिक जांच और गवाहों के बयानों से तय होगी। आने वाले दिनों में जांच एजेंसियों के निष्कर्ष और न्यायालय की कार्यवाही इस हाई-प्रोफाइल मामले की तस्वीर और स्पष्ट करेंगे।

अन्नदाता जीते...

खाद वितरण के लिए लागू की गई ई-टोकन व्यवस्था को लेकर किसानों द्वारा लगातार शिकायतें सामने आने के बाद सरकार ने इसे फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है।कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है। यह समिति ई-टोकन व्यवस्था में आ रही व्यावहारिक समस्याओं की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। आवश्यक सुधार किए जाने तक यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी।सरकार के इन निर्णयों को किसान संगठनों की महत्वपूर्ण जीत माना जा रहा है। इससे प्रदेश के लाखों मूंग उत्पादक किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अधिक मात्रा में उपज बेचने का अवसर उपलब्ध होगा।

पाक कश्मीर ...

भारत का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसका रुख हमेशा स्पष्ट रहा है। ऐसे में जब कोई विदेशी मीडिया संस्थान या अन्य संगठन पीओके के स्थान पर किसी अन्य शब्द का प्रयोग करता है, तो भारत इसे केवल भाषाई त्रुटि नहीं, बल्कि एक संवेदनशील राजनीतिक और कूटनीतिक मुद्दे के रूप में देखता है। इसी कारण भारत पूर्व में भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों और मीडिया संस्थानों के समक्ष इस विषय पर अपना विरोध दर्ज कराता रहा है।

जिस रिपोर्ट को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ, उसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव के दौरान बढ़े तनाव और हिंसा का उल्लेख किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के दिनों में पुलिस और जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी से जुड़े प्रदर्शनकारियों के बीच कई बार झड़पें हुईं।स्थानीय लोगों के अनुसार, बिजली दरों में वृद्धि, महंगाई, बुनियादी सुविधाओं की कमी, अधिकारों की अनदेखी और चुनावी व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन किए गए। हालांकि, रिपोर्ट में हिंसा में हुई मौतों और हताहतों के दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं होने की बात भी कही गई है। भारतीय दूतावास की आपत्ति के बाद अब यह देखना होगा कि द न्यूयॉर्क टाइम्स अपनी रिपोर्ट की शब्दावली में कोई संशोधन करता है या नहीं। भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत का अभिन्न अंग है और उसे किसी अन्य नाम से संबोधित करना स्वीकार्य नहीं है।

ईरान का...

उन्होंने बताया कि उन्होंने ऐसी फुटेज देखी, जिसमें अमेरिकी सैन्य अधिकारी वास्तविक समय में मिसाइलों की निगरानी कर रहे थे, उनके निर्देशांक साझा कर रहे थे और लक्ष्य तक पहुंचने से पहले उन्हें सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर रहे थे। उनके अनुसार, इस कार्रवाई के कारण कोई भी मिसाइल अमेरिकी ठिकानों तक नहीं पहुंच सकी। अमेरिकी सेना की यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मंगलवार देर रात ईरान से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।सेंटकॉम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा कि यह हमला मध्य-पूर्व में तैनात अमेरिकी सैन्य बलों को निशाना बनाने के उद्देश्य से किया गया था। हालांकि, अमेरिकी वायु एवं मिसाइल रक्षा प्रणाली ने सभी मिसाइलों को सफलतापूर्वक रोक लिया और किसी भी अमेरिकी ठिकाने को नुकसान नहीं पहुंचने दिया।

क्षेत्रीय तनाव बढ़ने की आशंका

विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटनाक्रम के बाद अमेरिका और ईरान के बीच पहले से जारी तनाव और गहरा सकता है। फिलहाल दोनों देशों की ओर से आगे की रणनीति पर नजर बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी स्थिति पर करीबी निगरानी रखे हुए है, क्योंकि इस प्रकार की घटनाएं पूरे मध्य-पूर्व की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं।

20 करोड़ ...

विवाह समारोह में उपस्थित रहे थे। उस समय इस आयोजन को लेकर भारतीय जनता पार्टी और माकपा ने भी सवाल उठाए थे।

बस चालक से बने पत्थर कारोबारी

बताया जा रहा है कि मिनार मंडल कुछ वर्ष पहले तक सरकारी बस चालक के रूप में कार्यरत थे। बाद में उन्होंने अपने रिश्तेदार तुलु मंडल के साथ पत्थर कारोबार से जुड़ने के लिए नौकरी छोड़ दी। इसके बाद उन्होंने इसी क्षेत्र में अपना व्यापार शुरू किया।

रिपोर्टों के अनुसार, तुलु मंडल भी पत्थर कारोबारी हैं और उन्हें सत्तारूढ़ दल से करीबी माना जाता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित मवेशी तस्करी मामले में उन्हें पहले समन भी जारी किया था।

अवैध खनन मामलों की जांच के बीच कार्रवाई

यह कार्रवाई बीरभूम जिले में कथित अवैध पत्थर खनन एवं उससे जुड़े राजस्व नुकसान के मामलों की जांच के क्रम में की गई है। यह जिला लंबे समय से अवैध खनन और पत्थर कारोबार से जुड़े आरोपों के कारण जांच एजेंसियों के रडार पर रहा है। फिलहाल बरामद नकदी और सोने के स्रोत, उससे संबंधित दस्तावेजों तथा अन्य वित्तीय लेन-देन की जांच जारी है। अधिकारियों की ओर से विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही मामले में आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

दैनिक हिंदी शुभ लाभ गुरुवार, 30 जुलाई, 2026 हैदराबाद

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से
जुड़ी कोई भी समस्या
का समाधान इस
मो. 8688868345 से पाएं।

नवाचार, जिज्ञासा और उत्कृष्टता के प्रति सतत प्रयास ही भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे : डॉ. अनुपम शर्मा

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नई पीढ़ी को कठिन परिश्रम के साथ-साथ बुद्धिमत्तापूर्ण एवं नवाचारी सोच के साथ कार्य करना होगा। नवाचार, जिज्ञासा और उत्कृष्टता के प्रति सतत प्रयास ही भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये उद्गार थे मिधानि द्वारा आयोजित एक दिवसीय राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी के मुख्य अतिथि, डीआरडीओ की प्रयोगशाला के विशेष परियोजनाएं निदेशालय के निदेशक डॉ. अनुपम शर्मा, विशिष्ट वैज्ञानिक के। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी वर्तमान उपलब्धियों से संतुष्ट होकर न रुकें, बल्कि अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि शोध एक सतत प्रक्रिया है, जिसे किसी एक उपलब्धि या चरण पर नहीं रोका जा सकता। विकसित भारत के निर्माण के लिए रक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य सभी आवश्यक क्षेत्रों में निरंतर और उद्देश्यपूर्ण अनुसंधान किया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत सरकार के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. आर. वी. ताम्हणकर की 109वीं जयंती के अवसर पर विकसित भारत 2047 में उपक्रमों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. आर. वी. तम्हणकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदेमातरम् के साथ संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता उद्यम की निदेशक (वित्त) के. मधुबाला ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि विकसित भारत 2047 हम सभी का साझा संकल्प है तथा सार्वजनिक उपक्रम गुणवत्ता, पारदर्शिता और नवाचार को अपनाते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्व-पूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की संगोष्ठियां विभिन्न संस्थानों के मध्य ज्ञान एवं अनुभवों के आदान-प्रदान का सशक्त मंच सिद्ध होंगी।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद की सहायक निदेशक एवं प्रभारी डॉ सीमा कुमारी और डॉ. रविचंद्र, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद ने सम्माननीय अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की। पीपीटी प्रस्तुतीकरण के प्रथम सत्र की अध्यक्षता भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-राजभाषा) होमनिधि शर्मा और उप अध्यक्षता मिधानि के अपर महाप्रबंधक (टाइटेनियम, आईसीपी तथा ईबीएम) निशांक कुमार जैन ने की जबकि द्वितीय सत्र के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की भूमिका क्रमशः डॉ सीमा कुमारी और उद्यम के अपर महाप्रबंधक (भंडार) प्रवीण एस वारद ने निभाई। संगोष्ठी में टोलिक (उ) के सदस्य कार्यालयों, विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, सार्वजनिक उपक्रमों, इंजीनियरिंग एवं डिग्री महाविद्यालयों तथा मिधानि के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। दो सत्रों में चले इस राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी में कुल 20 तकनीकी आलेख पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किए गए।

डॉ. सीमा कुमारी ने संबोधन में कहा कि विकसित भारत 2047 के निर्माण में भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान के लोकतंत्रीकरण, नवाचार तथा राष्ट्रीय विकास का एक सशक्त साधन है। हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद के सहायक निदेशक डॉ. रवि चंद्रा ने विकसित भारत 2047 के व्यापक दृष्टिकोण एवं उसके विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी से लेकर कॉर्पोरेट जगत तक प्रत्येक नागरिक अपनी श्रेष्ठ क्षमता का योगदान दे, तो भारत 2047 तक विश्व गुरु की उपाधि को सार्थक करके विश्व के सभी देशों में गौरवशाली स्थान प्राप्त कर सकेगा।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता कर रहे भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-राजभाषा) श्री होमनिधि शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संगोष्ठी ने सभी प्रतिभागियों को विचार हेतु एक नई दिशा प्रदान की है। विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से यह जानने का अवसर मिला कि नई पीढ़ी विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किस प्रकार की योजनाओं एवं नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे संवाद राष्ट्र निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता कर रहे श्री प्रवीण एस. वारद ने कहा कि संगोष्ठी में प्रस्तुत सभी शोधपत्र एवं प्रस्तुतियां उत्कृष्ट, सुव्यवस्थित और तथ्यपरक थीं। विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों, डीआरडीओ प्रयोगशाल-ाओं, शैक्षणिक संस्थानों तथा मिधानि द्वारा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु किए जा रहे प्रयासों एवं भावी योजनाओं का विस्तृत एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया गया। उन्होंने कहा कि यह संगोष्ठी विभिन्न संस्थानों के बीच सहयोग एवं ज्ञान-साझाकरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संगोष्ठी में विकसित भारत 2047 के केंद्रीय विषय से संबंधित भगवान सिंह मीणा (मिधानि) ने आर्मर उत्पादन, डॉ सौरभ दीक्षित (मिधानि) ने पदार्थों के विकास व महत्व, टी सुरेश बाबू ने ईसीजीसी का परिचय, जयंत कुमार ने एसीआई की भूमिका, मनोज कुमार (एएसएल) ने रक्षा व रणनीति क्षेत्र में डीआरडीओ व मिधानि की भूमिका, पीडी रम्या तेजा और अभिनव विश्वास ने साथ में ईसीआईल की भूमिका, लता सिरवी ने भवन्स विवेकानंद कॉलेज की भूमिका, विमल कुमार जैन, विकसित भारत की संकल्पना और आरसीआई, सिरसागर श्री नंदिनी ने विवेक वर्धिनी की भूमिका, सिरिषा, बैली ने बीएचईएल (आर एंड डी) का परिचय, अभविषेक कुमार चौबे ने बीएचईएल आरसी पुरम की परियोजनाएँ व ऊर्जा की भूमिका, मनीष कुमार नामलवार (आरसीआई) ने उपक्रमों का तुलनात्मक अध्ययन, हिमांशु गौतम ने बीईएल की भूमिका, एस आरूष (सेंट जोसेफ डिग्री कॉलेज) ने विकसित भारत के लिए मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकता, डॉ. पापिया बिसवास (एआरसीआई) ने सामरिक अनुप्रयोगों हेतु स्वदेशी निम्न तापिय प्रसार ग्लास सिरेमिक का विकास, डॉ. अर्चना झा (सेंट एन्स कॉलेज फॉर वुमेन) ने शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान की आवश्यकता, ऋषभ भंगे (एससीआई) ने स्मार्ट पॉली पैलेट प्रणाली, मो. ताबिश ने बीडीएल का सामरिक योगदान, भवनीश कुमार सिंह (मिधानि) ने स्टील की गुणवत्ता व उसके अनुप्रयोग, प्रतीक शर्मा ने विकसित भारत के लिए उपक्रमों की भूमिका विषय पर शोधपूर्ण आलेख पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किए। इन शोधपत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वदेशी प्रौद्योगिकी, आत्मनिर्भर विनिर्माण, साइबर सुरक्षा, कौशल विकास, सतत विकास तथा अनुसंधान एवं नवाचार जैसे विषयों पर विशेष बल दिया गया।

कार्यक्रम के आरंभ में शुभदीप घोष, अपर महाप्रबंधक (प्रभारी, क्रय विभाग) ने स्वागत संबोधन से प्रतिभागियों का मिधानि की ओर से स्वागत किया। अवसर पर मानव संसाधन विभाग के प्रभारी हरिकृष्ण वी. और एपी रमेश, अमप्र (मा.संसा.) (प्रभारी, सुरक्षा, ईएमएस तथा टी एवं डी) भी उपस्थित थे।

अंत में सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों को स्मृति-चिह्न एवं सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। संगोष्ठी का संचालन मिधानि के प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में उद्य के हिंदी अनुवादक डॉ. विकसा आजाद तथा कर्मी जयपाल, प्रेम और नरेंद्र गांधी का सक्रिया योगदान रहा। संगोष्ठी का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

गुरु की भक्ति और सेवा से ही जीवन होता है सार्थक : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और सेवा के वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाजसेवियों ने भाग लेकर गुरुजनों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम का शुभारंभ सिद्ध श्री शिरोमणि अन्नपूर्णा माता के अनन्य भक्त ब्रह्मलीन बाबा रामेश्वर दास जी की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने बाबा रामेश्वर दास जी का स्मरण करते हुए उनके बताए सेवा, त्याग, मानवता और परोपकार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। पूजा-अर्चना के उपरांत श्रद्धापूर्वक प्रसाद का वितरण किया गया।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि गुरु की भक्ति के बिना जीवन अधूरा है। गुरु ही वह दिव्य शक्ति हैं जो मनुष्य को अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान, विवेक, संस्कार और सत्य के प्रकाश की ओर ले जाते हैं।

उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति की उस सनातन परंपरा का महापर्व है जिसने सदियों से समाज को ज्ञान, संस्कार, सत्य, धर्म और मानवता का मार्ग दिखाया है।उन्होंने कहा कि गुरु केवल शिक्षा देने वाले नहीं होते, बल्कि वे जीवन को सही दिशा, दृष्टि और उद्देश्य प्रदान करते हैं। गुरु व्यक्ति के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानकर उसका आत्मविश्वास बढ़ाते हैं तथा हर परिस्थिति में सत्य, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देते हैं।

जगत नारायण अग्रवाल ने अपने जीवन को दिशा देने वाले सभी गुरुजनों, शिक्षकों, मार्गदर्शकों एवं प्रेरणास्रोत व्यक्तित्वों को नमन करते हुए समस्त देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के अंत में नियमित अन्नदान सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, शर्मिला अग्रवाल एवं रेनू शर्मा सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने शुरू किया नि:शुल्क श्रीशैलम तीर्थ यात्रा का पंजीकरण

11 एवं 12 अगस्त को भगवान मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग एवं माता भ्रमराम्बा देवी के दर्शन का मिलेगा अवसर

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने अपने सामाजिक एवं आध्यात्मिक प्रकल्प तीर्थ संकल्प 0 सावन की ओर के अंतर्गत 11 एवं 12 अगस्त 2026 को भगवान श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग एवं माता भ्रमराम्बा देवी के पावन धाम श्रीशैलम की निःशुल्क तीर्थ यात्रा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

समाज के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल के नेतृत्व में आयोजित इस विशेष यात्रा का उद्देश्य सावन मास के पावन अवसर पर समाज के सदस्यों को आध्यात्मिक एवं धार्मिक यात्रा का लाभ प्रदान करना है।

यात्रा के लिए प्रत्येक शाखा समिति अपने सदस्यों अथवा पदाधिकारियों में से अधिकतम सात यात्रियों का नामांकन निर्धारित शाखा नामांकन प्रपत्र के माध्यम से अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय कार्यालय को भेज सकती है। यात्रा के लिए आवेदन करते समय प्रत्येक

नामांकित यात्री के लिए- ✻ आधार कार्ड की प्रति, ✻ अग्रवाल समाज तेलंगाना प्रिविलेज कार्ड की प्रति और ✻ हाल का एक पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटो संलग्न करना आवश्यक होगा।

समाज ने स्पष्ट किया है कि अपूर्ण प्रपत्र अथवा आवश्यक दस्तावेजों के बिना प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।

समाज द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार यात्रा पूर्णतः निःशुल्क होगी। यात्रा के लिए केवल वही सदस्य पात्र होंगे जिन्होंने अग्रवाल समाज तेलंगाना की सदस्यता शुल्क का भुगतान किया है। प्रत्येक परिवार से अधिकतम तीन सदस्य ही आवेदन कर सकेंगे, जबकि प्रत्येक शाखा से अधिकतम सात नामांकन स्वीकार किए जाएंगे। यात्रियों का चयन प्रथम आओ, प्रथम पाओ के आधार पर किया जाएगा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने सभी शाखाओं से अनुरोध किया है कि वे ऐसे पात्र सदस्यों को प्राथमिकता दें, जिन्हें पूर्व में आयोजित जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा में शामिल होने का अवसर नहीं मिला था। इससे अधिक से अधिक सदस्यों को इस आध्यात्मिक यात्रा का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

यात्रा से संबंधित अधिक जानकारी एवं नामांकन प्रपत्र जमा करने के लिए इच्छुक सदस्य अपनी संबंधित शाखा के पदाधिकारियों अथवा अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के सम्मान में भव्य दीपोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी, गोलकोंडा जिला द्वारा चूड़ी बाजार स्थित सूर्यवंशी मोची समाज भवन में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की पावन स्मृति में भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी, गोलकोंडा जिला के अध्यक्ष टी. उमामहेंद्र रहे। उन्होंने अपने संबोधन में संत गुरु रविदास महाराज के समरसता, समानता, सामाजिक सद्भाव एवं मानव सेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संत रविदास के आदर्श आज भी समाज को एकता, भाईचारे और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। सभी को उनके बताए मार्ग का अनुसरण कर सामाजिक समरसता को सुदृढ़ बनाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम का संयोजन भाजपा गोलकोंडा जिला के सचिव (प्रेस एवं मीडिया) नटराज नामधारी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं गुरु वंदना के साथ हुआ, जिसके बाद उपस्थित जनों ने संत गुरु रविदास महाराज के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नरसिम्हा, रमेश यादव, देवा जोशी, श्रीकांत, जी. रामू, दीपक, प्रशांत, विनोद प्रजापति एवं महेश मडारी सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन दीपोत्सव, गुरु वंदना तथा समाज में सद्भाव, समरसता और राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

एसबीआई हैदराबाद मंडल ने नेहरू जूलॉजिकल पार्क के पांच बाघों को गोद लिया

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): पर्यावरण स्थिरता और वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), हैदराबाद मंडल ने नेहरू जूलॉजिकल पार्क में पांच बाघों को एक वर्ष की अवधि के लिए गोद लेकर अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया।

इस पहल के हिस्से के रूप में, एसबीआई हैदराबाद मंडल के मुख्य महाप्रबंधक श्री नीलेश द्विवेदी ने बाघ गोद लेने के कार्यक्रम के तहत 15 लाख का चेक नेहरू जूलॉजिकल पार्क की क्यूरेटर सुश्री जे. वसंता (आईएफएस) को सौंपा।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री नीलेश द्विवेदी ने कहा कि वन्यजीवों का संरक्षण एक साझा जिम्मेदारी है और एसबीआई उन पहलों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है जो पारिस्थितिक संतुलन और सतत विकास में अपना योगदान देती हैं। उन्होंने कहा कि पांच बाघों को गोद लेना भारत की समृद्ध जैव

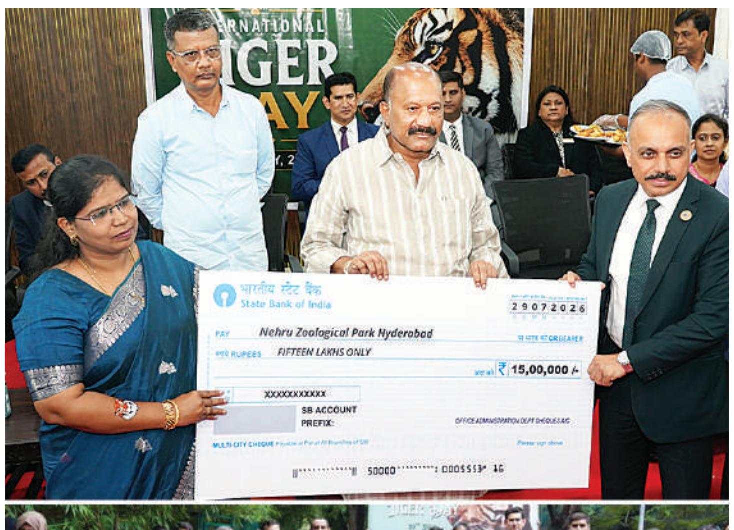

विविधता को संरक्षित करने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही यह संकटग्रस्त प्रजातियों की सुरक्षा के बारे में अधिक से अधिक जन जागरूकता को बढ़ावा देता है।

यह पहल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और प्रभावशाली स्थिरता पहलों के माध्यम से समाज में सार्थक योगदान देने के एसबीआई हैदराबाद मंडल के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है। नेहरू जूलॉजिकल पार्क के साथ साझेदारी करके, बैंक का उद्देश्य भारत की सबसे प्रतिष्ठित और संकटग्रस्त वन्यजीव प्रजातियों में से एक की देखभाल और संरक्षण में सहायता करना है।स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, हैदराबाद मंडल पूरे तेलंगाना में टिकाऊ और सामाजिक रूप से जिम्मेदार पहलों को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्वस्तरीय बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ, यह मंडल पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामुदायिक विकास और वित्तीय समावेशन के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्यक्रम आयोजित करता है, जो समाज पर एक सकारात्मक और स्थायी प्रभाव पैदा करने की बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति की समितियों में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के तीन पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड की विभिन्न समितियों में किया मनोनयन

नई दिल्ली, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार छोटे एवं असंगठित खुदरा व्यापार क्षेत्र को अधिक सुदृढ़, सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति तैयार कर रही है। इसी दिशा में राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सुनील सिंघी की अध्यक्षता में विभिन्न विषयगत समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के तीन वरिष्ठ पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अजय बनारसीदास गुप्ता को सामाजिक सुरक्षा, कल्याण एवं बीमा समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। वहीं संगठन के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री नवीन गर्ग को बाजार अवसंरचना एवं शहरी व्यापार विकास समिति तथा पंजाब प्रदेश के चेयरमैन श्री राजीव अनेजा को वित्त, ऋण एवं एमएसएमई सहायता समिति का सदस्य बनाया गया है।

अजय बनारसी दास गुप्ता | नवीन गर्ग | राजीव अनेजा

हर माह होगी समितियों की बैठक

राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति से संबंधित इन सभी समितियों की बैठकें प्रत्येक माह अलग-अलग समय पर राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सुनील सिंघी की अध्यक्षता में आयोजित की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि इन समितियों के सभी मनोनीत सदस्य राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य भी हैं।

सामाजिक सुरक्षा एवं बीमा पर करेगी कार्य समिति

सामाजिक सुरक्षा, कल्याण एवं बीमा समिति में श्री अजय बनारसीदास गुप्ता सहित कुल सात सदस्य शामिल हैं। यह समिति स्वास्थ्य बीमा एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, पेंशन एवं सेवानिवृत्ति सुरक्षा, दुर्घटना एवं जीवन बीमा कवरेज तथा असंगठित खुदरा क्षेत्र के कामगारों के कल्याण जैसे विषयों पर विचार-विमर्श कर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी। इसके अतिरिक्त बीमा एवं पेंशन योजनाओं के व्यापक समावेशन तथा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के साथ उनके बेहतर एकीकरण के सुझाव भी देगी।

बाजार अवसंरचना के विकास पर रहेगा विशेष फोकस

बाजार अवसंरचना एवं शहरी व्यापार विकास समिति के सदस्य के रूप में श्री नवीन गर्ग अपने सहयोगियों के साथ देश के विभिन्न राज्यों की सरकारों एवं शहरी स्थानीय निकायों के साथ समन्वय स्थापित कर बाजारों के आधारभूत ढांचे के विकास संबंधी सुझाव राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड को देंगे।

इनमें पार्किंग, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग, वेंडिंग अवसंरचना, स्मार्ट मार्केट पहल, अग्नि सुरक्षा, नागरिक सुविधाएं तथा ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी व्यापारिक अवसंरचना का विकास प्रमुख विषय होंगे।

व्यापार के लिए वित्तीय बाधाओं को दूर करने पर होगा कार्य

वित्त, ऋण एवं एमएसएमई सहायता समिति के सदस्य के रूप में श्री राजीव अनेजा अपने सहयोगियों के साथ व्यापारियों के समक्ष आने वाली वित्तीय चुनौतियों, ऋण उपलब्धता तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक नीतिगत सुझाव प्रस्तुत करेंगे। समिति का उद्देश्य व्यापार को अधिक सरल, सुगम और प्रतिस्पर्धी बनाना होगा।

समितियां विभिन्न हितधारकों से व्यापक संवाद कर क्षेत्र-विशिष्ट एवं विषय-आधारित मुद्दों का अध्ययन करेंगी तथा आवश्यक नीतिगत सुधारों एवं व्यापारी कल्याण से जुड़े उपायों की सिफारिश करेंगी। साथ ही व्यापार क्षेत्र को प्रभावित करने वाले नए विषयों पर सतत निगरानी भी रखेंगी।

आवश्यकता पड़ने पर समितियों को संबंधित मंत्रालयों, विभागों, वित्तीय संस्थानों, नियामक प्राधिकरणों तथा विशेषज्ञ संगठनों के अधिकारियों को विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित करने का अधिकार भी प्रदान किया गया है।

गुरु ज्ञान का प्रकाश हैं, गुरु के बिना जीवन की कल्पना अधूरी: राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास बुधवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान अग्रसेन महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती से हुआ।

इस अवसर पर समाज में सुख, शांति, समृद्धि, आपसी सद्भाव और मानव कल्याण की मंगलकामना की गई। इसके पश्चात बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर अन्नदान सेवा संपन्न की गई।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि गुरु ज्ञान का प्रकाश हैं और गुरु के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है।

गुरु ही मनुष्य को अज्ञान रूपी अंधकार से निकालकर ज्ञान, संस्कार और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु केवल धार्मिक शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा, श्रेष्ठ उद्देश्य और सकारात्मक सोच भी प्रदान करते हैं। गुरु का सान्निध्य मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण करता है और उसे समाज व राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का बोध कराता है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि गुरु बनाने की कोई आयु या सीमा नहीं होती। जो भी हमें जीवन में कुछ अच्छा सिखाता है, हमारी सोच को सकारात्मक बनाता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है, वही हमारा वास्तविक गुरु है। चाहे वह बच्चा हो, युवा हो, वृद्ध हो, स्त्री हो, पुरुष हो अथवा स्वयं प्रकृतिजिससे भी हमें सीखने का अवसर मिले, उसका सम्मान करना चाहिए। सीखने की भावना ही व्यक्ति को महान बनाती है और यही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगतराम गोयल, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित अनेक सेवा सहयोगियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। सभी ने गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गुरुजनों को नमन करते हुए मानव सेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया।

267वां तेरापंथ स्थापना दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया

एक आचार, एक विचार और एक आचार्य का त्रिवेणी संगम है तेरापंथ : मुनि श्री दीप कुमारजी

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में 267वां तेरापंथ स्थापना दिवस श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं एवं युवाओं ने भाग लेकर धर्मसंघ की गौरवशाली 267 वर्षीय यात्रा का स्मरण किया। सभा के मंत्री राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी एवं सहवर्ती संत मुनि काव्य कुमारजी के सान्निध्य ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रेरणा प्रदान की। अपने प्रेरक प्रवचन में मुनि श्री दीप कुमारजी ने कहा, ''तेरापंथ एक आचार, एक विचार और एक आचार्य का त्रिवेणी संगम है।'' उन्होंने कहा कि तेरापंथ केवल एक धर्मसंघ नहीं, बल्कि अनुशासन, मर्यादा, संगठन और संस्कारों की जीवंत परंपरा है।

उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु द्वारा स्थापित यह धर्मसंघ 267 वर्षों बाद भी अपने मूल सिद्धांतों पर अडिग रहकर समाज को नैतिकता, संयम और सदाचार का संदेश दे रहा है। प्रत्येक तेरापंथी का दायित्व है कि वह धर्मसंघ की गौरवशाली विरासत को अपने जीवन में आत्मसात करे।

मुनि श्री दीप कुमारजी ने आगे कहा कि वर्तमान समय में यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में संयम, अनुशासन और आत्मचिंतन को स्थान दे, तो अनेक व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं का समाधान स्वतः हो सकता है। उन्होंने सभी से धर्मसंघ की सेवा का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि यही 267वें तेरापंथ स्थापना दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता है। अपने प्रेरक उद्बोधन में मुनि काव्य कुमारजी ने कहा कि तेरापंथ की स्थापना केवल इतिहास का विषय नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि यदि युवा पीढ़ी संघ के आदर्शों, अनुशासन और संस्कारों को अपनाए, तो समाज और राष्ट्र का भविष्य और अधिक उज्ज्वल बन सकता है।कार्यक्रम में तेरापंथ धर्मसंघ की स्थापना, उसके उद्देश्य, आदर्शों तथा 267 वर्षों की प्रेरणादायी विकास यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरु परंपरा के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त करते हुए धर्मसंघ के सिद्धांतों के अनुरूप जीवन जीने का संकल्प लिया।

गुरु पूर्णिमा पर मलकपेट जैन श्री संघ में आध्यात्मिक वर्षावास02026 का शुभारम्भ

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावास-2026 का शुभारम्भ गुरु पूर्णिमा एवं चातुर्मास के प्रथम दिवस पर बम्ब सिंघी भवन में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं धर्ममय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम परम पूज्य श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य प.पू. गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म.सा. ''मधुकर'' की पावन परम्परा के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. भीम के पावन सान्निध्य से प्रेरित तथा जिन शासन चन्द्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएँजिन शासन दीपिका एवं मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. राजुल, मुस्कानप्रिय स्पष्ट वक्ता पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. तथा नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. के सान्निध्य में आयोजित किया गया। जैन श्री संघ के मंत्री अशोक सिंघवी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि गुरु पूर्णिमा एवं चातुर्मास के शुभारम्भ पर आयोजित धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर गुरु वंदना, धर्म आराधना एवं प्रवचनों का लाभ प्राप्त किया।

सर्वप्रथम पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में कहा कि मनुष्य जीवन तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसे गुरु का सान्निध्य और मार्गदर्शन प्राप्त न हो। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालु मंदिर जाते हैं, उसी प्रकार गुरु भगवंत के दर्शन एवं मार्गदर्शन के लिए स्थानक या उपाश्रय पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि यदि वर्ष के आठ महीनों में धर्म-साधना नहीं हो पाती, तो चातुर्मास के चार महीने आत्मचिंतन, धर्मध्यान एवं कर्मों की निर्जरा का श्रेष्ठ अवसर हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि जनवाणी बहुत सुन ली, अब चातुर्मास में जिनवाणी सुनकर जीवन को सार्थक बनाएं।

अपने प्रवचन में पूज्य विनयश्रीजी म.सा. ने गुरु महिमा का वर्णन करते हुए कहा- मेरे मन में गुरु, तेरे मन में गुरु, रोम-रोम में समाए गुरु नाम रे, मेरे सांसों में समाए तेरे नाम रे। उन्होंने कहा कि पिछले आठ महीनों से गुरु एवं धर्म की चर्चा तो होती रही, अब जागने और आत्मस्वाध्याय का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि हम प्रायः दूसरों के स्वाध्याय पर ध्यान देते हैं, जबकि चातुर्मास स्वयं का स्वाध्याय करने का अवसर है।

उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति अपने चित, चिंता और चरित्रइन तीनों में सकारात्मक परिवर्तन कर ले, तो उसका चातुर्मास सार्थक हो जाएगा। उन्होंने बताया कि जीवन में पाँच प्रकार के गुरु होते हैंमाता, धरती माता, पिता, शिक्षक तथा आराध्य गुरु भगवंत। गुरु को केवल हृदय में ही नहीं, बल्कि जीवन के केंद्र में स्थापित करना चाहिए।

पूज्य राजमतीजी म.सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि गुरु एक कुशल शिल्पकार के समान होते हैं, जो अत्यंत सावधानी से शिष्य के व्यक्तित्व को तराशते हैं। गुरु अपने शिष्य को ज्ञानी, कवि, त्यागी और तपस्वी बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु के नाम से शिष्य की पहचान होना सामान्य बात है, किंतु जब शिष्य के नाम से गुरु की पहचान बने, वही गुरु-शिष्य संबंध की वास्तविक सफलता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से गुरु का विश्वास एवं आशीर्वाद सदैव बनाए रखने का आह्वान किया।

जयमल ब्रज मधुकर दरबार में सभा का संचालन करते हुए पारस डोसी ने गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं अर्पित करते हुए पूज्य गुरुवार्या के चरणों में कोटिशः वंदन समर्पित किया तथा उपस्थित अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि शास्त्रों में वर्णित है कि जहां संत-सती का पदार्पण होता है, वहां धर्म, शांति और मंगल स्वतः स्थापित हो जाते हैं। संत केवल प्रवचन ही नहीं देते, बल्कि अपने त्याग, तप, संयम और साधना से धर्ममय जीवन जीने की प्रेरणा भी प्रदान करते हैं।उन्होंने चातुर्मास के दैनिक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिदिन प्रातः 9:15 से 10:15 बजे तक प्रवचन, 10:30 से 11:30 बजे तक नवकार महामंत्र जाप तथा दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक एकासन एवं आयंबिल की व्यवस्था रहेगी।

संघ की ओर से सम्पूर्ण चातुर्मास में एकासन एवं आयंबिल की व्यवस्था कराने वाले श्री जवाहरमलजी, सुरेन्द्रजी सिंघी एवं समस्त बम्ब सिंघी परिवार (जोबनेर-हैदराबाद) के प्रति आभार व्यक्त किया गया। संघ ने जानकारी दी कि आगामी रविवार को प्रवचन के उपरांत गौतम प्रसादी का आयोजन होगा, जिसका लाभ श्री प्रेमराजजी, पवनजी, मुकेशजी, ऋषभजी नाहर परिवार (चैतन्यपुरी) द्वारा लिया गया है। संघ ने उनके प्रति भी आभार व्यक्त किया। आगामी चार महीनों के दौरान प्रवचन, स्वाध्याय, तप, संस्कार शिविर, धार्मिक अनुष्ठान तथा विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिनका लाभ बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्राप्त करेंगे।

कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ प्राप्त कर पूज्य महासतीवृंद का आशीर्वाद ग्रहण किया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-आरती का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-आरती का आयोजन हुआ, जिसमें भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य यजमान विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांववाले) और शेशासाई ने भक्तों को गुलाब जामुन और कचौरी का प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, भोजरेड्डी, पी सी जैन, राहुल सिंघल, महेश कुमार डकोटिया, अशोक कुमार लाखोटिया, आदिनारायण, सुरेश कुमार सीए, माया देवी अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दभास ने मंचेरियाल गोशाला में किया नि:शुल्क पशु चिकित्सा दवा वितरण

मंचेरियाल, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज (दभास) द्वारा सामाजिक सेवा एवं गो-रक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए हाल ही में मंचेरियाल स्थित गोशाला में गोवंश एवं अन्य पशुओं के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए निःशुल्क पशु चिकित्सा दवाइयों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में दभास के सह-मंत्री महेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर गोशाला प्रबंधन को पशुचिकित्सकीय टीके, विटामिन युक्त पोषक सामग्री तथा विभिन्न पशु रोगों की आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं, जिससे गोवंश के बेहतर स्वास्थ्य एवं संरक्षण में सहायता मिल सके। मुख्य अतिथि महेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में गोशालाओं की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गायों की नियमित स्वास्थ्य जांच एवं समय पर उपचार अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से गौ-उत्पादों के सुरक्षित एवं वैज्ञानिक उपयोग के प्रति जागरूक होने तथा गो-सेवा के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा, तेलंगाना प्रदेश शाखा के उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल ने कहा कि दभास के इस सहयोग से गोवंश एवं अन्य पशुओं के स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार होगा। उन्होंने इस प्रकार के सेवा कार्यों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी गोशाला में नियमित पशु स्वास्थ्य शिविर, चिकित्सा परामर्श एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, ताकि पशुपालकों और गोशाला प्रबंधन को आधुनिक पशु स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जा सके।

कार्यक्रम में गोशाला प्रबंधन की ओर से अमित केडिया एवं अम्माजी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सहयोगी उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का सम्मान एवं भेंट कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना एवं समर्पित कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश कार्यालय, नामपल्ली में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर भाजपा तेलंगाना के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर जी, प्रदेश महामंत्री गौतम राव जी और महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शिल्पा रेड्डी का सम्मान किया गया।कार्यक्रम के बाद प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राज्य कार्यालय, गुरुद्वारा और मस्जिद जाकर विभिन्न धर्मों के गुरुओं व आध्यात्मिक संतों से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जगमोहन सिंह ने कहा कि गुरु पूर्णिमा हमें ज्ञान, सेवा और कर्तव्य का संदेश देती है और संगठन के प्रति समर्पण को और मजबूत करती है।

कार्यक्रम में मोर्चा के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.